RNI No. DELHIN/2010/35423, Postal: DL(E)-20/5435/2016-18 राष्ट्रीय संस्करण www.swarajkhabar.in, Email :- editorswarajkhabar@gmail.com

खबरों की आवाज

स्वराज ख़बर

● दिल्ली ● नोएडा ● देहरादून ● पटना से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

11 बांग्लादेश के टी 20 विश्व कप से बाहर होने ...
दिल्ली ● वर्ष : 18 ● अंक : 46 ● सोमवार 26 जनवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य ₹3
निधि अग्रवाल ने खोली निगेटिव पीआर कल्चर की पोल... 08

गणतंत्र दिवस की बधाई

माननीय पाठकों-विज्ञापनदाताओं को देश के राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की ढेर सारी बधाई।

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 28 जनवरी को प्राप्त होगा।

– संपादक

पद्म पुरस्कार 2026 का हो गया ऐलान

धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण, रोहित शर्मा को पद्मश्री सम्मान

● शिबु सोरेन-अलका याग्निक को पद्म भूषण,131 पद्म पुरस्कार का ऐलान ● यूपी से चिरंजी लाल यादव तो एमपी से भगवानदास रैकवार ● कर्नाटक के अंके गौड़ा को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस के पहले केंद्र सरकार ने पद्म पुरस्कारों का ऐलान कर दिया है। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया गया है। झारखंड के पूर्व सीएम दिवंगत नेता शिबु सोरेन और गायिका अलका याज्ञनिक समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण के लिए चुना गया है। वहीं, क्रिकेटर रोहित शर्मा, प्रवीण कुमार, महिला क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर, हॉकी प्लेयर सविता पूनिया समेत 113 हस्तियों को पद्मश्री के लिए चुना गया है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक के अंके गौड़ा को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में 2026 का पद्म श्री पुरस्कार दिया जा रहा है। न्यूज एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अनसंग हीरोज कैटेगरी में करीब 45 लोगों को पद्म श्री अवॉर्ड दिए गए हैं। इनमें मध्य प्रदेश से भगवानदास रैकवार, जम्मू-कश्मीर से बृज लाल भट्ट, छत्तीसगढ़ से बुदरी थाटी, ओडिशा से चरण हेम्ब्रम और गुजरात से धार्मिकलाल चुन्नीलाल पांड्या शामिल हैं। गुजरात के मीर हाजीभाई

कासमभाई को कला के क्षेत्र में पद्म श्री 2026 से सम्मानित किया जाएगा।

पद्म पुरस्कार: सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश के मोहन नागर को पर्यावरणविद के क्षेत्र में पद्म श्री 2026 से सम्मानित किया जाएगा। इस साल के पद्म पुरस्कारों में पूरे भारत से कई गुमनाम नायकों को सम्मानित किया गया है। इनमें हाशिए पर पड़े पिछड़े और दलित समुदायों, आदिवासी जनजातियों और दूरदराज और मुश्किल इलाकों से आने वाले लोग शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने दिव्यांगों, महिलाओं, बच्चों, दलितों और आदिवासियों की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है - स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आजीविका, स्वच्छता, स्थिरता आदि को बढ़ावा देने के लिए काम किया है।

सूत्रों के मुताबिक जिन्हें पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं, उनमें उत्तर प्रदेश से चिरंजी

लाल यादव, महाराष्ट्र से डॉ. आर्मिडा फर्नांडिस के साथ-साथ भिकल्या लाडक्या धिंडा, राजस्थान से गफरुद्दीन मेवाती, जम्मू-कश्मीर से डॉ. पद्मा गुरमेट, तमिलनाडु से डॉ. पुन्नियामूर्ति नटेशन, तेलंगाना से डॉ. कुमारस्वामी थंगराज शामिल हैं।

विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

● राष्ट्रपति बोलीं-बेटियों ने क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतकर रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 77वां गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि ये उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि

इस साल गणतंत्र दिवस के साथ-साथ वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने का उत्सव भी मनाया जा रहा है। गणतंत्र दिवस का यह पवित्र दिन हमें देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर सोचने और समझने का मौका देता है। समय के साथ हमारे देश की हालत बदली है। भारत आजाद हुआ और हम खुद अपने देश के भविष्य को तय करने वाले बने। उन्होंने कहा कि देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। 57 करोड़ जन-धन अकाउंट में 56 फीसदी महिलाओं के अकाउंट हैं। 10 करोड़ से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप हैं। खेल-कूद में हमारी बेटियों ने रिकॉर्ड बनाए हैं। महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप, ब्लाइंड वर्ल्ड कप जीता है। नारी शक्ति कानून से देश की महिलाएं और सशक्त होंगी।

कोई युवा पहली बार वोटर बने तो मिठाई बांटें: मोदी

● राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर 'मन की बात' में पीएम ने की अपील

भारत के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 130वें एपिसोड में देश के लोगों को संबोधित किया है। इस साल ये पीएम मोदी का पहला मन की बात कार्यक्रम था, जिस दौरान उन्होंने देशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मन की बात में लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ये 2026 की पहली मन की बात है। कल 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मनाएंगे। इस दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। 26 जनवरी का पर्व हमें हमारे संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- आज 25 जनवरी का दिन भी बहुत अहम है। आज नेशनल वोटर्स डे है। मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। जब भी कोई युवा पहली बार मतदाता बने तो पूरा मोहल्ला, गांव या फिर शहर एकजुट होकर उसका अभिनंदन करे और मिठाइयां बांटी जाएं। इससे लोगों में वोटिंग के प्रति जागरुकता बढ़ेगी। 18 साल का होने पर वोटर के रूप में खुद को जरूर रजिस्टर करें। पीएम मोदी ने आगे कहा,भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन चुका है। स्टार्टअप इंडिया के इस अद्भुत सफर के हीरो हमारे युवा साथी हैं। उन्होंने अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर उन्होंने जो नवाचार किए, वो इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, सेमिकंडक्टर, ग्रीन हाईड्रोजन और बायोटेक्नोलॉजी...आप नाम लीजिए और कोई न कोई भारतीय काम करते हुए दिख जाएगा। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने बताय, मलेशिया में हमारा भारतीय समुदाय बहुत सराहनीय कार्य कर रहा है। मलेशिया में 500 से ज्यादा तमिल स्कूल हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू को जिंदा जलाया

● दुकान में ही सो रहा था, बाहर से आग लगा दी

पिछले 40 दिनों में 10 हिंदुओं की हो गई हत्या

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक और हिंदू युवक की जिंदा जलाकर हत्या का मामला सामने आया है। 23 साल के चंचल चंद्र भौमिक का जला हुआ शव शुक्रवार रात एक दुकान के अंदर मिला। परिवार ने इसे सोची-समझी हत्या बताया है। घटना नरसिंदी शहर के पुलिस लाइंस से सटे मस्जिद मार्केट इलाके में हुई। चंचल जिस गैराज में काम करता था, उसी के अंदर उसका शव मिला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के वक्त चंचल गैराज के अंदर सो रहा था। रात के समय किसी ने बाहर से शटर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग तेजी से अंदर फैल गई। इससे पहले 18 दिसंबर 2025 को मैमन सिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी। पिछले 40 दिनों 10 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चंचल आग में फंसा रहा और काफी देर तक तड़पता रहा। वह मदद के

लिए चीख रहा था, लेकिन बाहर से शटर लॉक था। उसे निकलने का रास्ता नहीं मिला। लोकल लोगों की सूचना पर फायर सर्विस पहुंची और आग बुझाने में करीब एक घंटे लगे।

जयशंकर ने अमरीकी नेताओं से की मुलाकात

● भारत-यूएस ट्रेड डील पर धीरे-धीरे आग बढ़ रही है बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका के एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस मुलाकात में भारत और अमेरिका के रिश्तों, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति और यूक्रेन में चल रहे युद्ध जैसे बड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में माइक रोजर्सएएल और

एडम स्मिथ जैसे सांसद शामिल थे। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस के साथ बातचीत हमेशा से भारत और अमेरिका के रिश्तों का एक अहम हिस्सा रही है। विदेश मंत्री जयशंकर ने इस मुलाकात के बारे में एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, उन्होंने लिखा, अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अच्छी बातचीत हुई, हमने भारत-अमेरिका संबंधों के विभिन्न पहलुओं और यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की।

गणतंत्र दिवस पर 982 जवानों को वीरता और सेवा पदक

● इनमें 125 वीरता पुरस्कार शामिल,जम्मू-कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 45 मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस 2026 पर केंद्र सरकार ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सेवा मेडल की घोषणा की है। इस बार 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़ें कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन पुरस्कारों में 125 वीरता पदक (गैलेंट्री मेडल्स) भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए

हैं। इसके बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को दिए गए हैं। फायर ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मी भी वीरता पदक विजेताओं में चुने गए हैं। 982 वीरता और सेवा मेडल में से 125 गैलेंट्री मेडल हैं।

पहली बार रुद्र हेलीकॉप्टर की पायलट बनी एक महिला ऑफीसर

● गणतंत्र दिवस समारोह में आज दुनिया देखेगी कैप्टन हंसजा शर्मा की उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा सेनाओं और युद्ध भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारतीय सेना में कैप्टन हंसजा शर्मा रुद्र आर्म्ड हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में क्वालिफाई होने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। 26 जनवरी पर दुनिया पहली बार एक महिला अधिकारी को रुद्र आर्म्ड हेलीकॉप्टर में उड़ान भरते देखेगी। गणतंत्र दिवस पर इस बार कर्तव्य पथ पर महिलाओं के शौर्य की एक और गाथा लिखी जाएगी। भारतीय सेना में कैप्टन हंसजा शर्मा की उपलब्धि को आर्मी एविएशन कोर में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जाता है। रुद्र आर्म्ड हेलीकॉप्टर, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ध्रुव हेलीकॉप्टर का आर्म्ड वेरिएंट है। रुद्र को हमले और टोही मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। यह उन्नत निगरानी और लक्ष्यीकरण प्रणालियों से लैस है और इसमें हथियार लगाए जा सकते हैं, जिससे युद्ध क्षेत्र में यह हेलीकॉप्टर दमदार हथियार बन जाता है। कैप्टन हंसजा शर्मा ने भारत की पहली महिला रुद्र आर्म्ड हेलीकॉप्टर पायलट बनकर इतिहास रच दिया है। आर्म्ड हेलीकॉप्टर उड़ाना सिर्फ उड़ान कौशल के बारे में नहीं है, बल्कि इसके लिए उच्च स्तर की परिचालन तत्परता, युद्ध के मैदान की जागरुकता

जरूरी है। होने पर और संवेदनशील समय में निर्णय लेना शामिल हो सकता है। कैप्टन हंसजा शर्मा की सफलता महिलाओं को शामिल करने के प्रति सेना के बदलते दृष्टिकोण को दर्शाती है,जिन्हें कभी पहुंच से बाहर माना जाता था।

नाटो देशों की नाराजगी के बाद ट्रम्प का यू टर्न

● बदल गया सुर,की ब्रिटिश सैनिकों की जमकर तारीफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अफगानिस्तान युद्ध में नाटो की भूमिका पर विवादित बयान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश की है। शनिवार को उन्होंने ब्रिटिश सैनिकों की तारीफ करते हुए अफगानिस्तान युद्ध में उनकी कुर्बानियों को याद किया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ब्रिटेन के महान और बेहद बहादुर सैनिक हमेशा अमेरिका के साथ रहेंगे।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में 457 ब्रिटिश सैनिक मारे गए, कई गंभीर रूप से घायल हुए और वे दुनिया के सबसे महान योद्धाओं में शामिल थे। ट्रम्प का यह बयान उस विवाद के बाद आया है, जब उन्होंने इस हफ्ते एक इंटरव्यू में कहा था कि नाटो देशों ने अफगानिस्तान में सीमित भूमिका निभाई और वे फ्रंटलाइन से दूर रहे। उनकी इस टिप्पणी से नाटो के सहयोगी देशों में नाराजगी फैल गई थी।

बीजेपी चीफ नितिन नवीन ने यूपी में फूंका चुनावी बिगुल

● मथुरा में कार्यकर्ताओं से कहा-कमर कस लीजिए, 2027 आ रहा

● कहा-यूपी में पहले बंदूक से सरकारें चलती थीं,अब विकास हो रहा

मथुरा (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने यूपी में 2027 का चुनावी बिगुल फूंक दिया। उन्होंने रविवार को कार्यकर्ताओं से कहा- कमर कस लीजिए, 2027 आ रहा है। देश में ऐसी ताकतें भी हैं, जो देश को काटने, बांटने में विश्वास करती हैं। ऐसी ताकतें चुनाव के समय ही जीवित

होती हैं। उनसे भी लड़ना है। उन्होंने कहा- ऐसे लोग भी घूम रहे हैं, जिन्होंने संविधान को तार-तार किया, जिन्होंने यूपी के विकास को धता बताते हुए केवल अराजक लोगों को आगे बढ़ाया। हम भूले नहीं हैं कि बंदूक की नोक पर भी यूपी की सरकार चलती थी, लेकिन आज यूपी की सरकार जनता के वोट से चल रही है।

नितिन नवीन ने कहा-यूपी जिस तरह विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, कुछ लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। जो लोग राजनीति को टाइम पास समझते हैं। चुनाव आता है तो आते हैं और फिर विदेश चले जाते हैं, उन लोगों को सबक सिखाने का समय आ रहा है। दरअसल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार मथुरा पहुंचे थे।

कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। बुलडोजर से फूल बरसाए। नितिन नवीन ने मंच से गदा लहराई। हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। वृंदावन के छटीकरा रोड पर अक्षयपात्र में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी की मन की बात सुनी। बांके बिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले सीएम योगी ने नितिन नवीन का स्वागत किया। भाजपा की जीत के लिए कार्यकर्ताओं से उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की अपील की। नितिन नवीन के साथ यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत संगठन के तमाम नेता भी मौजूद रहे।

पहले भाषण में युवाओं को साधने की कोशिश- नितिन नवीन ने अपने पहले भाषण में युवाओं को साधने की कोशिश की। कहा कि युवाओं को सक्रिय राजनीति में आगे आना चाहिए। पीएम मोदी भी कहते हैं कि हम एक कदम चलेंगे तो देश 140 करोड़ कदम चलकर विकास की पटरी पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने सभी युवाओं से युवाओं से यूपी को विकसित बनाने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का भी आग्रह किया। उन्होंने यूपी के पहले दौरे में ही सीएम योगी की जमकर तारीफ की। कहा कि आज देश का हर राज्य विकसित राज्य बनकर उभर रहा है। यूपी उसका नेतृत्व कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारी जल संकट झेल रही दुनिया की आधी आबादी

● दिल्ली-मुंबई और बेंगलुरु में पानी की कमी, चेन्नई सूखे की कगार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनाइटेड नेशंस की नई रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया में आधी आबादी यानी करीब 4 अरब लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया के 100 सबसे बड़े शहरों में आधे शहरों को

गंभीर पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इनमें दिल्ली, बीजिंग, न्यूयॉर्क और रियो जैसे बड़े शहर शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 39 शहरों में स्थिति बेहद गंभीर है। रिपोर्ट में दिल्ली चौथे स्थान पर है। कोलकाता 9वें, मुंबई 12वें, बेंगलुरु 24वें और चेन्नई 29वें स्थान पर हैं। इसके अलावा हैदराबाद, अहमदाबाद, सूरत और पुणे भी लंबे समय से पानी की कमी झेल रहे हैं। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहला आधुनिक शहर बन सकता है जहां पानी पूरी तरह खत्म हो जाए। मैक्सिको सिटी हर साल करीब 20 इंच की दर से धंस रही है क्योंकि भूमिगत जल अधिक उपयोग किया जा रहा है। अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी राज्यों में पानी को लेकर विवाद चल रहा है।

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर हादसा, आधी रात नाव सहित यमुना नहर में डूब गया शख्स, सर्च जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली–नोएडा बॉर्डर पर बीती रात एक हादसा हो गया। यमुना नहर में नाव पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद से देर रात और आज सुबह फिर शुरू किय गया लेकिन फिलहाल अभी तक डूबे व्यक्ति का

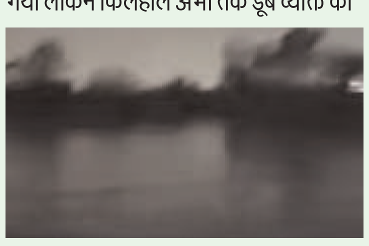

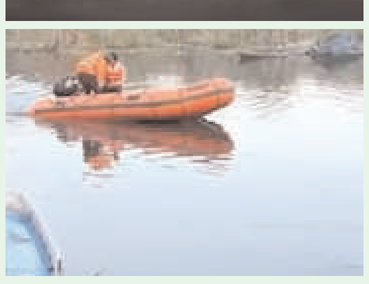

सुराग नहीं मिल पाया है। मामले की शुरुआती छानबीन नोएडा पुलिस की टीम ने की। बाद में यह केस दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। अब मयूर विहार थाना पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। नोएडा पुलिस को देर रात जानकारी मिली कि दिल्ली–नोएडा बॉर्डर के बीच यमुना नहर में एक नाव पलटने से एक व्यक्ति की डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद कल देर रात बचाव अभियान चलाया गया, जिसे आज सुबह फिर से शुरू किया गया। नोएडा पुलिस से अब जांच दिल्ली पुलिस को सौंप दी गई है लेकिन डूबे हुए व्यक्ति की तलाश और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए नहर में रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी चल रहा है। शख्स का पता नहीं चल पाया है। यमुना नहर में डूबने की घटनाओं के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन (बचाव कार्य) तेजी से चल रहा है। घटनास्थल यानी चिल्ला बॉर्डर से कुछ वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई हैं। मौके पर मौजूद चश्मदीद रोशन कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उनका भाई, जिसका नाम विकास है, कल शाम लगभग 7-30 बजे से लापता थे। विकास उसी समय नहर के पास गया था और तब से उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

दिल्ली में दोबारा से बनेंगे डीटीसी बसों के रूट, अब 5 के बजाय होंगे 4 जोन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में लंबे समय बाद डीटीसी बसों के रूटों का पुनर्निर्धारण कर उन्हें मांग के अनुरूप संचालित करने की कवायद शुरू की गई है। पूर्वी और पश्चिमी जोन में बस रूटों का पुनर्निर्धारण किए जाने के बाद अब डीटीसी की ओर से जल्द ही उत्तरी जोन में नए सिरे से बसों के रूट और उन पर संख्या को निर्धारित किया जाएगा।

सीएनजी बसें सड़कों से हटाई गईं– डीटीसी की सीएनजी बसों को 15 साल पूरे होने पर सड़कों से हटा दिया गया है। फिलहाल दिल्ली में करीब 5300 सरकारी बसें ही बची हैं, लेकिन आबादी के लिहाज से तकरीबन 11 हजार बसों की जरूरत है। दिल्ली सरकार इसी साल नवंबर तक बसों की संख्या को बढ़ाकर 7 हजार से ज्यादा करने का प्रयास कर रही है। मार्च तक करीब 300 बसें दिल्ली की सड़कों पर आने की उम्मीद

है। इसके बावजूद यात्रियों के अनुपात में बसों की कमी है।

ऐसे में डीटीसी की ओर से बसों के रूटों का पुनर्निर्धारण किया जा रहा है। यानी जिन रूटों पर यात्रियों की संख्या ज्यादा है, वहां बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी और कम यात्रियों वाले रूटों पर बसों के फेरे कम किए जाएंगे। दिल्ली सरकार पांच में से दो जोन में ऐसी कवायद कर चुकी है। सरकार का कहना है कि जल्द ही उत्तरी जोन में रूटों का पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

डीटीसी में पांच की बजाय चार जोन होंगे

दिल्ली में न केवल रूटों का पुनर्निर्धारण किया जा रहा है, बल्कि डिम्ट्स का अनुबंध समाप्त होने के चलते डीटीसी के जोन को भी पुनर्गठित किया जा रहा है। दिल्ली में पांच जोन की बजाय अब चार जोन पूर्व, उत्तर, दक्षिण और पश्चिम होंगे। एसीएमएस जोन का इनमें विलय किया जाएगा। डिम्ट्स के अधीन संचालित होने वाले डिपो को भी डीटीसी के इन्हीं चार जोन में समायोजित किया जाएगा।

फर्जी कागज से बेची कार, बाप-बेटे ने जेल में गुजारे 70 दिन, असली सरगना तो कोई और निकला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका में फर्जी दस्तावेजों की मदद से गाड़ियां बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के आरोपी को गिरफ्तार किया है। जालसाजों ने एक पूर्व सैनिक और उसके बेटे को भी फंसाया जिसके चलते पिता–पुत्र को 70 दिन जेल में बिताने पड़े। अब पुलिस उसका साथ देने वाले बाकी साथियों की तलाश कर रही है। आरोपी हरदीप सिंह रंधावा तीन साल से वांटेड था और उस पर हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। मामला आज से 3 साल पहले 2023 का है।

इनोवा क्रिस्टा कार को जाली आधार कार्ड और नकली बैंक एनओसी के जरिये बेचा गया। जालसाजों ने ये गाड़ी पुरानी गाड़ियों की खरीद फरोख्त करने वाले पूर्व सैनिक और उसके बेटे को बेच दी थी। पूर्व फौजी ने जालसाजों की गाड़ी को आगे बेचा तो उस ग्राहक ने गाड़ी पर लोन होने का दावा करते हुए पुलिस को शिकायत दी। ग्राहक ने बताया कि उसे धोखाधड़ी से गाड़ी बेची गई है जिसके बाद पूर्व सैनिक और उसका बेटा गिरफ्तार हो गए।

आखिरकार दिल्ली पुलिस को सफलता मिली जब द्वारका डीसीपी अंकित सिंह के दिशा निर्देश पर सेक्टर–10 द्वारका चौकी इंचार्ज रजत मालिक की टीम ने 1200 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा करती हुई पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगलों तक पहुंची, जहां रात–भर की कार्रवाई के बाद मुख्य आरोपी हरदीप सिंह रंधावा को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने पानी से लबालब भरे नालों (नहरों) को पार किया और उन घने जंगलों में डटी रही जहां मोबाइल नेटवर्क तक नहीं था।

आरोपी हरदीप सिंह रंधावा पिछले 3 साल से उत्तर प्रदेश पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही थी। उत्तर प्रदेश में उसके खिलाफ पहले से 4 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दिल्ली में केशोपुर डिपो से हैदरपुर तक बनेगा नया फ्लाईओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के सबसे व्यस्ततम मार्गों में शामिल बाहरी रिंग रोड पर रोजाना लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए पीडब्ल्यूडी एक नया फ्लाईओवर बनाएगा। दिल्ली सरकार ने केशोपुर डिपो के पास स्थित आईएफसी सप्लीमेंट्री ड्रेन से हैदरपुर तक नए फ्लाईओवर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित फ्लाईओवर से केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा के लाखों यात्रियों को जाम से राहत मिलेगी। पीडब्ल्यूडी के अनुसार, यह परियोजना बाहरी रिंग रोड पर मौजूद प्रमुख बॉटलनेक्स को दूर करेगी। इसके बनने से उत्तर, बाहरी और उत्तर– पश्चिम दिल्ली के बीच आवाजाही व्यवहार्यता अध्ययन के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं को भी मंजूरी दे दी है। एजेंसी अध्ययन के दौरान यातायात के दबाव, डिजाइन, पर्यावरणीय प्रभाव और दीर्घकालिक स्थिरता जैसे सभी पहलुओं का गहन मूल्यांकन करेगी, ताकि परियोजना भविष्य की जरूरतों के अनुरूप और बिना किसी देरी के क्रियान्वित हो सके। इस परियोजना के बारे में दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यह फ्लाईओवर दिल्ली के उन लाखों नागरिकों की रोजमर्रा की परेशानियों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जो वर्षों से ट्रैफिक जाम झेल रहे हैं। केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग और पूरी रोहिणी बेल्ट पर ट्रैफिक का भारी दबाव है। मंत्री ने कहा कि व्यवहार्यता अध्ययन पूरा होने के बाद यह परियोजना तेजी से क्रियान्वयन के चरण में प्रवेश करेगी। इससे बाहरी रिंग रोड के सभी प्रमुख चोक–पॉइंट्स का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह परियोजना दिल्ली की दीर्घकालिक ट्रैफिक प्रबंधन एवं शहरी विकास नीति के अनुरूप होगी। दिल्ली सरकार के योजनाबद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर, जाम मुक्त सड़कों और जवाबदेह शासन के प्रति प्रतिबद्धता को यह परियोजना रेखांकित करती है।

दिल्ली को जाम से स्थायी राहत दिलाएंगे

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सरकार पहले ठोस योजना, फिर तेज क्रियान्वयन और स्थायी समाधान की तरफ बढ़ रही है। अब अधूरी और जल्दबाजी में बनाई गई परियोजनाओं का दौर खत्म हो चुका है। बाहरी रिंग रोड से जुड़ा हर बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तकनीकी मजबूती, पारदर्शिता और सख्त समयसीमा के आधार पर ही आगे बढ़ेगा, ताकि दिल्ली को जाम से स्थायी राहत मिल सके।

दिल्ली में 6 दिन से लापता पति–पत्नी के शव नाले में पड़े मिले, घर में झगड़ा होने के बाद से थे गायब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बिंदापुर स्थित अपने घर से छह दिन से लापता अधेड़ उम्र के दंपती के शव शुक्रवार दोपहर नजफगढ़ स्थित ककरौला नाले में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। नजफगढ़ थाना पुलिस ने 58 वर्षीय मुन्ना लाल और 55 वर्षीय उनकी पत्नी रामवती देवी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्राथमिक जांच में पुलिस को शवों पर किसी तरह की चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल पुलिस इस मामले में हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है।

पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि मृतक मुन्ना लाल अपने परिवार के साथ बिंदापुर इलाके में रहते थे। वह और उनकी पत्नी मजदूरी करते थे। परिवार में बेटा रितेश और अन्य लोग भी हैं। रितेश ने 17 जनवरी को बिंदापुर थाने में अपने माता-पिता के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 23 जनवरी की दोपहर 12 बजे एक कैब चालक ने ककरौला नाले में शव देखकर पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद थाने से एसआई राज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और खेर बाबा की मजार के पास से शवों को बाहर निकाला।

एक सप्ताह में दूसरी घटना – द्वारका जिले में एक सप्ताह के भीतर शव मिलने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 19 जनवरी को छठ पार्क में एक युवक का शव मिला था।

फोन से हुई पहचान

शवों की जांच करने पर पुलिस को एक मोबाइल फोन मिला। फोन में मौजूद नंबर पर संपर्क करने पर रितेश नाम के शख्स ने कॉल रिसीव किया। उसने बताया कि यह नंबर तो उसके पिता का है। रितेश ने बताया कि उसके माता-पिता 17 जनवरी को घर में झगड़ा होने के चलते गुस्से में चले गए थे, जिसके बाद से वह घर नहीं लौटे। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दस दिन से लापता बच्चे का शव बरामद

वहीं, दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में शुक्रवार को दस दिन से लापता बच्चे का शव नहर किनारे कूड़े के बीच मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान जैतपुर खड्डा कॉलोनी निवासी राजू के बेटे अरमान के रूप में हुई है। राजू मूलतः उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद का रहने वाला है। वह ऑटो चलाता है। परिजनों का आरोप है पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की।

दिल्ली में यमुना नदी ऐसे होगी निर्मल, हिमाचल और उत्तराखंड के 3 बांधों से मिलेगा जल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी को स्वच्छ बनाने के लिए चल रहे कार्यों में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बनने वाले तीन बांध अहम भूमिका निभाएंगे। इसमें लगभग 7 से 8 साल का समय लगेगा। इनके तैयार होने से यमुना में ज्यादा पानी छोड़ा जाएगा और यह हमेशा स्वच्छ बनी रहेगी। इनमें उत्तराखंड के देहरादून/ टिहरी गढ़वाल में यमुना पर बन रहा लखवार बांध, हिमाचल प्रदेश के सिरमौल जिला में गिरी नदी पर बन रहा रेणुकाजी बांध और दोनों राज्यों में टोंस नदी पर बन रहा किशाऊ बांध शामिल है।

जानकारी के अनुसार, यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर बीते दिनों केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी। इसमें एक तरफ जहां यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए तत्काल आवश्यकता वाले सुझाव बताए गए, तो वहीं दूसरी तरफ दीर्घकालीक योजनाओं को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्हें बताया गया कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुल तीन बांध बनाने का कार्य चल रहा है। इनमें से सभी बांधों की कुल क्षमता का 20 फीसदी पानी दिल्ली को यमुना का ई-फ्लो बढ़ाने के लिए मिलेगा।

सूत्रों ने बताया कि इन बांधों के बनने से दिल्ली को 700 क्यूसेक से ज्यादा पानी यमुना में ई- फ्लो के लिए मिलने लगेगा। केंद्र सरकार ने पिछले साल दिसंबर महीने की शुरुआत में कहा था कि राजधानी में यमुना नदी लगातार प्रदूषित रहने की मुख्य वजह अशोधित सीवेज का प्रवाह, कई औद्योगिक क्षेत्रों में प्रवाह ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) का अभाव, प्रोजेक्ट्स में देरी

और ठोस कचरा प्रोसेसिंग क्षमता में कमी है। राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया था कि अगस्त 2025 तक दिल्ली में 414 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट अंतर बना हुआ था। उन्होंने कहा कि कई स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों में साझा ईटीपी उपलब्ध नहीं हैं और सीवेज ट्रीटमेंट परियोजनाओं को पूरा करने तथा अपग्रेडेशन में देरी का सिलसिला जारी है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में हर दिन 11,862 टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जबकि उसकी प्रोसेसिंग क्षमता केवल 7,641 टन हर दिन है, जिससे 4,221 टन का अंतर रह जाता है।

उन्होंने बताया कि यमुना नदी दिल्ली में पल्ला के पास प्रवेश करती है, जहां पानी की उपलब्धता और जल ग्रहण क्षेत्र से प्रवाह के आधार पर वर्ष भर जल गुणवत्ता में उतार-चढ़ाव होता है।

मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) राज्यों को वित्तीय सहायता के माध्यम से सहयोग कर रहा है। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत यमुना पुनर्जीवन के लिए 6,534 करोड़ रुपये की 35 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनसे 2,243 एमएलडी की सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इनमें से 21 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

अन्याय के विरुद्ध 'धनिया' बनना होगा

गोदान प्रेमचंद का कालजयी उपन्यास है। इसमें होरी के माध्यम से औपनिवेशिक भारत के किसानों की पीड़ा का बड़ा ही मर्मस्पर्शी चित्रण हुआ है। ऐसा, कि इसे पढ़ते हुए समाज में हो रहे हर तरह के शोषण- उत्पीडन और सामाजिक कुप्रथाओं पर पाठकों की भृकुटी तन जाए। वह उसके प्रतिकार में उठ खड़ा हो जाए। 'धनिया' उपन्यास के प्रमुख 'होरी' की पत्नी है। एक अनपढ़ गृहणी होते हुए भी वह वाक्पटु, संघर्षशील और पारिवारिक मर्यादाओं का पालन करने वाली स्पष्टवादी महिला हैं। धनिया का चरित्र ग्रामीण भारत की उन स्त्रियों का प्रतीक है जो घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी अन्याय के विरुद्ध खड़ी हो जाती है। याद करिए गोदान का वह प्रसंग जब होरी को जमींदार राय साहब का बुलावा आता है। जेठ का महीना और सुबह का समय है। होरी जाने को तैयार हैं। धनिया उसे जलपान कर लेने को कहती है। होरी यह कहते हुए धनिया जाता और कुर्ता लाने को कहता है कि देर हो जाने से राय साहब गुस्सा हो जाएंगे। इसपर धनिया कहती हैं, गुस्सा क्यों होंगे? उनकी जमीन जोतती हूं तो मुफ्त में नहीं, लगान देती हूं। धनिया से जुड़े कई प्रसंग उसके साहस और स्पष्टवादिता को उजागर करते हैं। एक अन्य प्रसंग में जब होरी पर भारी कर्ज का बोझ लदा होता है, धनिया खेतों में पुरुषों के साथ श्रम करती हैं और परिवार का पेट पालने में कोई कसर नहीं छोड़ती। वह होरी को सलाह देती हैं कि महाजनों के चंगुल से मुक्त होने के लिए संघर्ष करो। इन प्रसंगों से धनिया की दृढ़ता और बुद्धिमत्ता झलकती है। उपन्यास का एक मार्मिक प्रसंग गाय की हत्या से जुड़ा है। होरी की प्रिय गाय को उसी का भाई हीरा ईर्ष्यावश रात में चुपके से जहर खिला देता है। गाय की मौत हो जाती है। होरी धनिया को चुप रहने की हिदायत देकर उसे हीरा का यह करतूत बता देता है, दूसरे दिन होरी के घर तहकीकात करने पुलिस आती है। पारिवारिक मर्यादाओं का ख्याल करते हुए होरी असली बात छिपा जाता है। पड़ोस के लोग होरी को सलाह देते हैं कि पुलिस को कुछ ले-देकर मामला रफा-दफा कर लो। एक तो उसकी गाय मरी है, दूसरे ऊपर से मामला रफा-दफा करने के लिए पुलिस को रिश्वत! धनिया ऐसी सलाह देने वालों को पुलिस के समक्ष ही गुस्से में आकर भला-बुरा कहती हैं। इस पर दारोगा जी कहते हैं, 'इसी ने हीरा को फंसाने के लिए अपनी गाय को जहर देकर मार दिया है।' यह सुनते ही धनिया का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। वह दारोगा से कहती है--- 'हां गाय को मैंने मारा है। मेरी गाय थी, मार दिया। डाल दो मेरे हाथों में हथकड़ियां, यदि तुम्हारा न्याय यही कहता है तो' और वह अपने दोनों हाथ दारोगा के सामने बढ़ा देती है। वहां उपस्थित तमाम लोग धनिया का उग्र तेवर देख हक्का-बक्का रह जाते हैं। दारोगा जी दांत पीसते हुए वहां से चले जाते हैं। यह प्रसंग धनिया के चरित्र की ऊंचाई को दर्शाता है। वह न केवल निर्दोष को बचाती हैं, बल्कि अन्यायपूर्ण आरोपों का भी डटकर मुकाबला करती हैं। आज के समाज को धनिया जैसी महिलाओं की जरूरत है। जो हर तरह के अन्याय, अत्याचार, फरेब, शोषण और जुल्म के खिलाफ जमकर टक्कर ले सकें। वर्तमान में महिलाएं घर-परिवार तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद करें। धनिया हमें सिखाती हैं कि साहस और स्पष्टवादिता से कोई भी सत्ता झुक सकती है। यदि हम सब धनिया बनें, तो समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, घरेलू हिंसा और आर्थिक शोषण जैसी समस्याओं का अंत असंभव नहीं।

अब पूरे इलाके की सड़कें–गलियां बनाओ– दिल्ली हाईकोर्ट की एमसीडी और सरकार को फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली निवासियों की ओर से एक सड़क के निर्माण की आवाज अब बड़ा स्वरूप ले चुकी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार और नगर निगम को संबंधित सड़क के अलावा क्षेत्र की अन्य सड़कों व गलियों के निर्माण–मरम्मत के आदेश दिए हैं। सड़कों और गलियों को बनाने के निर्देश– मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने आदेश में कहा है कि अब दिल्ली सरकार व दिल्ली नगर निगम संबंधित सड़क ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की अन्य सभी मुख्य सड़कों एवं सहायक सड़कों (गलियों) का निर्माण / मरम्मत भी करनी होगी।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में अपराधियों का आतंक जारी, कारोबारी से मांगी गई 2 करोड़ की रंगदारी; राहुल सिंह से कनेक्शन

रांची, एजेंसी। तुपुदाना क्षेत्र के बालसिरिंग में ईएनए/इथेनॉल का कारोबार करने वाले सुशांत गुप्ता ने राहुल सिंह नामक व्यक्ति द्वारा 2 करोड़ रुपये की मांग और जान से मारने की धमकी देने के मामले में शिकायत दर्ज कराई है। सुशांत गुप्ता ने बताया कि उन्हें व्हाट्सएप कॉल आया, जिसमें खुद को राहुल सिंह के रूप में परिचित कराने वाले व्यक्ति ने उन्हें झारखंड में व्यापार करने के कारण दो करोड़ रुपये की मांग की। सुशांत गुप्ता ने कहा कि उन्होंने आरोपित को नहीं पहचाना और कॉल काट दी। इसके बाद आरोपित ने कई बार व्हाट्सएप कॉल किए और वॉइस मैसेज के माध्यम से धमकी दी। इसमें कहा गया कि यदि दो दिन के भीतर राशि नहीं दी गई, तो उनके जीवन को नुकसान पहुंचाया जाएगा। सुशांत गुप्ता ने आगे बताया कि आरोपित ने फिर व्हाट्सएप कॉल किया तो शुशांत ने कॉल रिकार्डिंग की। इसके बाद राहुल सिंह ने दो वीडियो भी भेजे, जिसमें उसके गिरोह के सदस्यों द्वारा एक कारोबारी के घर पर गोली चलाने का दृश्य दिखाया गया, क्योंकि उन्होंने फिरौती देने से इंकार किया था। पुलिस का कहना है कि केस कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जिस नंबर से रंगदारी मांगी गई है पुलिस उसका डिटेल निकॉल रही है।

अगले 5 दिनों तक ठंड से मिलेगी राहत, 3 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रांची-कांके, एजेंसी। राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में अगले पांच दिनों के दौरान ठंड से राहत मिलने के संकेत हैं। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि 24 से 29 जनवरी तक न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। ऐसे में कंपकंपाती ठंड से आमजनों को राहत मिलेगी। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया तापमान में यह उतार-चढ़ाव सेहत के लिए खतरनाक है, विशेषकर बच्चे और बुजुर्गों के लिए यह मौसम में उतार चढ़ाव विषम साबित हो सकता है। शहरी क्षेत्र में खिली धूप ने आमजनों को राहत दी है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। राज्य में कहीं कहीं पर हल्के और मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 31।2 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 5।7 डिग्री सेल्सियस कांके का रिकार्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम 26।8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले दो दिनों तक ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। बताया कि राज्य में अगले दो दिनों 25 और 26 जनवरी को न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक यानी 27, 28 और 29 जनवरी तक तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इस कारण राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में ठंड का असर कम होगा और लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

झारखंड के बेटे, बेटियों ने दिल्ली में जीता लोगों का दिल, नेशनल बैंड कॉम्पिटिशन में मारी बाजी

रांची, एजेंसी। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के तहत आयोजित नेशनल स्कूल बैंड प्रतियोगिता 2026 के ग्रैंड फिनाले में झारखंड के स्कूलों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। 24 जनवरी को नई दिल्ली के नेशनल बाल भवन में संपन्न इस प्रतियोगिता में झारखंड की चार टीमों ने कई राष्ट्रीय स्कूलों को न सिर्फ टक्कर दी बल्कि उन्हें हराया भी। लड़कों के पाइप बैंड प्रतियोगिता में कैरेली स्कूल, एचईसी टाउनशिप, रांची ने पहला स्थान हासिल किया। जबकि गर्ल्स में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके, रांची ने भी पहली जीत दर्ज की। उसी तरह ब्रास बैंड प्रतियोगिता में सेंट जेवियर हाई स्कूल, लुपुंगुटू, चाईबासा ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसके साथ ही झारखंड ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है और राज्य में युवाओं की प्रतिभा को सबके सामने लाया है।

विजेता टीमों को पुरस्कार के रूप में नगद राशि, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र दिए गया। प्रथम पुरस्कार जीतने वाली टीम 51,000 की राशि मिली है तो दूसरे स्थान रहने वाले टीम नगद 31,000 रुपये की राशि दी गयी तो वहीं, तृतीय स्थान पर रहने वालों को इनाम के रूप 21,000 रुपये की राशि मिली। सांत्वना पुरस्कार जीतने वाली टीमों को 11,000 रुपये की राशि दी गयी।

इस प्रतियोगिता में 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2,217 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसमें राज्य की चार टीमों ने फाइनल में अपनी जगह बनायी और अपनी प्रतिभा का परचम लहराया।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विजेताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और नारी शक्ति देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही है। जबकि शिक्षा मंत्रालय ने इस प्रतियोगिता को नेतृत्व, अनुशासन और टीम वर्क बढ़ाने वाला मंच बताया।

एविला कॉन्वेंट मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल कोयंबटूर, तमिलनाडु, कोयंबटूर गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर प्रदर्शन करेंगे। वहीं, झारखंड के विजेता बच्चों की प्रतिभा को भी राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने की संभावना है।

सीएम हेमंत सोरेन का लंदन में संबोधन

बस हम बौद्धिक रूप से कमजोर, इसी को सुधारने का प्रयास'

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य के युवाओं, विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के बंद दरवाजे खोलने में लगी है। झारखंड में नीतियां नहीं बन पाई थीं, जिससे विद्यार्थी आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। वे नीतियां और नियमावलियां बनाकर उन बंद दरवाजे को खोलने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पास सब कुछ है। हमारे पास कोई ऐसी चीज नहीं है जो हमें आगे बढ़ने से रोक सकती है। संसाधन के मामले में हम अपने देश में कई राज्यों से आगे हैं। बस हम बौद्धिक रूप से कमजोर पड़ते हैं। आज इसी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने का उनका पूरा प्रयास है।

मुख्यमंत्री शनिवार को लंदन के वेस्टमिन्स्टर चैपल स्थित सभागार में आयोजित झारखंड की 25वीं जयंती समारोह में उपस्थित झारखंड के विद्यार्थियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का जोहार करते हुए उनका अभिनंदन और स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के लाभुक विद्यार्थियों से कहा कि वे पहली बार वहां आए हैं। उनके आने से पहले उन्होंने उन लोगों को वहां भेजा और उनकी इस हिम्मत, साहस और इस उत्साह की वजह से ही शायद वे वहां पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें तो वेस्टमिन्स्टर चैपल सभागार का नाम भी नहीं पता था। उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि उन्हें वहां बोलने का मौका मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड इतिहास से भरा राज्य है, जहां मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा, उससे पहले भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो का संघर्ष और आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संघर्ष हमें देखने को मिलता है।

इतिहास लिखना बहुत आसान है। इतिहास पढ़ना बहुत आसान है, पर इतिहास बनाना बहुत कठिन है। कहा, झारखंड का इतिहास भी गौरवपूर्ण इतिहास है। हमारे पूर्वज शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाए थे, लेकिन उनमें दूरदर्शिता थी। यह बहुत दूर की चीजों को जानते थे, समझते थे और उसी अनुरूप अपने जीवन शैली और कार्यशैली को अंजाम देते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुआयामी शिक्षा आज के इस तकनीकी युग में बहुत आवश्यक है। उनकी यही सोच रही है कि जो हमारे पूर्वज रहे हैं उनके सपनों को पूरा करें। जो उनका संघर्ष रहा, जो उनके संघर्ष का कारण था, उन वजहों का कैसे हम समाधान करें, उसके साथ हम आगे बढ़ें। आखिर उन्होंने क्यों अपनी कुर्बानियां दी क्यों उन्होंने अपने को बलिदान किया वह इसलिए, क्योंकि वो हमें सुरक्षित करना चाहते थे। हम अपने पैरों पर खड़ा हो, हम अपने को मजबूत कर पाएं, यही उनकी सोच रही होगी।

उन्होंने कहा कि वे झारखंड के विद्यार्थियों को देखकर जो आत्म संतुष्टि हो रही है, उसे बयां नहीं कर सकते। वे वहां हिंदी में भाषण दे रहे हैं, लेकिन विद्यार्थियों को अंग्रेजी में भाषण देते हुए देख उन्हें गौरव महसूस हो रहा है।

वे चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ी इसी तरीके से आगे और तरक्की करे। इस 25 वर्ष के बाद हम अगले 25 वर्ष के लिए आनेवाली पीढ़ी के लिए लंबे और मजबूत रोडमैप के साथ आगे आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहला कदम है, जब एक जनजातीय राज्य से एक जनजातीय प्रतिनिधि दावोस से लेकर लंदन तक पहुंचा है। निश्चित रूप से आगे भी जाएंगे और आत्म विश्वास के साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में शिक्षा को लेकर कई चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों के बीच में हम आनेवाली पीढ़ी को सशक्त करने, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए नहीं कि उन्हें सरकारी नौकरी चाहिए। हम उनको इस तरह तराशना चाहते हैं कि देश दुनिया का कोई भी कंपटीटिव, सिचुएशन हो, वो उसका सामना कर पाएं।

आज के वक्त के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें। हम शिक्षा में कोई आर्थिक अड़चन आने नहीं देंगे। आज स्कूली स्तर पर सीएम स्कूल आफ एक्सेलेंस प्रारंभ किया है। हमने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए बड़े पैमाने पर दरवाजे खोले हैं।

प्रोफेशनल कोर्सेस के लिए हमने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड को भी लांच किया है, जिसके माध्यम से 15 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता बैंकों के माध्यम से बहुत ही कम ब्याज दर पर दी जाती है।

लंदन में पढ़ाई के लिए उन सभी को भेजने का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनकी क्षमता को ताकत देने का प्रयास है। आप उन ऊंचाइयों तक जाएं, जहां तक आप जा सकें। मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना ईंधन का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने झारखंड की रजत जयंती का जिक्र करते हुए कहा कि 25 साल के इस युवा राज्य में पूरी ताकत है, पूरी क्षमता है। इस नौजवान राज्य की क्षमता को वे एक पॉजिटिव डायरेक्शन में ले जाने का कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि अगर लक्ष्य ठीक से नहीं साधा गया तो पूरी मेहनत पानी में चला जाएगी।

कुंग फू वुशु में जौहर दिखाने वाले खिलाड़ियों से सांसद ढुल्लू महतो ने की मुलाकात, सहयोग का मिला आश्वासन

धनबाद, एजेंसी। असम में आयोजित अंडर 17 राष्ट्रीय कुंग फू वुशु चैंपियनशिप प्रतियोगिता में धनबाद के दो खिलाड़ियों ने गोल्ड और सिल्वर जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया था। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने इन दोनों खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों को गुलदस्ता देकर एवं मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दरअसल, असम में अंडर 17 राष्ट्रीय कुंग फू वुशु चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में चिरकुंडा नगर परिषद तालडांगा नेहरू रोड़ निवासी जगमोहन सिंह की दोनों बेटी ने हिस्सा लिया था। जिसमें दोनों बेटियों ने गोल्ड और सिल्वर जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया है।

इस खुशी के मौके पर शुक्रवार को धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने दोनों बेटियों से मुलाकात की। इस दौरान दोनों खिलाड़ियों ने सांसद के समक्ष ट्रेनिंग सेंटर बनवाने एवं खिलाड़ियों को सहयोग करने की बात रखी। इस पर सांसद ने दोनों को आश्वास्त किया कि वह प्रयास करेंगे कि जल्द से जल्द ट्रेनिंग सेंटर बनवाया जाए, ताकि उन्हें ट्रेनिंग लेने में कोई परेशानी ना हो। साथ ही सांसद ने यह भी भरोसा जताया कि जब भी उन्हें किसी भी चीज की जरूरत हो, वे संपर्क कर सकते हैं। उन्हें जरूर सहयोग मिलेगा।

मौके पर सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि झारखंड सरकार खिलाड़ियों के प्रति उदासीन है, जिसके कारण खिलाड़ियों को इस तरह की परेशानियों को झेलना पड़ रहा है। समुचित विकास भी नहीं हो पा रहा है। आज हमारे झारखंड में ऐसी प्रतिभा छिपी हुई हैं जिसे सामने लाने की आवश्यकता है। मैं भी फुटबॉलर रहा हूँ, मुझे खेल का दर्द मालूम है।

28 दिन बाद मिली चतरा से गायब बच्ची की बॉडी

घर से 3 किमी दूर नक्सलबांध पहाड़ से बरामद, खेलने गई थी लौटी ही नहीं

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव से 28 दिन से लापता 14 वर्षीय दिव्यांग बच्ची मुन्नी कुमारी का शव नक्सलबांध पहाड़ पर बरामद किया गया। बच्ची की तलाश में पुलिस ने इनाम की घोषणा से लेकर एसआईटी गठन तक हरसंभव प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, जिस स्थान पर शव मिला है, वह मुन्नी के घर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। शव काफी हद तक सड़-गल चुका था।

ग्रामीण की सूचना पर पहुंची पुलिस, एफएसएल ने की जांच : नक्सलबांध पहाड़ के जंगल में शव पड़े होने की जानकारी सबसे पहले थाना क्षेत्र के जोरी मोरल गांव निवासी बिरसा मुंडा को मिली। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत मुन्नी के परिजनों को दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही बिजुरी थाना पुलिस, एसडीपीओ और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड से भी जांच कराई गई। शव मिलने के बाद क्षेत्र में भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए।

28 दिसंबर को घर से निकली थी मुन्नी : परिजनों के अनुसार, मुन्नी कुमारी 28 दिसंबर 2025 को गांव के कुछ बच्चों के साथ खेलने के लिए घर से निकली थी। शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के गांवों, रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने गांव के तालाब में गोताखोर उतारे, ड्रोन कैमरे से भी तलाशी कराई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। एसआईटी का गठन कर लगातार छापेमारी भी की गई।

50 हजार तक पहुंचा था इनाम, पुलिस रही विफल : पुलिस ने शुरुआत में मुन्नी की जानकारी देने पर 10 हजार रुपए इनाम की घोषणा की थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 20 हजार और फिर 21 जनवरी को 50 हजार रुपए कर दिया गया। इसके बावजूद कोई ठोस सूचना नहीं मिल सकी। मुन्नी के पिता निर्मल राणा बदहवास हैं।

जामताड़ा के दौरे पर आएंगे राहुल गांधी

इरफान अंसारी ने नई दिल्ली में की मुलाकात

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी को जामताड़ा आगमन का औपचारिक निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए शीघ्र जामताड़ा आने की सहमति दी। इस अवसर पर जामताड़ा में एक ऐतिहासिक जनसभा और सम्मेलन के आयोजन पर भी सहमति बनी।

मुलाकात के दौरान झारखंड की राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। डॉ। इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी।

राहुल गांधी ने झारखंड सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है और सरकार जनहित के मुद्दों पर मजबूती से काम कर रही है। संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए डॉ। अंसारी ने बताया कि प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन में कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर लगातार मजबूत हो रहा है और कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से जनता के बीच सक्रिय हैं। राहुल गांधी ने राज्य सरकार के मंत्रियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी मंत्री अपने-अपने विभागों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

बैठक में राहुल गांधी ने स्पष्ट संदेश दिया कि भाजपा को हर मुद्दे पर तथ्यों के साथ सशक्त और मुखर जवाब दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र और समाज की अपेक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन विभाग से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट राहुल गांधी को सौंपी गई।

उन्होंने 15 लाख रुपये तक के हेल्थ कार्ड के माध्यम से निश्शुल्क इलाज की योजना की सराहना की और स्वास्थ्य ढांचे को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। डॉ। अंसारी ने बताया कि झारखंड में मेडिकल कालेजों की संख्या बढ़ाई जा रही है और बीमा आधारित स्वास्थ्य योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हैं।

खाद्य आपूर्ति व्यवस्था पर चर्चा में पीडीएस प्रणाली को मजबूत करने और फोर जी ई-पॉस मशीनों के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई। राहुल गांधी ने डॉ। इरफान अंसारी के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें जनहित में समर्पित भाव से कार्य करते रहने का संदेश दिया।

रांची में 6 महीने में 39,346 नए नाम जुड़े, 30,290 अब भी इंतजार में

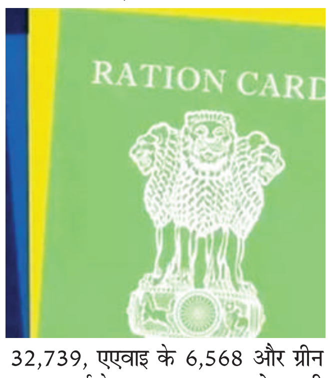

रांची, एजेंसी। रांची जिले में बीते छह महीनों के दौरान राशन कार्ड में नाम जोड़ने को लेकर अधिक संख्या में आवेदन आ रहे हैं। आठ अगस्त, 2025 से 21 जनवरी, 2026 के बीच जिले के विभिन्न प्रखंडों में कुल 39,346 नए लाभुकों के नाम प्रायोरिटी हाउस होल्ड (पीएचएच- गुलाबी कार्ड), अंत्योदय अन्न योजना (एएवाइ-पीला कार्ड) और ग्रीन राशन कार्ड में जोड़े गए हैं।

इसके बावजूद राशन कार्ड में नाम जुड़वाने वालों की कतार अब भी लंबी बनी हुई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, रांची से सिर्फ 30,290 लाभुकों के नाम पहले ही स्वीकृत कर पोर्टल पर अपलोड करने के लिए भेजे जा चुके हैं, लेकिन सीमित वेकैंसी होने के कारण अब तक उनका नाम नहीं जुड़ पाया है।

जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी राम गोलाल पांडेय ने बताया कि नाम जोड़ने के लिए करीब 90 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। जितनी जगह उपलब्ध होती है, उतने ही नए लाभुकों को कार्ड की सूची में शामिल किया जा सकता है। विभाग ने व्यापक जांच के बाद लगभग 30 हजार अपात्र लाभुकों (जिनका निधन हो चुका था या जो मानदंडों पर खरे नहीं उतरते थे) के नाम राशन कार्ड से हटाए। इसके बाद नए लाभुकों के नाम जोड़े जा सके। इस अवधि में पीएचएच के 32,739, एएवाइ के 6,568 और ग्रीन राशन कार्ड के 39 नए लाभुक जुड़े। शहरी क्षेत्र में रांची नगर निगम सबसे आगे रहा, जहां अकेले 14,260 लाभुकों के नाम जोड़े गए। नामकुम (2,548), चान्हो (2,371), तमाड़ (2,356), सिल्ली (2,422) और अनगड़ा (2,235) में भी बड़ी संख्या में नए नाम जुड़े हैं।

राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ने से परेशान लोग लगातार जिला खाद्य आपूर्ति कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। विभाग उन्हें फिलहाल इंतजार करने की सलाह दे रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि नाम जोड़ने के आवेदन अभी भी लिए जा रहे हैं और प्रक्रिया निरंतर जारी है। आवेदकों ने बताया कि वे पिछले आठ माह से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है।

रांची के सैन्य फायरिंग रेंज में स्क्रैप टायर यार्ड में लगी आग, आसमान में छाया काला धुआं

रांची, एजेंसी। रांची में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब बरियातू स्थित सैन्य फायरिंग रेंज के भीतर बने स्क्रैप टायर यार्ड में अचानक आग लग गई। यह घटना दोपहर करीब एक बजे हुई, जब आग से उठता घना काला धुआं पूरे इलाके में फैल गया। यह क्षेत्र सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आया। सदर थाना के प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि आग लगने की खबर मिलते ही करीब एक दर्जन दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार, सैन्य फायरिंग रेंज परिसर के भीतर खुले यार्ड में सैकड़ों स्क्रैप टायर रखे हुए थे। इन्हीं टायरों में आग लगने से धुआं तेजी से फैल गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार आग लगने के सटीक कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आग दुर्घटनावश लगी या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

हजारीबाग का बेलतू गांव बना छावनी: अब स्थिति नियंत्रित, अलर्ट मोड में प्रशासन

सरस्वती विसर्जन में दौरान हुआ था सांप्रदायिक तनाव

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलतू गांव में सरस्वती पूजा प्रतिमा विसर्जन के दौरान उत्पन्न सांप्रदायिक तनाव के बाद अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सावधानी के तौर पर पूरे गांव और आसपास के इलाकों को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में है। लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है। रविवार सुबह से गांव में शांति का माहौल है, लेकिन तनाव की पृष्ठभूमि को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है।

विसर्जन जुलूस के दौरान भड़का विवाद, हुई पत्थरबाजी : जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात सरस्वती पूजा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ गाना बजाए जाने को लेकर दो संप्रदायों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते यह विवाद उग्र हो गया। दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी होने लगी। अचानक हुई इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पत्थरबाजी के दौरान कई लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास शुरू किया।

घायलों का अस्पताल में इलाज, एसपी-डीसी पहुंचे : घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इधर, घटना की गंभीरता को देखते हुए हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन पहुंचे। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह देर रात ही बेलतू गांव पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौजूद पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : रविवार सुबह तक गांव में स्थिति सामान्य हो गई, लेकिन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार के नेतृत्व में चार थानों के थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर कैंप कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई है। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने स्पष्ट कहा है कि मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने, शांति बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

पूजा की पवित्र रात में छलनी हुआ युवा शरीर

बनमनखी/ पूर्णिया, स्वराज खबर। जिस घर के दरवाजे पर मां सरस्वती की प्रतिमा विराजमान थी, जहां श्रद्धा, शांति और भक्ति का माहौल था– उसी चौखट पर शनिवार की मध्य रात्रि एक युवक खून से लथपथ पड़ा मिला। बनमनखी थाना क्षेत्र के नगर परिषद वार्ड संख्या-20 स्थित धीमा गांव में 20 वर्षीय युवक को गोली लगने से गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल युवक की पहचान आशीष कुमार (20 वर्ष), पिता मिथिलेश चौधरी उर्फ मुन्ना चौधरी के रूप में हुई है। आशीष की माता इसी वार्ड की निर्वाचित वार्ड पार्षद हैं। घर में मां सरस्वती की पूजा चल रही थी, भजन और आरती की गूंज थी, तभी अचानक हालात बदल गए। पूजा के बीच युवक को उसके ही घर के दरवाजे पर घायल अवस्था में देखा गया, जहां उसके पेट में गोली लगने के निशान थे। परिजनों ने बदहवास हालत में युवक को पहले पूर्णिया ले जाकर इलाज कराया, लेकिन हालत बेहद गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे पटना रेफर कर दिया। युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ शैलेश प्रीतम और थानाध्यक्ष संजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। एसडीपीओ शैलेश प्रीतम ने बताया कि गोली लगने की सूचना परिजनों से नहीं, बल्कि अन्य लोगों के माध्यम से पुलिस को मिली। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया कि पूजा के दौरान अज्ञात लोगों ने गोली चलाई, जो युवक के पेट में लगी। एसडीपीओ ने कहा कि मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूरे गांव में घटना के बाद से सन्नाटा पसरा हुआ है। जहां श्रद्धा के दीप जल रहे थे, वहां अब चिंता और भय का अंधेरा छाया हुआ है।

धमदाहा में गरिमामय आयोजन के साथ मनाया जाएगा 79वां गणतंत्र दिवस

धमदाहा/पूर्णिया, स्वराज खबर। भारत का गणतंत्र केवल एक तिथि नहीं, बल्कि वह संवैधानिक चेतना है जिसने देश को विधि के शासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की मजबूत आधारशिला दी। हर वर्ष 26 जनवरी इसी चेतना को दोहराने और उसे नई ऊर्जा देने का अवसर बनकर आता है। इसी कड़ी में 79वें गणतंत्र दिवस को लेकर धमदाहा अनुमंडल में प्रशासनिक स्तर पर व्यापक और सुसंगठित तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्य समारोह का आयोजन ऐतिहासिक उच्च विद्यालय क्रीड़ा मैदान, धमदाहा में किया जाएगा, जहां अनुमंडल पदाधिकारी अनुपम कुमार झंडोत्तोलन के उपरांत अनुमंडलवासियों को संबोधित करेंगे। आयोजन को गरिमापूर्ण बनाने के लिए मैदान की साफ-सफाई, रंग-रोगन और आवश्यक व्यवस्थाएं अंतिम रूप दे दी गई हैं।

सेवा और संस्कार की अमिट छाया:

स्व. ई.राजीव कुमार सिंह की स्मृति में नर्सिंग शिक्षा को नया संकल्प

केनगर /पूर्णिया, स्वराज खबर। कैलाश सुशील नर्सिंग संस्थान एवं अजय हॉस्पिटल, गणेशपुर (परोरा) परिसर में संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय इंजीनियर राजीव कुमार सिंह की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और संस्कार के त्रिवेणी संगम के रूप में सम्पन्न हुआ। प्रतिमा अनावरण के साथ ही वर्ष 2024 एवं 2025 के तहरू व,हरू बैच के विद्यार्थियों के लिए लैंप लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों, परिजनों एवं विद्यार्थियों ने स्व.राजीव कुमार सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि विद्या विहार के सचिव राजेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि स्व.राजीव कुमार सिंह दूरदर्शी सोच के व्यक्ति थे। उन्होंने शिक्षा को सेवा का माध्यम मानते हुए नर्सिंग संस्थान की स्थापना की, जो आज समाज के लिए मजबूत आधार बन चुका है। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य देशबंधु कुमार उर्फ बुलबुल पासवान ने कहा कि स्व.राजीव कुमार सिंह का सपना था कि क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा मिले। उनके अधूरे सपनों को संस्थान प्रबंधन आगे बढ़ा रहा है, जिसमें समाज का पूरा सहयोग रहेगा।

संस्थान के निदेशक रंजीत रमण ने भावुक शब्दों में कहा कि उनके बड़े भाई भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और आदर्श संस्थान की दिशा तय कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, निरंतर अध्ययन और सेवा भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने घोषणा की कि संस्थान में 75 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति और 85 से 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 'स्व. ई. राजीव कुमार सिंह सहायता राशि' प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत, नृत्य, गायन, भाषण और एकांकी प्रस्तुत की गई, जिनके लिए प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन छात्र कौशल कुमार एवं छात्रा रूही खातून ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर संस्थान के प्राचार्य सुधाकर कुमार, उप प्राचार्य मोनिका टूड्डू, प्रबंधन एवं शिक्षकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बनमनखी विधानसभा क्षेत्र में उत्साह के साथ सुना गया 'मन की बात'

बनमनखी/पूर्णिया, स्वराज खबर। बनमनखी विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'मन की बात' का 130वां एपिसोड रविवार को पूरे उत्साह और पर्व जैसा माहौल बनाकर मनाया गया।

इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं निजी आवासों पर रेडियो, मोबाइल और दूरदर्शन के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के प्रेरक उद्बोधन को सुना।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने तथा श्री अन्न (मोटे अनाज) को अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने देशवासियों से मोटे अनाज को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने का आह्वान करते हुए इसे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी बताया। बनमनखी के विधायक कृष्ण कुमार ऋषि ने अपने आवास स्थित बूथ संख्या 64 पर स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना और प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा जिला प्रवक्ता दिलीप झा, विधानसभा संयोजक अजय सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष संतोष चौरसिया सहित नवनीत सिंह, राजेश रंजन यादव, मंटू दास, नवरंग मंडल, अश्विनी भार्गव, सुरेंद्र साह समेत अनेक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

धनगाम में किसान चौपाल का हुआ आयोजन

'मन की बात' के सामूहिक श्रवण के बहाने ग्रामीण भारत को मिला योजनाओं की समझ

पूर्णिया, स्वराज खबर। पूर्णिया ईस्ट प्रखंड के धनगमा ग्राम में आयोजित किसान चौपाल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत को जागरूक करने का मंच बन गया, जब विधायक विजय खेमका ने ग्रामीण भाइयों-बहनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने पहली बार मतदाता बनने के उत्सव को सामाजिक आंदोलन का रूप देने, स्टार्टअप और नवाचार से आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, वृक्षारोपण, मोटा अनाज, युवाओं में राष्ट्रभक्ति और पर्यावरण संतुलन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। मन की बात के उपरांत विधायक विजय खेमका ने किसानों, श्रमिकों और युवाओं को संबोधित करते हुए विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (जी-राम-जी योजना) की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि विपक्ष, विशेषकर परिवारवादी कांग्रेस, इस योजना को लेकर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है, जबकि यह योजना ग्राम विकास, किसान हित और श्रमिक सुरक्षा की ठोस गारंटी है। विधायक ने बताया कि योजना के अंतर्गत 125 दिन की कार्य गारंटी, एक सप्ताह में भुगतान, भुगतान में विलंब पर क्षतिपूर्ति, बायोमेट्रिक उपस्थिति और ई-सर्वेक्षण जैसी पारदर्शी व्यवस्थाएँ शामिल हैं। साथ ही कृषि कार्य के समय योजना को अलग रखने का प्रावधान यह सुनिश्चित करता है कि किसानों को मजदूरों की कमी न हो–यह नीति और व्यवहार के संतुलन का उदाहरण है। विधायक ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसे अब देश, किसान, श्रमिक और युवाओं के विकास से कोई सरोकार नहीं रह गया है। विखंडित होता महागठबंधन केवल भ्रम की राजनीति तक सिमट गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के संकल्प को केवल भाषण नहीं, बल्कि व्यवस्थित योजना

और स्पष्ट रोडमैप के रूप में देश के सामने रखा है। किसान गोष्ठी के दौरान विधायक ने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं भी सुनीं और आश्वस्त किया कि एनडीए सरकार में बिहार की विकास गति तेज हुई है। उन्होंने कहा, 'पूर्णिया को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना मेरा संकल्प है, और यह संकल्प योजनाओं के ज़रिये ज़मीन पर उतर रहा है। 'कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष पानो देवी, बिरेंद्र सिंह, लखेंद्र राय, हरदेव मंडल, शंकर दास, राजेश राय, रविंद्र यादव, रवि दास, अनिल राय, बुचिया देवी, पुतुल देवी, राजो देवी, वीरेंद्र सिंह, मोहित राय, त्रिपुरी राय, सत्यभामा, पप्पू राय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजा का विसर्जन पूरे श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न

अलीनगर/दरभंगा, स्वराज खबर। अलीनगर विधानसभा अंतर्गत मसवासी मलाह टोली में श्री श्री 108 बाल युवा सरस्वती पूजा समिति द्वारा आयोजित भव्य सरस्वती पूजा का विसर्जन जुलूस पूरे श्रद्धा, उल्लास एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। विसर्जन जुलूस के दौरान प्रस्तुत की गई आकर्षक एवं सुसंस्कृत झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। आयोजन के दौरान क्षेत्र में अनुशासन, आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता का सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर दरभंगा पूर्वी जिला के महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि सरस्वती पूजा जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी सनातन परंपरा, संस्कार और सामाजिक एकता के मजबूत आधार हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा वर्ग जिस जिम्मेदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ इस प्रकार के आयोजनों को सफल बना रहा है, वह समाज और आने वाली पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने शांति और सद्भाव के साथ विसर्जन संपन्न कराने के लिए पूजा समिति एवं स्थानीय युवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

विसर्जन कार्यक्रम अहिराईन महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया, पूजा समिति के सदस्य राजू शर्मा, संजय मुखिया, रवि रंजन, शंभु शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

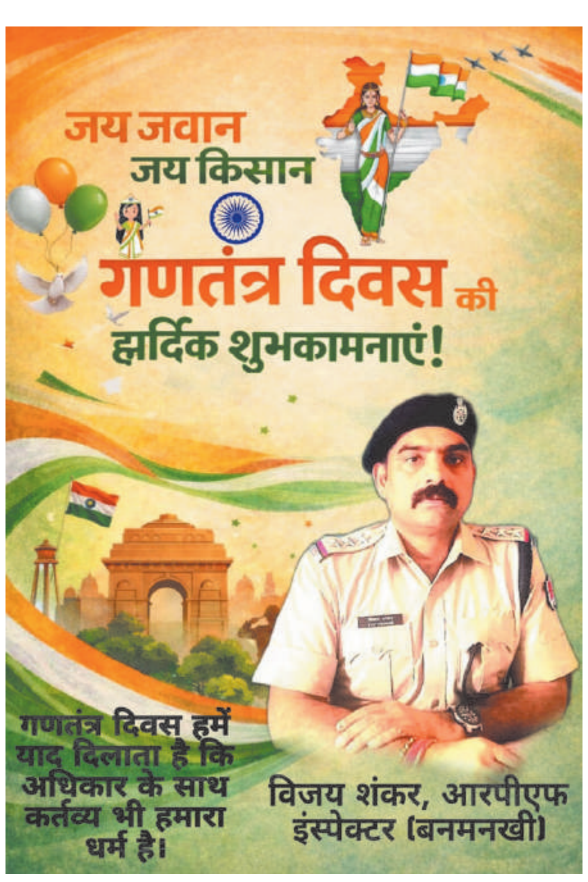

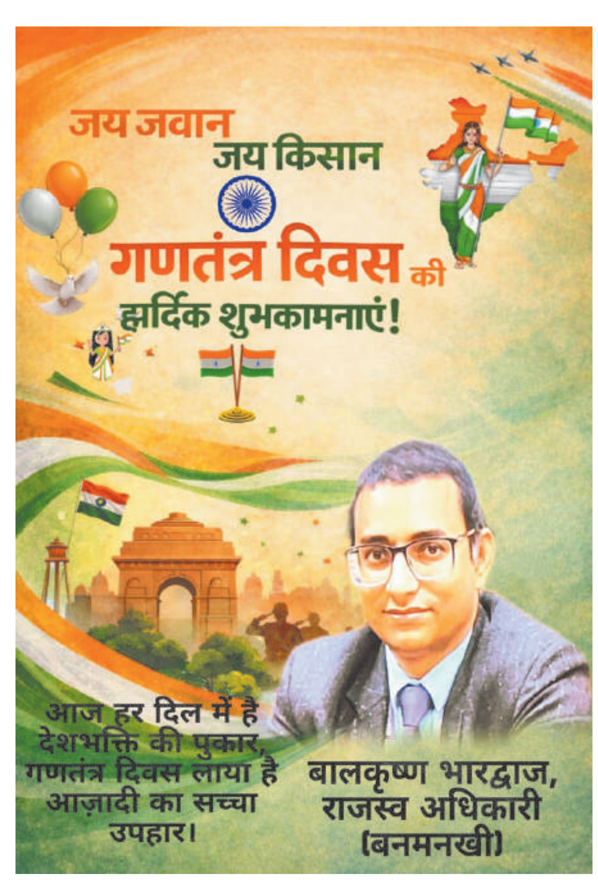

ज़मीनी विवाद में दिनदहाड़े बुज़ुर्ग की गोली मारकर हत्या

रानीपतरा/पूर्णिया, स्वराज खबर। पूर्णिया पूर्व प्रखंड की रजीगंज पंचायत अंतर्गत श्रीनगर गांव का वार्ड नंबर-6 उस समय सन्नाटे में डूब गया, जब मामूली दिखने वाला ज़मीनी विवाद खूनखराबे में तब्दील हो गया। रोज़ी-रोटी में जुटा एक बुज़ुर्ग उस हिंसा का शिकार बन गया, जिसने इंसानियत को सरेआम शर्मसार कर दिया। गांव निवासी करीब 60 वर्षीय दिनेश यादव अपने घर से कुछ ही फासले पर बांस काटने के काम में लगे थे। इसी दौरान देवदत्त नामक युवक अपने साथियों के साथ मौके पर पहुँचा। बताया जा रहा है कि ज़मीन को लेकर पहले से चला आ रहा तनातनी इस वारदात की जड़ में थी। कहासुनी से पहले ही हथियारों ने ज़ुबान संभाल ली और देखते ही देखते तीन से चार गोलियां दाग दी गईं। गोलियों की तड़तड़ाहट के बीच दिनेश यादव वहीं ढेर हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने गांव में डर और गुस्से का माहौल पैदा कर दिया है। सवाल यह नहीं कि गोली किसने चलाई, सवाल यह है कि कानून का डर आखिर गया कहाँ? जिस समाज में बुज़ुर्ग मेहनत करते हुए भी सुरक्षित न हों, वहाँ अमन-चैन की बातें खोखली लगती हैं। हालांकि इस घटना को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से किसी तरह का औपचारिक बयान नहीं आया है। पुलिस प्रशासन की ओर से अब तक किसी तरह का बयान नहीं आना न सिर्फ़ पीड़ित परिवार के ज़ख्मों को गहरा करती है, बल्कि अपराधियों के हौसले भी बढ़ाती है। श्रीनगर की यह घटना एक कड़वा सच उजागर करती है–कि जब ज़मीन इंसान से ज़्यादा कीमती हो जाए, तब रिश्ते, उम्र और मेहनत सब बेमानी हो जाते हैं। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं, कि वह इस खून से सने मामले में कब इंसाफ़ का पलड़ा भारी करता है।

निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें:आयुक्त

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर तिरहुत प्रमंडलीय कार्यालय सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल गिरिवर दयाल सिंह ने की। इस अवसर पर लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता की भूमिका एवं संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने आयुक्त कार्यालय अंतर्गत सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों को लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने तथा देश के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संस्थाओं की गरिमा को अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे। अपने संबोधन में आयुक्त ने चुनाव को लोकतंत्र का महापर्व बताते हुए कहा कि मताधिकार प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान से ही एक सशक्त लोकतंत्र का निर्माण संभव है। आयुक्त ने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के प्रलोभन, दबाव या भेदभाव से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।श्री सिंह ने धर्म, जाति, संप्रदाय एवं क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी जीवंत रह सकता है जब प्रत्येक मतदाता जागरूक होकर अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझे और जिम्मेदारी के साथ मतदान करे। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाएं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करना तथा मतदान के महत्व के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाना रहा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के इस आयोजन ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपने दायित्वों का पुनः स्मरण कराया। कार्यक्रम के दौरान आयुक्त के सचिव संदीप कुमार प्रियदर्शी, आरटीए सेक्रेटरी अरुण कुमार, उप निदेशक कल्याण, उप निदेशक सामाजिक सुरक्षा, उप निदेशक सांख्यिकी सहित आयुक्त कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षिका को अश्लील मैसेज भेजने पर दो शिक्षक निलंबित

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। जिस जगह से संस्कार, तालीम और तहज़ीब की उम्मीद की जाती है, वहीं से शर्मनाक हरकतों की बदबू उठी है। शिक्षा के मंदिर को कुछ तथाकथित गुरुजनों ने अपनी गंदी सोच से दाग़दार कर दिया है। महिला शिक्षकों को व्हाट्सएप पर अश्लील संदेश भेजने के मामलों में जांच पूरी होते ही शिक्षा विभाग ने सख़्त रुख अपनाया है। मुजफ्फरपुर डीईओ अरविन्द कुमार सिन्हा के निर्देश पर डीपीओ स्थापना इन्द्र कुमार कर्ण ने दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया है, जबकि विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। कुढ़नी और मड़वन प्रखंड के स्कूलों से आई शिकायतों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। शिक्षिका ने लिखित शिकायत में आरोप लगाया कि कुछ शिक्षक व्हाट्सएप को ब्लैकबोर्ड समझ बैठे हैं, जहां पढ़ाई नहीं बल्कि अश्लील चैट चल रही है। मामले की जांच कराई गई और संबंधित शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके बाद डीईओ ने कड़ा फैसला लेते हुए कार्रवाई का आदेश दिया। पहला मामला सकरा प्रखंड से जुड़ा है। यहां की एक शिक्षिका ने कुढ़नी स्थित उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत बीपीएससी से नियुक्त शिक्षक दीपक कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बताया गया कि दीपक कुमार पहले सकरा में पदस्थापित थे और वहीं से यह सिलसिला शुरू हुआ। माध्यमिक डीपीओ की जांच में अश्लील चैटिंग की पुष्टि होने के बाद उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया गया। दूसरा मामला मड़वन प्रखंड का है, जहां एक प्राथमिक विद्यालय के पंचायत शिक्षक संतोष कुमार दास पर महिला शिक्षक को लगातार अश्लील संदेश भेजने का आरोप लगा। पीड़िता ने यह भी बताया कि विरोध करने पर उसे प्रताड़ना और धमकियां दी जाने लगीं। इस मामले में पंचायत शिक्षक के निलंबन की अनुशंसा पंचायत सचिव राज महमदपुर को भेज दी गई है। जानकारी के अनुसार, पिछले चार महीनों में दो दर्जन से अधिक महिला शिक्षकों ने इस तरह के शोषण की शिकायत की है। कई शिक्षिकाएं धमकी के डर से लिखित शिकायत देने से पीछे हट गईं। पारू प्रखंड के तीन मामलों में अब भी जांच जारी है। डीईओ अरविन्द कुमार सिन्हा ने साफ कहा है कि ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर सीधा निलंबन होगा, किसी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। इस पूरे प्रकरण ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डॉ गोपाल जी त्रिवेदी को मिला पद्मश्री पुरस्कार

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। डाक्टर गोपाल जी त्रिवेदी प्रमुख कृषि वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और पूर्व कुलपति का चयन पद्मश्री पुरस्कार के लिए किया गया है। वे मुजफ्फरपुर के बंदरा प्रखंड के मतलुपुर गांव के निवासी हैं। डाक्टर त्रिवेदी कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। राजेंद्र प्रसाद

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (पूर्व में राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय), पूसा के पूर्व कुलपति रह चुके हैं। वे कृषि विस्तार, किसानों की आय बढ़ाने, तकनीकी उपयोग और सतत खेती पर काम करने के लिए प्रसिद्ध हैं। रिटायरमेंट के बाद भी वे खुद खेती करते हैं और गांव में रहकर किसानों के लिए मॉडल फार्मिंग का उदाहरण पेश करते हैं, जैसे तालाबों को एकीकृत खेती में बदलना। बिहार में किसानों की आय दोगुनी करने, मक्का, चना जैसी फसलों की बेहतर खेती और विज्ञान-आधारित कृषि पर उनके लेख और व्याख्यान काफी प्रभावशाली ।

मन की बात में गणतंत्र दिवस तथा मतदाता दिवस की चर्चा प्रेरणादाय: सांसद

दरभंगा, स्वराज खबर। पीएम के मन की बात में गणतंत्र दिवस तथा मतदाता दिवस की चर्चा होना प्रेरणादाय है। अपने मन की बात के माध्यम से पीएम मोदी ने जिस तरह से संविधान निर्माताओं को नमन कर नए मतदाताओं को शुभकामनाएं दी है वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संदेश है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सह लोकसभा में पार्टी सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने अपने संसदीय क्षेत्र के ग़ौराबौराम विधानसभा अंतर्गत नदई गांव के बूथ नंबर 195 पर पीएम के मन की बात के 130 वे एपीसोड को सुनने के बाद उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर ने स्थानीय मंडल अध्यक्ष काली प्रसाद साहू की अध्यक्षता में विधायक सुजित कुमार सिंह पार्टी जिलाध्यक्ष विनय पासवान सहित पार्टी के सैंकड़ों नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात

को सुनने के बाद पीएम के द्वारा चर्चा किए गए मुद्दों को एक संदेश बताते हुए कहा कि इस मन की बात में उन्होंने जिस तरह से पहली बार बने नए मतदाताओं को शुभकनाएं दी है वह इस बात को साबित करता है कि भाजपा की राजनीति तथा देश के नव निर्माण में युवाओं की भागीदारी तथा भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है।

सांसद डा ठाकुर ने पीएम के मन की बात में स्टार्टअप, इनोवेशन, क्वालिटी का मंत्र, पर्यावरण जनभागीदारी तथा पर्यावरण जैसे विषयों पर वर्तमान समय की उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं पर किए गए चर्चा को देशवासियों के लिए एक रचनात्मक संदेश बताते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को पीएम के मन की बात को आत्मसात् करनी चाहिए। सांसद डा ठाकुर के साथ मन की बात सुनने वाले भाजपा नेताओं में स्थानीय विधायक सुजित कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष विनय पासवान, पार्टी नेता मणिकांत मिश्र, पिंटू झा, माधव वत्स, प्रवीण कुमार, घनश्याम झा, रणजीत मिश्र, निभा देवी, शक्ति महतो, सोनू सिंह, संजीत सिंह, निर्गुण यादव, कृपाल यादव सहित अन्य शामिल है।

मुख्यमंत्री के समृद्धि यात्रा को लेकर तैयारी में जुटे जदयू विधायक

दरभंगा, स्वराज खबर। सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दूसरे चरण के तहत 28 जनवरी 2026 को दरभंगा आगमन को लेकर एक तरफ जिला प्रशासन वहीं दूसरी तरफ जदयू विधायक ईश्वर मंडल के तरफ से तैयारियां जोरों पर जारी हैं। सीएम नीतीश कुमार के आगमन के मद्देनजर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम स्थल का लगातार निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहें हैं।

इसी कड़ी में रविवार को विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल की अध्यक्षता में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक विशाल बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलेभर के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को सीएम नीतीश कुमार के समृद्धि यात्रा को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि इस यात्रा में दरभंगा में एयरपोर्ट, आमस से जुड़ी विभिन्न विकास के बड़े एवं अन्य योजनाओं का लोकार्पण ,शिलान्यास एवं निरीक्षण सीएम नीतीश कुमार करेंगे। साथ ही अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं का निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से जनता से सीधे जुड़ेंगे। विधायक श्री मंडल ने कहा कि मिथिलांचल की हृदयस्थली दरभंगा में विकास की एक नई लकीर खींचने में सीएम नीतीश कुमार एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने अहम भूमिका निभाएं हैं। यही वजह हैं कि राजधानी पटना के बाद आगामी दौर में दरभंगा का नाम देश एवं राज्य के प्रमुख पटल पर होगा।

इस दौरान वे 'सात निश्चय' और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं के कार्यस्थल का भी निरीक्षण करेंगे। विधायक ने बताया कि इस यात्रा के दौरान कई पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन और नई योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। इसको लेकर युद्ध स्तर पर की जा रही तैयारी अंतिम चरण में हैं।

संघर्ष और आत्मविश्वास का जीवंत मंच बना जिला स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता

पूर्णिया, स्वराज खबर। पूर्णिया के जिला स्कूल परिसर में आयोजित जिला स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन भर नहीं थी, बल्कि यह उस अडिग हौसले की सार्वजनिक घोषणा थी, जो शारीरिक चुनौतियों को पीछे छोड़ आत्मबल और जज़्बे के सहारे आगे बढ़ता है। दिव्यांग खिलाड़ी यहाँ किसी सहानुभूति के पात्र नहीं, बल्कि अपने संघर्ष, अनुशासन और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ प्रेरणा के स्रोत बनकर सामने आए। बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 50 से अधिक दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लिया। मैदान पर उतरते ही यह स्पष्ट हो गया कि इन खिलाड़ियों ने कभी अपनी सीमाओं को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। हर दौड़, हर थ्रो और हर प्रयास इस बात का प्रमाण था कि दिव्यांगता जीवन की गति को रोक नहीं सकती, यदि संकल्प अडिग हो। कार्यक्रम में सदर विधायक विजय कुमार खेमका, जिला खेल पदाधिकारी रवि शंकर झा तथा अपर समाहर्ता (एडीएम) राजकुमार गुप्ता की उपस्थिति ने खिलाड़ियों का मनोबल और ऊँचा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मुख्य आतिथ्य करते हुए पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के पूर्व राज्य आयुक्त (निःशक्तता) डॉ. शिवाजी कुमार ने कहा कि 'दिव्यांग खिलाड़ी समाज की शक्ति हैं। इन्हें अवसर मिले तो ये न केवल राज्य, बल्कि देश का नाम रोशन कर

सकते हैं। 'प्रतियोगिता का सफल संचालन जिला अध्यक्ष डॉ. मनीष रंजन साहा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। निष्पक्ष मूल्यांकन के बाद चयनित खिलाड़ियों को आगामी 01 एवं 02 फरवरी 2026 को इंदिरा गांधी स्टेडियम, रंगभूमि मैदान, पूर्णिया में आयोजित बिहार स्टेट पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 के लिए चुना गया। यह राज्य स्तरीय मंच इन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय पहचान की दिशा में एक निर्णायक कदम सिद्ध हो सकता है। इसी क्रम में डॉ. शिवाजी कुमार ने इंदिरा गांधी स्टेडियम का निरीक्षण कर प्रस्तावित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सफल आयोजन के लिए बुनियादी सुविधाएँ प्राथमिकता होनी चाहिए–स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल, सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास, तथा खेल परिसर को पूर्णतः दिव्यांग-अनुकूल बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं खेल संगठनों के प्रतिनिधि, प्रशिक्षक, पदाधिकारी और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

केनगर प्रखंड में गणतंत्र दिवस पर झंडोत्तोलन की आधिकारिक तालिका जारी

केनगर/पूर्णिया, स्वराज खबर। केनगर प्रखंड में 77वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2026) के अवसर पर आयोजित होने वाले झंडोत्तोलन कार्यक्रम की आधिकारिक समय-सारणी जारी कर दी गई है। यह रूपरेखा प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार द्वारा जारी की गई है, जिसके तहत प्रखंड के विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में निर्धारित समय पर झंडोत्तोलन किया जाएगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार झंडोत्तोलन की शुरुआत प्रखंड कार्यालय, केनगर में पूर्वाह्न 09 :05 बजे होगी। इसके पश्चात बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में 09 :15 बजे, बीआरसी कार्यालय परिसर में 09 :20 बजे, प्रखंड विद्युत कार्यालय परिसर में 09 :25 बजे, मनरेगा भवन कार्यालय परिसर में 09 :30 बजे, प्रखंड डाकघर कार्यालय परिसर में 09 :35 बजे, पशुपालन कार्यालय परिसर में 09 :40 बजे, बिठनौली पूरब पंचायत परिसर में 09 :45 बजे, प्रखंड कृषि कार्यालय परिसर में 09 :50 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पूर्वाह्न 10 :00 बजे तथा केनगर थाना कार्यालय परिसर में 10 :10 बजे झंडोत्तोलन कार्यक्रम संपन्न होगा। इस अवसर पर बीडीओ आशीष कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी कार्यालयों एवं पंचायत स्तरीय संस्थानों में गरिमामय एवं अनुशासित ढंग से झंडोत्तोलन सुनिश्चित किया ।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रमंडलीय सभागार में कार्यक्रम आयोजित

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक है इसकी मजबूती में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यकः आयुक्त

दरभंगा, स्वराज खबर। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में प्रमंडलीय सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सभी निर्वाचनों में बिना किसी प्रभाव, दबाव अथवा प्रलोभन के निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। आयुक्त ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक है और इसकी मजबूती में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है। प्रत्येक मतदाता का दायित्व है कि वह किसी भी प्रकार के प्रलोभन या प्रभाव से मुक्त होकर अपना मतदान करे। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर 'द्विज' की जयंती का हुआ आयोजन

पूर्णिया, स्वराज खबर। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर 24 जनवरी 2026 को कलाभवन साहित्य विभाग के तत्वावधान में साहित्य भवन, पूर्णिया में पूर्णिया कॉलेज के प्रथम प्राचार्य, प्रख्यात शिक्षाविद और युगद्रष्टा साहित्यकार पंडित जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज' की 122वीं जयंती केवल स्मरण का आयोजन नहीं रही, बल्कि शिक्षा, साहित्य और समाज के बीच जीवंत संवाद का मंच बन गई। यह कार्यक्रम उस वैचारिक धारा का पुनः उद्घोष था,

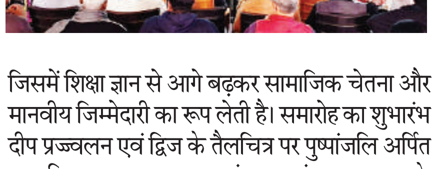

जिसमें शिक्षा ज्ञान से आगे बढ़कर सामाजिक चेतना और मानवीय जिम्मेदारी का रूप लेती है। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं द्विज के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मुख्य आगंतुक एवं कलाभवन के उपाध्यक्ष डॉ. डी. राम ने अपने संबोधन में कहा कि जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज' व्यक्ति नहीं, बल्कि विचार थे, और विचार कभी मरते नहीं। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा को डिग्री नहीं, दिशा की आवश्यकता है, और द्विज जी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जब शिक्षक संवेदनशील होता है, तब समाज संस्कारित होता है। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर उनकी जयंती यह संदेश देती है कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह मनुष्य को मनुष्य बनाए। समारोह की अध्यक्षता कर रहे बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय के प्रथम लोकपाल एवं भूगोल के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शिवमुनि यादव ने द्विज को अनुशासनप्रिय, आदर्श शिक्षक और निर्भीक आलोचक बताते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा को सत्ता नहीं, सेवा के रूप में जिया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कामेश्वर पंकज ने कहा कि द्विज का लेखन समय से टकराता नहीं, बल्कि समय को दिशा देता है। उनकी कहानी 'विद्रोही के चरणों पर' आज भी सामाजिक विवेक को झकझोरती है। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. शंभू लाल वर्मा 'कुशाग्र' ने उनकी कविताओं को अनुभूति और अंतर्ध्वनि का सशक्त दस्तावेज बताया। डॉ. उषा शरण ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि द्विज की रचनाएँ विद्यालयी पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल होनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी साहित्य के माध्यम से नैतिक चेतना से जुड़ सके। द्वितीय सत्र में आयोजित काव्य गोष्ठी में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से द्विज जी के विचारों को समकालीन संदर्भों से जोड़ते हुए साहित्य को आंदोलन का स्वर दिया। कविता यहाँ सौंदर्य नहीं, समाज से संवाद बनकर उभरी। कार्यक्रम का मंच संचालन अधिवक्ता बबीता चौधरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निरुपमा राय ने प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर यह आयोजन एक स्पष्ट संदेश देकर समाप्त हुआ–जब शिक्षा विचार बनती है और साहित्य संवेदना, तभी समाज में परिवर्तन की शुरुआत होती है।

महिला किसान बनेंगी जलवायु अनुकूल कृषि की अगुआ

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। बदलते जलवायु परिदृश्य में कृषि को सुरक्षित, टिकाऊ और लाभकारी बनाने के उद्देश्य से डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय एवं 'जलवायु

परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र' के संयुक्त तत्वाधान में पूसा में 'जलवायु अनुकूल कृषि हेतु महिला किसानों का कौशल संवर्धन' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का उदघाटन डॉ रत्नेश कुमार झा, निदेशक प्रसार शिक्षा ने किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए निदेशक ने प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं मौसम संबंधी जागरूकता के विभिन्न पहलूओं पर विस्तार से चर्चा की। यह कार्यक्रम ग्रामीण महिला किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक तथा जलवायु-स्मार्ट कृषि तकनीकों से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रख्यात कृषि मौसम वैज्ञानिक डॉ.अब्दुल सत्तार ने कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला में ड्राई बल्ब थर्मामीटर, हाइग्रोमीटर, एनेमोमीटर, विंड वेन, ऑर्डिनरी रेन गेज, सनशाइन रिकॉर्डर, यू.एस. ओपन पैन इवेपोरिमीटर, सॉइल थर्मामीटर से महिला किसानों को अवगत कराया। परियोजना की मुख्य अन्वेषिका डॉ. संगीता देव ने कहा कि, इस प्रशिक्षण से महिला किसानों में जलवायु जोखिमों से निपटने की क्षमता विकसित होगी, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा वे कृषि आधारित लघु उद्यमों की ओर भी अग्रसर होंगी।

आयोजन सचिव एवं प्रभारी अधिकारी- कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन के कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव, फसल विविधीकरण, सूखा एवं बाढ़ सहनशील कृषि पर जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के रिपोर्ट को उद्धारित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में गरीब किसानों पर जलवायु परिवर्तन का असर ज़्यादा गंभीर है और पुरुषों के रोजगार के तलाश में शहरी पलायन से महिला किसानों पर यह बोझ कई ज्यादा बढ़ जाता है।

यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा बल्कि ग्रामीण स्तर पर जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाएगा। महिला किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना ही भविष्य की टिकाऊ कृषि की आधारशिला है। 50 से ज्यादा महिलाओं को दिया गया यह प्रशिक्षण उसी दिशा में एक सशक्त कदम है।

विश्वविद्यालय में एआई और फॉर्सेनिक साइंस की पढ़ाई जल्द

दरभंगा, स्वराज खबर। आगामी 28 जनवरी को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की सीनेट बैठक होनी है। ऐसे में रविवार को कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में अभिषद की बैठक बुलाई गई। अपराह्न 1 बजे हाइब्रिड मोड में कुलपति आवासीय कार्यालय में आहूत इस बैठक में अकादमिक सत्र 2026- 2027 के बजट की अंतिम समीक्षा के साथ ही प्रशासनिक और शैक्षणिक मुद्दों से संबंधित पटल पर रखे मदो के संवर्द्धन हेतु सदस्यों ने अपने विचार रखें। सिंडिकेट सदस्यों ने इस सत्र के बजट में सभी पेंशन लाभार्थियों के नाम सहित राशि को रेखांकित करने का सुझाव दिया। नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में वर्ष 2032 तक अनुदानित विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में पहल का स्वागत सदस्यों ने सर्व सम्मति से अनुपालित किया। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और फॉर्सेनिक साइंस में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, यूजी और पीजी कोर्सेज लागू करने की दृष्टि से सिंडिकेट सदस्य सुजीत कुमार के

समन्वय में उच्च अधिकारियों के सहयोग से क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत चार लैब खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य लनामिवि को अनुदानित विश्वविद्यालय बनाना होगा। इसके अंतर्गत बिहार राज्य की पुलिस सेवा में चयनित अभ्यर्थी अथवा अन्य संस्थानों के जिज्ञासु फॉर्सेनिक विज्ञान और एआई में प्रशिक्षित हो सकेंगे। बैठक की कड़ी में मीना झा द्वारा पटल पर रखे प्रस्ताव को सदस्यों ने पास करते हुए बैठक के अध्यक्ष की सहमति प्राप्त की। मालूम हो कि, इस निर्णय से नरगौना स्थित स्नातकोत्तर इतिहास विभाग में अवस्थित म्यूजियम का जीर्णोद्धार किया जाएगा। कुलपति ने इस बाबत साफ़ कर दिया कि म्यूजियम सिर्फ़ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए खुलेगा और इसका प्रायोजन स्टूडेंट प्रोजेक्ट, सेमिनार, कॉन्फ्रेंस के लिए किया जाएगा। पीजी इतिहास के विभागाध्यक्ष इस म्यूजियम के कन्वेनर होंगे और अभियांत्रिकी अनुभाग, आई टी सेल एवं एस्टेट अनुभाग के सहयोग से पुनरुद्धार कार्य किया जाएगा। इस बैठक में प्रो बैद्यनाथ चौधरी 'बैजू', प्रो दिलीप कुमार चौधरी, प्रो अशोक मेहता, प्रो विजय कुमार यादव, प्रो हरि नारायण सिंह, वित्तीय परामर्शी इंद्र कुमार, डॉ धनेश्वर प्रसाद, मीना झा, विधायक सुजीत कुमार, डॉ अमर कुमार, डॉ अनिल कुमार चौधरी, डॉ बीरेंद्र कुमार चौधरी, डॉ गुलाम सरवर और कुलसचिव डॉ दिव्या रानी हंसदा उपस्थित रहीं।

संपादकीय

विकास की आड़ में प्रकृति की सुरक्षा दीवार को तोड़ने की तैयारी

विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ये तर्क सही हो सकते है कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत-शृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन-धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है। यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है। गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं। क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। मगर यह पहलू भी महत्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत-शृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए, इसका संरक्षण जरूरी है। इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12:05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे ग`े में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी। जिसके बाद युवराज के पिता ने भी पुलिस को समय रहते हुए अवगत करा दिया था। सूत्रों के अनुसार 12.41 पर कंट्रोल रूम से कोतवाली प्रभारी के पास फोन आया था, जिसके चलते ही घटनास्थल पर कुछ समय के बाद ही 12.50 पर पुलिस फोर्स और दमकल कर्मी और 1.15 पर एसडीआरएफ की टीम पहुंच गयी थी। युवराज की जान बचाने के लिए सिस्टम ने प्रयास भी शुरू कर दिए थे, लेकिन अफसोस ना जाने क्यों वहां मौजूद सिस्टम विफल रहा और 1.45 पर बेसमेंट में भरे पानी में युवा इंजीनियर युवराज कार समेत डूब गया।

क्या नोएडा के युवा इंजीनियर युवराज की मौत से सिस्टम लेगा सबक?

(दीपक कुमार त्यागी)

इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12.05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे गड्ढे में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी।

नोएडा के युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने देश के सिस्टम में व्याप्त लापरवाही पूर्ण सोच व खामियों की एकबार फिर से पोल खोलने का कार्य कर दिया है। दुर्घटना के बाद किसी के घर का चिराग सिस्टम की लापरवाही से पूरी वीरता से लड़ते हुए कुंभकर्णी नींद में सो रहे सिस्टम को जगाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही उत्तर प्रदेश के सिस्टम में हड़कंप मचा हुआ है, जिसके चलते ही तत्काल नोएडा प्राधिकरण ने इस घटना की जांच कराने की घोषणा कर दी थी और प्रारंभिक जांच के आधार पर अपनी गाज गिराते हुए एक इंजीनियर की नौकरी से समाप्ति तक की कार्रवाई कर दी, वहीं युवराज के पिता ने भी एफआईआर दर्ज करवाई है, और नोएडा प्रशासन ने भी दो लापरवाह बिल्डरों के खिलाफ़ एफ़आईआर दर्ज करवाई है, जिस पर पुलिस जांच करके आगे की कार्रवाई करेगी। वहीं इस दुखद घटना का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करते पांच दिन में जांच रिपोर्ट तलब करने आदेश दिए हैं, एसआईटी के गठन के तुरंत बाद ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. (आईएएस) को हटा कर प्रतिक्षा सूची में रख दिया गया है।

लेकिन इस घटना के बाद लगता है कि ऐसी भयंकर लापरवाही वाली स्थिति में क्या कभी भारत को विश्वगुरु बनाया जा सकता है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि भारत को विश्वगुरु बनाने के सपना को धरातल पर साकार होते हुए देखना हर देशभक्त भारतीय का अपना सपना है। लेकिन देश के सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों का लापरवाही पूर्ण व भ्रष्टाचार युक्त आचरण इस में सबसे बड़ा बाधक है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह सपना धरातल पर कैसे मूर्तरूप लेगा, यह एक बड़ा सवाल हर देशभक्त भारतीय के जहन में अक्सर घूमता रहता है। नोएडा में सिस्टम में बैठे कुछ लोगों की लापरवाही का एक उदाहरण शुक्रवार की रात नोएडा में हुई एक कार दुर्घटना के बाद देखने को मिला, जिस तरह से नोएडा में दिलो-दिमाग को झकझोर देने वाली दर्दनाक घटना घटित हुई, उसने दुनिया में हमें उपहास का पात्र बना दिया है, क्योंकि देश एक तरफ़ तो चंद्रमा व मंगल तक अंतरिक्ष की ऊंचाई को छूने का कार्य कर रहा है, वहीं सागर की गहराइयों को चीरते हुए तल तक जा रहा है, लेकिन सिस्टम को बचाव का पूरा समय मिलने के बावजूद भी सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों की अनिर्णय की स्थिति या लापरवाही के चलते देश के भविष्य 27 वर्षीय युवा इंजीनियर को जमीन पर भी नहीं बचा पा रहा है, जो ठीक नहीं है। यहां आपको बता दें कि इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12ः05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे गड्ढे में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी। जिसके बाद युवराज के पिता ने भी पुलिस को समय रहते हुए अवगत करा दिया था। सूत्रों के अनुसार 12.41 पर कंट्रोल रूम से कोतवाली प्रभारी के पास फोन आया था, जिसके चलते ही घटनास्थल पर कुछ समय के बाद ही 12.50 पर पुलिस फोर्स और दमकल कर्मी और 1.15 पर एसडीआरएफ की टीम पहुंच गयी थी। युवराज की जान बचाने के लिए सिस्टम ने प्रयास भी शुरू कर दिए थे, लेकिन अफसोस ना जाने क्यों वहां मौजूद सिस्टम विफल रहा और 1.45 पर बेसमेंट में भरे पानी में युवा इंजीनियर युवराज कार समेत डूब गया। 1.55 बजे गाजियाबाद से एनडीआरएफ टीम घटनास्थल पर पहुंची थी, लेकिन शायद जबतक युवराज को काल ने अपना ग्रास बना लिया था, जिसके बाद युवराज की तलाश शुरू हुई, 4.30 बजे युवराज के शरीर को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जिसके बाद देशवासी हतप्रभ हैं कि इक्कीसवीं सदी के आधुनिक भारत में आखिर ऐसे कैसे काम चलेगा। मृतक के पिता के आरोप, मीडिया की रिपोर्ट व सूत्रों के अनुसार 27 वर्षीय युवा इंजीनियर युवराज ने कड़ाके की ठंड में जान बचाने की एक लंबी जद्दोजहद के दौरान डूबने से पहले कार की छत पर अपने पिता, सिस्टम के लोगों व अन्य लोगों के सामने लगभग 80-90 मिनट तक पूरे हौसले के साथ संघर्ष किया था। जबकि युवराज को बचाने के लिए पुलिस, दमकल विभाग और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) की टीमें समय रहते मौकें पर मौजूद थी, लेकिन अफसोस तीनों विभाग की टीम भी मिलकर युवराज को नहीं बचा पायी। जिसके बाद से पिता व प्रत्यक्षदर्शियों के आरोप हैं कि कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों के अभाव और बचाव टीम के कड़ाके की ठंड के चलते उचित प्रयासों के अभाव के चलते ही युवा युवराज की जान बचाने में विफलता हाथ लगी है, जिसकी सत्यता का एसआईटी की जांच में जल्द ही खुलासा हो जायेगा। मुख्यमंत्री योगी के द्वारा गठित एसआईटी की जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस व प्रशासन के अन्य लोगों पर गाज गिरनी तय है।

लेकिन अब इक्कीसवीं सदी के आधुनिक शक्तिशाली भारत के हुक्मरानों व सिस्टम के सामने विचारणीय तथ्य यह है कि देश के दिल राजधानी दिल्ली से सटे क्षेत्र में नोएडा में डूबने से पहले कार की छत पर 80-90 मिनट तक एक 27 वर्षीय युवा जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहता है और वहीं उस युवा को बचावकर्मियों की लगभग 80 कर्मियों की एक लंबी चौड़ी टीम मिलकर भी नहीं बचा पाए, यह स्थिति बेहद ही चिंताजनक व विचारणीय है। कार दुर्घटना के बाद डूबकर जान गंवाने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की यह कहानी दिल को झकझोर देने वाली और बेहद दर्दनाक है कि कैसे 27 वर्षीय युवराज मेहता ने खुद को अंतिम समय तक बचाने की भरसक कोशिश की थी, उसने दुर्घटना के बाद भी जबरदस्त हिम्मत से काम लिया। पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिरने के बाद भी वह कड़ाके की ठंड में संघर्ष करते हुए कार की छत पर चढ़ने में कामयाब रहा था, उसके बाद अपने पिता को फोन करके हादसे की सूचना दी थी और डूबने से पहले युवराज जान बचाने की उम्मीद में लगभग 80-90 मिनट तक कार की छत पर खड़े होकर के वहां उपस्थित पिता व सिस्टम के लोगों से जल्दी जान बचाने की गुहार लगाता रहा, जो स्थिति बहुत ही हृदयविदारक थी। सूत्रों के अनुसार उस वक्त तक पुलिस, दमकल कर्मी व एसडीआरएफ की बचाव टीम मौके पर थी, एक बेबस लाचार पिता अपने घर के चिराग को बचाने के लिए सिस्टम से गुहार लगा रहा था, लेकिन अफसोस करीब 80 कर्मचारी मिलकर भी युवराज की जान नहीं बचा पाए। बाद में बचाव अभियान के असफल होने के कई कारण चर्चाओं में हैं उस दिन कोहरा बहुत ज्यादा ही था, जो बात एकदम सत्य है, जिसके चलते घटना स्थल पर बहुत ज्यादा अंधेरा था, बचाव कर्मियों के पास घटनास्थल पर उपलब्ध रस्सियों-सीढ़ियों की लंबाई कम थी, जिसके चलते युवराज तक बचाव कर्मी पहुंचने में विफल रहे और बाद में स्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के पहुंचने के बाद ही युवराज के शव को बाहर निकाला गया।

युवराज के पिता, दोस्तों और मौके पर उपस्थित लोगों का आरोप है कि इस घटना ने वहां पर उपस्थित पुलिस, दमकल और एसडीआरएफ की टीम के पास संसाधनों की कमी, कर्मियों की लापरवाही और मानवीय संवेदनहीनता को देशवासियों के सामने लाने का कार्य किया है 80 लोगों की भारी-भरकम ट्रेंड टीम के किसी एक भी सदस्य ने बेसमेंट के ठंडे पानी में उतरकर के युवराज की जान बचाने का साहस तक नहीं जुटाया, वहीं सूत्रों के अनुसार एक राह चलते हुआ अनट्रेंड डिलीवरी देने वाला युवक रस्सी बांध कर कड़ाके की ठंड में बेसमेंट के सरियों की चिंता किये बिना पानी में उतर गया था, उसने युवराज तक पहुंचने का प्रयास किया था, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। वहीं अफसोस घटनास्थल पर उपस्थित पुलिस, दमकल व एसडीआरएफ के पास इस आपदा से निपटने के संसाधन कम पड़ गए थे, जिसके चलते देश का भविष्य एक 27 वर्षीय युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज जनमानस के जहन में अनेक सवाल छोड़ते हुए दुनिया को अलविदा कह गया, एक घर का चिराग संघर्ष करते हुए बुझ गया। लेकिन जिस तरह से इस पूरे मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया उससे लगता है कि इस मामले में अभी बहुत सारे लोगों पर गाज गिरनी तय है। हालांकि उससे अब युवराज तो वापस आना वाला नहीं है, लेकिन एक आम देशवासी के नाते हम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इस तरह की घटना से सिस्टम भविष्य में सबक अवश्य लें, ऐसी भयंकर लापरवाही देश में फिर कभी किसी के घर का चिराग ना बुझे, देश के हुक्मरान व सिस्टम पूरे देश में एक ऐसा आधुनिक संसाधनों युक्त कारगर सरकारी तंत्र अवश्य विकसित कर लें जो एक-एक जान की अहमियत अवश्य समझें। (लेखक अधिवक्ता, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चंपारण सत्याग्रह का गुमनाम सिपाही पीर मुहम्मद मुनिस

आफाक आजम

चंपारण सत्याग्रह 1917 ने आगे चलकर महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता बना दिया और राजेन्द्र प्रसाद को राष्ट्रपति। लेकिन इस सत्याग्रह का असली नायक पीर मुहम्मद मुनिस गुमनामी की जिंदगी में दुनिया से विदा लिया। सवाल यह है कि आखिर यह पीर मुहम्मद मुनिस कौन है। जवाब यह है कि वह एक पत्रकार था, देशभक्त पत्रकार था, हिन्दू -मुस्लिम एकता का पैरोकार था, हिन्दी भाषा का प्रेमी था,शिक्षक था और गरीब किसानों का हितैषी था। तभी तो उसने अपना सबकुछ कुर्बान कर दिया देश के लिए, देश की आजादी के लिए। अगर वह पत्रकार नहीं होता,अगर वो राजनीतिज्ञ होता तो आजाद भारत में विधायक, सांसद या मंत्री जरूर होता। अगर यह नहीं होता तो कम से कम भारत रत्न मिल ही जाता। लेकिन पीर मुहम्मद मुनिस को कुछ नहीं मिला, क्योंकि वो पत्रकार थे। क्या इस देश में पत्रकारों को कभी भारत रत्न मिला है। यही हकीकत है उस दौर के पत्रकारों की और आज भी हम जैसे पत्रकारों की है। समाज में सम्मान नहीं मिलता और सरकार से मिलता है तिरस्कार।

फिर लौटते हैं चंपारण सत्याग्रह की ओर महात्मा गांधी को चंपारण बुलाने वाले का नाम आता है तो सिर्फ और सिर्फ राजकुमार शुक्ल का नाम आता है जबकि हकीकत यह है कि महात्मा गांधी चंपारण लाने का श्रेय पीर मुहम्मद मुनिस, शेख़ गुलाब और राजकुमार शुक्ल को जाता है। शेख़ ग़ुलाब,महात्मा गांधी के 1917 में चंपारण आने के दस साल पहले 1907-1908 में ही वहां के किसानों को संगठित कर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था।

इस विषय में बीआर अंबेडकर बिहार युनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर ए के विस्वास ने अपने शोध पत्र ' भारत में गांधी की पहली पाठशाला थी चंपारण ' में लिखा है कि पीर मुहम्मद मुनिस का जन्म 1882 में बेतिया में हुआ था। वह कानपुर से प्रकाशित गणेश शंकर विद्यार्थी के अखबार 'प्रताप' के संवाददाता थे। उन्होंने हिन्दी पत्रकारिता में एक अहम रोल अदा किया था।वो बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के 15 वें अध्यक्ष भी चुने गए थे। वो बेतिया राज इंग्लिश हाई स्कूल में टीचर थे। अपने इलाके के किसानों की समस्याओं और उत्पीड़न को प्रमुखता से रिपोर्टिंग करते थे। जिसके कारण अंग्रेजी हुकूमत की नजर में वह खतरनाक व्यक्ति थे,बेतिया राज भी उन्हें खतरनाक मानता था और उन्हें स्कूल की नौकरी से निकाल दिया गया।

महात्मा गांधी को चंपारण आने के लिए जो ख़त गांधी को लिखे थे वो दरअसल पीर मुहम्मद मुनिस से राजकुमार शुक्ल ने लिखवाया था। उन्होंने 1916 में लखनऊ में होने वाले कांग्रेस के वार्षिक सत्र में राजकुमार शुक्ल के साथ लखनऊ जाकर गांधी से मुलाकात कर चंपारण आने का आग्रह किया था। तीन कठिया लगान प्रणाली में किसान के तौर पर शुक्ल भी अंग्रेजों के अत्याचार के सताए हुए थे। इसके पहले उन्हें बनारस के जमींदार और बेतिया राज की महारानी जानकी कुंअर ने निकाल लिया था। राजकुमार शुक्ल एक साहूकार थे, उन्होंने खुद स्वीकार किया था कि ब्याज से वो सालाना 1610 रूपये कमाते थे।जो आज के 4 लाख रुपए के लगभग होता है। जबकि पीर मुहम्मद मुनिस साधारण परिवार से आते थे।1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें गिरफ्तार कर तीन महीने कैंप जेल में रखा, जमीन-जायदाद जब्त कर लिया गया, फिर भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ते रहे।1937 में वह चंपारण जिला परिषद के अध्यक्ष चुने गए लेकिन चंपारण सत्याग्रह इतिहास से वो लगभग गायब कर दिए गए। पीर मुहम्मद मुनिस पर लिखें इस शोध में ए के बिस्वास ने लेख में सहयोग देने के लिए बी आर अम्बेडकर युनिवर्सिटी के प्रो हरीशचंद्र सत्यार्थी, डॉ अजीत

महात्मा गांधी को चंपारण आने के लिए जो ख़त गांधी को लिखे थे वो दरअसल पीर मुहम्मद मुनिस से राजकुमार शुक्ल ने लिखवाया था। उन्होंने 1916 में लखनऊ में होने वाले कांग्रेस के वार्षिक सत्र में राजकुमार शुक्ल के साथ लखनऊ जाकर गांधी से मुलाकात कर चंपारण आने का आग्रह किया था। तीन कठिया लगान प्रणाली में किसान के तौर पर शुक्ल भी अंग्रेजों के अत्याचार के सताए हुए थे।

कुमार और पत्रकार श्रीकांत का आभार व्यक्त किया है।

पीर मुहम्मद मुनिस का जिक्र राहुल सांकृत्यायन ने अपनी पुस्तक 'मेरे सहयोगी आंदोलन के साथी' में विस्तार से लिखा है। महात्मा गांधी के चंपारण दौरा के समय वो गांधी के साथ साये के तरह रहे, उन्हें रोटी सब्जी बना कर खिलाया।

चंपारण सत्याग्रह में महात्मा गांधी और बतख मियां प्रकरण पर खूब चर्चा रही है कि अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को बतख मियां के मार्फत दूध में जहर मिला कर पिलाने का प्रयास किया था लेकिन बतख मियां ने जहर मिले दूध के गिलास को गिरा कर गांधी जी का जान बचा लिया था। इस विषय में इतिहासकार प्रो अशोक अंशुमान पूर्व विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग एल एस कालेज मुजफ्फरपुर का कहना है कि इस दूध वाले प्रकरण का किसी इतिहास के पुस्तक में ज़िक्र नहीं है।दुसरी बात महात्मा गांधी चंपारण आने के बहुत पहले ही गाय भैंस का दूध पीना त्याग दिया था। हां कभी-कभार बकरी का दूध दवा के तौर पर इस्तेमाल करते थे। फिर यह दूध में जहर मिलाने की बात कहां से आई। इस बारे प्रो अशोक अंशुमान का कहना है कि यह किस्सा स्थानीय लोक कथाओं में प्रचलित है।

आजादी का दिवाना, गरीबों का मसीहा,सच्चा और ईमानदार पत्रकार आजादी के दो साल बाद गुमनामी के हालत में 1949 में इस दुनिया से विदा लिया।

सवाल फिर वही है जिसने राष्ट्रपिता बनाया, राष्ट्रपति बनाया, न जाने कितने को विधायक, सांसद, मंत्री बनने के लिए देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया, उसे क्या मिला?

सनातन, संत, सत्ता और संग्राम

तनवीर जाफ़री

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज़ की तरफ़ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह ज़रूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया, उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु, संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाज़ा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन

काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया?

इस घटना के फ़ौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नही? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ़ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नज़र आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नज़र आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफ़ी फ़ज़ीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुज़ारियों पर नज़र डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाज़ा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में 'आसुरी शक्ति' प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाक़ी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराज़गी जताई थी। शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को ख़ुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि 'महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी। इसी तरह शंकराचार्य जी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास कार्यों के नाम पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने गोविंदेश्वर महादेव मंदिर को तोड़े जाने पर धरना दिया था और प्रशासन पर शिवलिंग ग़ायब करने का आरोप लगाया था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने इसे हिंदू धार्मिक परंपराओं के ख़िलाफ़ बताया था और कहा था कि विकास के नाम पर मंदिर नष्ट नहीं किए जाने चाहिए। उन्होंने स्कंद पुराण में उल्लिखित मंदिरों का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और धर्म संसद भी बुलाई थी।

इसी तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलोग्राम सोने के ग़ायब होने की मीडिया में प्रसारित ख़बरों पर प्रतिक्रिया करते हुये इसे 'सोना घोटाला' क़रार दिया था। उन्होंने दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण पर भी सवाल उठाते हुये कहा था कि हिमालय में स्थित मंदिर को दिल्ली में नहीं बनाया जा सकता। गोहत्या के विरुद्ध हमेशा मुखर व आंदोलित रहने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ हत्या मामले में पूर्व मंत्री मुख़्तार अब्बास नक़वी और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू की तुलना करते हुए भाजपा के घोर आंतरिक विरोधाभास पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि 'नक़वी ने गोमांस खाने वालों को पाकिस्तान जाने की सलाह दी थी तो ऐसे व्यक्ति को मंत्री पद से हटा दिया गया जबकि किरण रिजिजू ने गोमांस खाने वालों का समर्थन करते हुए कहा था कि वे ख़ुद भी बीफ़ खाते हैं और कोई उन्हें रोक नहीं सकता। ऐसा व्यक्ति (किरण रिजिजू) प्रधानमंत्री के पीछे बैठा दिखाई देता है'। हिंदू भावनाओं के साथ खिलवाड़ व भाजपा की दोहरी नीति का उदाहरण बताते हुए उन्होंने गौ रक्षा के प्रति पार्टी की गंभीरता पर सवाल उठाए थे। ऐसे और भी कई उदाहरण हैं जिनसे यह पता चलता है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अनेक धार्मिक मुद्दों पर मुखरित होकर बोलना उस सत्ता को रास नहीं आता जो अपने विरुद्ध की जाने वाली किसी भी आलोचना या टीका टिप्पणी को सहन नहीं कर पाती। शायद यही वजह है कि सनातन की रक्षा का दवा करने वाली सत्ता और सनातन के वास्तविक ध्वजवाहक संतों के मध्य कभी कभी संग्राम जैसी स्थिति पैदा हो जाती है।

झज्जर की बेटी अक्षिता धनखड़ रचेंगी इतिहास, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संग फहराएंगी तिरंगा

झज्जर, एजेंसी। 26 जनवरी 2026 की सुबह जब दिल्ली का कर्तव्य पथ 77वें गणतंत्र दिवस की भव्यता से जगमगाएगा, तब झज्जर जिले के गांव कासनी की बेटी भारतीय वायुसेना की फ्लाइट लेफ्टिनेंट अक्षिता धनखड़ इतिहास रचेंगी। इस विशेष अवसर पर वे महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने में सहयोग करेंगी। एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच तक पहुंचने का यह सफर नारी शक्ति, संकल्प और समर्पण की प्रेरक मिसाल है। अक्षिता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की। कॉलेज के दौरान वे एनसीसी से जुड़ीं और कैडेट सर्जेंट मेजर का रैंक हासिल किया। यही अनुशासन और नेतृत्व क्षमता उनके सैन्य करियर की मजबूत नींव बनी। अक्षिता ने एयर फोर्स कामन एडमिशन टेस्ट उत्तीर्ण कर मैसूर के एयर फोर्स सिलेक्शन बोर्ड से सिफारिश पाई। जून 2023 में वे भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशंड हुईं और शीघ्र ही फ्लाइट लेफ्टिनेंट बनीं। वर्तमान में वे वायुसेना की एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच में आपरेशन्स से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व निभा रही हैं। अक्षिता का राष्ट्रपति के साथ तिरंगा फहराना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व का सशक्त संदेश है। अक्षिता कहती हैं, 'देश की राष्ट्रपति के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है।' अक्षिता के सैन्य जीवन की नींव बचपन में ही पड़ गई थी। उनके पिता स्वयं गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा रह चुके थे। उन्हें वर्दी में परेड करते देख अक्षिता के मन में भी देश सेवा का सपना आकार लेने लगा। दुर्भाग्य से आज जब वे इस गौरवशाली मुकाम पर हैं, उनके पिता इस दुनिया में नहीं हैं।

दुर्घटनाओं में कमी लाने के पुलिस की ये योजना आ रही काम, अपनाया जा रहा प्रभावी और सुनियोजित तरीके

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए पुलिस कई योजनाओं पर काम कर रही है। 109 ब्लैक स्पॉट खत्म किए गए हैं और शेष पर काम जारी है। इसी तरह से बीते साल अगस्त में 183 ब्लैक स्पॉट पर काम कराने के लिए लोक निर्माण विभाग को ब्योरा भेजा गया। प्रदेश में 600 अवैध कट में से 411 कट बंद किए गए और शेष पर काम जारी है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने बताया कि प्रदेश की सड़कों को आमजन के लिए सुरक्षित बनाना पुलिस की प्राथमिकता में शामिल है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी और सुनियोजित तरीके से कार्य जारी हैं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को मुफ्त उपचार उपलब्ध कराने के लिए अक्तूबर 2024 से काम जारी है। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी, स्थानीय पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और अनुबंधित अस्पतालों के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अधिकतम 7 दिनों तक 1.5 लाख रुपये की सीमा तक कैशलेस उपचार की सुविधा दी जा रही है। सड़क दुर्घटना के दौरान निकट अस्पताल में उपचार कराया जाता है। इस योजना में बीते वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए 4119 लोगों को कैशलेस उपचार का लाभ दिया गया।

अब साल में दो बार एचटेट कराना बना शिक्षा बोर्ड के लिए चुनौती, यहां उलझा मामला

चंडीगढ़, एजेंसी। अब साल में दो बार एचटेट कराना हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के लिए चुनौती बन गया है। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की फरवरी में कराई जाने वाली परीक्षा असल में वर्ष 2025 का है। जबकि नवंबर 2026 में संभावित एचटेट इसी साल में एक बार गिना जाएगा। यानी साल में दो बार परीक्षा के बजाय केवल एक बार ही एचटेट हो पाएगी।हालांकि बोर्ड ने विद्यार्थियों का रुझान और ढाई से तीन लाख की संख्या को देखते हुए एचटेट साल में दो बार कराने का शेड्यूल तय किया था। मगर ये मामला सरकार से मंजूरी मिलने और संचालन की एजेंसियों की व्यवस्था जुटाने में ही उलझकर रह गया है। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के लिए हर सत्र में ढाई से तीन लाख परीक्षार्थियों को शामिल किया जाता है।इसमें एचटेट के आवेदन कराने और फिर परीक्षा के बाद उनकी फिजिकल वेरिफिकेशन कराने का काम भी लंबा चलता है। ऐसे में लाखों परीक्षार्थियों की परीक्षा देने के बाद बोर्ड पर जल्द से जल्द उनका रिजल्ट जारी करने का भी दबाव रहता है। हालांकि एचटेट संचालन से पहले हरियाणा सरकार से इसकी अनुमति भी अनिवार्य है। इसके बाद ही बोर्ड एचटेट संचालन के लिए संबंधित एजेंसियों को हायर करने के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाता है। एचटेट-2025 के लिए भी 2 लाख 33 हजार 251 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जिनमें से लेवल-1 (पीआरटी) के 41054, लेवल-2 (टीजीटी) के 119120 तथा लेवल-3 (पीजीटी) के 73077 अभ्यर्थी शामिल हैं।

'मेरी कमर को छुआ, अश्लील इशारे किए और...', एक्ट्रेस मौनी रॉय ने करनाल कार्यक्रम के बाद सुनाई आपबीती

करनाल, एजेंसी। टीवी सीरियल 'नागिन' व 'देवों के देव महादेव' और फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में अपने अभिनय से पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस मौनी रॉय ने एक निजी होटल में कार्यक्रम के दौरान यौन उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया है और वह अपमानित महसूस कर रही हैं। मौनी रॉय ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट के माध्यम से अपना दर्द साझा किया। पोस्ट में लिखा कि, मैं आहत हूं, प्रशासन सख्त कार्रवाई करे। मौनी रॉय ने पोस्ट में लिखा- करनाल में एक जैसे ही इवेंट शुरू हुआ और मैं स्टेज की तरफ बढ़ी, अंकल और फैमिली के सदस्य (सभी पुरुष) फोटो खिंचवाते वक्त मेरी कमर पर हाथ रख रहे थे। अश्लील इशारे किए व गंदे कमेंट्स किए। बता दें, शुक्रवार रात को होटल नूरमहल में तरावड़ी के चावल निर्यातक डबल चाबी के मालिक बाबी गोयल के बेटे अक्षत की शादी थी। इस दौरान अभिनेत्री मौनी रॉय व एक अन्य एक्ट्रेस स्टेज परफार्मेंस के लिए बुलाई थी। सेक्टर 32-33 थाना प्रभारी मनोज कुमार का कहना है कि मामले में अभी उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है।

एसवाईएल पर फिर बातचीत करेंगे हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्री, इस दिन होगी बैठक

चंडीगढ़, एजेंसी। एसवाईएल (सतलुज यमुना लिंक) नहर के विवाद के समाधान का कोई रास्ता निकालने के लिए एक बार फिर हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्री आमने-सामने होंगे। इस बार दिल्ली की बजाय चंडीगढ़ में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों की बैठक होगी, जिस पर केंद्र सरकार की भी नजर रहेगी। 27 जनवरी को हरियाणा निवास में सुबह साढ़े नौ बजे होने वाली इस बैठक से पहले नायब सिंह सैनी ने 26 जनवरी की शाम छह बजे सीनियर अधिकारियों की बैठक बुलाई है, जिसमें मामले में अब तक की स्टेटस रिपोर्ट पर मंथन किया जाएगा। मामले में सुप्रीम कोर्ट हरियाणा के पक्ष में फैसला सुना चुका है। इससे पहले पिछले साल नौ जुलाई और पांच अगस्त को भी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में नायब सिंह सैनी और भगवंत मान की बैठक हुई थी, जिसमें कोई हल नहीं निकल पाया। केंद्र सरकार के निर्देश पर एक बार फिर से एसवाईएल के मुद्दे पर हरियाणा व पंजाब संयुक्त बैठक करने जा रहे हैं। हालांकि इस बैठक में केंद्रीय मंत्री के भाग लेने पर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला अब अंतिम पड़ाव में है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोनों राज्यों को केंद्र की मध्यस्थता के साथ विवाद का साझा हल करने के लिए बोला गया है।

हरियाणा सचिवालय में शनिवार को अवकाश के बावजूद बैठक की तैयारियों को लेकर कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। एसवाईएल नहर का मुद्दा लंबे समय से दोनों राज्यों के बीच विवाद का कारण बना हुआ है। हरियाणा का तर्क है कि नहर के निर्माण से उसे उसके वैधानिक जल अधिकार मिलेंगे, जबकि पंजाब लगातार यह कहते हुए विरोध करता रहा है कि उसके पास अतिरिक्त पानी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों और केंद्र सरकार की मध्यस्थता के बावजूद समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। इस बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि हाल के महीनों में हरियाणा सरकार ने एसवाईएल को लेकर अपना रुख और स्पष्ट किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी कई मंचों से कह चुके हैं कि हरियाणा अपने हक के पानी के लिए कानूनी और संवैधानिक लड़ाई जारी रखेगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी स्पष्ट संकेत दिए हैं कि पंजाब के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

हरियाणा में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को बड़ी राहत, कैशलैस निःशुल्क उपचार योजना से 4179 घायलों को मिला इलाज

चंडीगढ़, एजेंसी। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित और प्रभावी उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संचालित कैशलैस निःशुल्क उपचार योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 दौरान हरियाणा प्रदेश में कुल 4179 सड़क दुर्घटना पीडितों को निःशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की गई। इस योजना तहत दुर्घटना की तिथि से अधिकतम 7 दिनों की अवधि के लिए प्रत्येक घायल व्यक्ति को प्रति दुर्घटना 1.5 लाख रुपए तक का कैशलैस निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवाया जाता है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश के 1228 अस्पतालों को इस व्यवस्था के तहत अनुबंधित किया गया है जिससे पीड़ितों को समय रहते चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो सके।

डी.जी.पी. हरियाणा अजय सिंघल ने कहा कि प्रदेश की सड़कों को आमजन के लिए सुरक्षित बनाना हरियाणा पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सुनियोजित एवं प्रभावी कार्य नीतियों पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवाने की यह योजना अक्तूबर 2024 में प्रारंभ की गई थी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, ट्रैफिक एवं हाईवे हरदीप दून ने बताया कि वर्ष 2020 से 2024 दौरान प्रदेश में कुल 339 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए जिनमें से 109 ब्लैक स्पॉट पर संबंधित विभागों द्वारा सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है।

अंबाला थाना धमाके की साजिश में तीन और गिरफ्तार, पाकिस्तान में बैठे आकाओं से जुड़े तार, पूछताछ में खुलीं कई परतें

अंबाला, एजेंसी। जिले के बलदेव नगर थाना को उड़ाने की साजिश में पुलिस ने तीन और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके तार पाकिस्तान में बैठे आकाओं से जुड़े पाए गए हैं। आरोपितों सुखदेव और अमरजीत सहित एक अन्य से पूछताछ जारी है और प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि पाक से आने वाले ड्रोन से मिलने वाले नशे और रुपये के लालच में तीनों फंस गए थे। तीनों आरोपित पंजाब के फिरोजपुर के रहने वाले हैं, जिनकी कुंडली पुलिस खंगाल रही है। आरोपितों के खिलाफ पहले मामला दर्ज है या नहीं, इसको लेकर भी पंजाब पुलिस से संपर्क साधा जा रहा है। अब तक इस प्रकरण में कुल सात आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं। अब इन तीनों आरोपितों का पुलिस रिमांड ले सकती है, जिसके बाद जांच में और राजफाश होंगे। अंबाला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस गुत्थी को लगभग पूरी तरह से सुलझा लिया है और इस मामले में और कौन शामिल हैं, उनके चेहरे भी जल्द बेनकाब होंगे। पहले गिरफ्तार किए गए दो भाई भी सीधा पाक के संपर्क में थे। बता दें कि पुलिस ने इसी मामले में एक कार को भी बरामद किया है।

हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति विरोधी, पंचकूला और अंबाला में घटाए आरक्षित बोर्ड

पंचकूला, एजेंसी। कांग्रेस नेता एवं अंबाला लोकसभा सीट से सांसद वरुण चौधरी ने हरियाणा सरकार को अनुसूचित जाति विरोधी बताया है. उन्होंने कहा कि 'हरियाणा सरकार द्वारा नगर निगम चुनाव से पहले की गई नई वार्डबंदी से प्रदेश सरकार का अनुसूचित जाति विरोधी चेहरा सामने आ गया है '. उन्होंने मीडिया के समक्ष वह सभी तथ्य रखे, जिनके आधार पर उन्होंने नई वार्डबंदी गलत तरीके से किए जाने का दावा किया. उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस इसका भरपूर विरोध करती है और साथ ही मामले को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लेकर पहुंची है '.

अनुसूचित जाति की आरक्षित वार्ड संख्या घटाईः कांग्रेसी सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि 'हरियाणा सरकार निगम चुनाव के लिए म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन एक्ट को भी अनदेखा कर रही है. पंचकूला नगर निगम चुनाव के अंदर अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित वार्डों की संख्या चार थी, जिन्हें घटाकर तीन कर दिया गया. इसी प्रकार अंबाला में भी अनुसूचित जाति के लिए पांच आरक्षित सीटें थी, जिन्हें घटाकर तीन कर दिया गया है. इस कारण मामले को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट लेकर जाना पड़ा. उषा रानी व अन्य बनाम राज्य हरियाणा एवं अन्य मामले में हरियाणा सरकार को नोटिस हुआ है. हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 18 फरवरी 2026 निर्धारित की है '.

जनसंख्या का अधार गणना है न कि पीपीपीः वरुण चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान देश के संविधान के पार्ट 9/ए, (जो कि म्युनिसिपालिटी संबंधित है) के आर्टिकल 243 पी(जी) की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि 'इसमें जनसंख्या का आधार गणना को बताया गया है. वहीं देश में 2011 के बाद से आज तक गणना नहीं हो सकी है और प्रकाशित गणना 2011 के अनुसार है. पिछला निगम चुनाव भी पुरानी गणना के अनुसार हुआ था '. वरूण चौधरी ने सवाल उठाए कि 'अब ऐसी क्या नौबत आ गई कि हरियाणा सरकार को वार्डबंदी करनी पड़ी. लेकिन वार्ड संख्या पुरानी बीस ही रखी गई है. जबकि नगर निगम पंचकूला की सीमा न तो घटी और न बढ़ी, यानि यथास्थिति है '.

अनुसूचित जाति की आबादी कम बताईः वरुण चौधरी ने हरियाणा सरकार द्वारा अनुसूचित जाति की आबादी 29,212 घटी हुई बताने पर हैरानी जताई. उन्होंने प्रदेश सरकार की गणना का आधार गलत बताया. कहा कि 'वर्ष 2020 में अनुसूचित जाति की आबादी 70,679 बताई गई थी. लेकिन अब हरियाणा सरकार इसे 29 हजार से अधिक घटा हुआ बता रही है. क्योंकि हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति की आबादी को घटा हुआ दिखाने के लिए परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) को आधार माना है, जो पहचान का सीधा-सीधा उल्लंघन है. इसे पहचान का आधार नहीं माना जा सकता. कांग्रेस ने विधानसभा में भी इसका उस समय भरपूर विरोध किया था, जब सदन में फैमिली आईडी को लाया गया था. मुख्यमंत्री ने भी सदन में पीपीपी को अनिवार्य नहीं होना कहा था '. ऐसे में सवाल किया कि 'जो जानकारी अनिवार्य नहीं है, उसे जनसंख्या का आधार कैसे माना जा सकता है '.

फतेहगढ़ साहिब रेल ब्लास्टः ब्रेक टेस्ट के लिए घटाई स्पीड के कारण टला बड़ा हादसा, पलट सकती थी मालगाड़ी

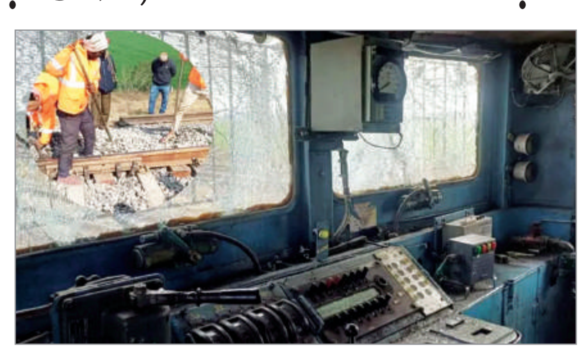

अंबाला, एजेंसी। गणतंत्र दिवस से करीब 60 घंटे पहले पंजाब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के निकट मालगाड़ी को उड़ाने के लिए रखे गए विस्फोटक से नुकसान इसलिए कम हुआ, क्योंकि लोको पायलट ने ब्रेक टेस्ट के लिए रफ्तार घटाई थी। यदि गाड़ी पूरी गति में होती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। इस ट्रैक पर 100 किमी प्रति घंटा की गति से मालगाड़ी दौड़ सकती है। यदि ऐसा होता तो मालगाड़ी पलट सकती थी। यह मालगाड़ी बिहार के धनबाद से कोयला लेकर मंडी गोबिंदगढ़ पहुंची थी। खाली रैक फिर से वापस ले जाया जा रहा था। 58 डिब्बों की मालगाड़ी से करीब 18 डिब्बे धमाका होने बाद भी आगे निकल गए और फिर लोको पायलट ने रोक कर चेक किया। कुछ देर के बाद लोको पायलट धीरे से मालगाड़ी को आगे ले गया और अगले स्टेशन पर जाकर सूचना कंट्रोल में दी। रेल अधिकारियों का मानना है कि यदि गाड़ी की स्पीड अधिक होती तो पटरी टूटने के बाद मालगाड़ी पलटने का खतरा अधिक हो जाता। लोको पायलट की सूचना के बाद करीब 10 मालगाड़ियों को रोक दिया गया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी। उत्तर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के डीआइजी अंबाला मंडल के अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इस घटना से जहां इंजन क्षतिग्रस्त हुआ, वहीं दो से तीन स्लीपर भी टूटे हैं और पटरी भी क्षतिग्रस्त हुई है। लोको पायलट हरिंद्र कुमार को हल्की चोटें आई हैं, जबकि सहायक लोको पायलट आनंद प्रकाश यादव ठीक हैं। मंडी गोबिंदगढ़ से खाली होने के बाद साइडिंग पर आई और जब फिर से ढुलाई के लिए जा रही थी तो गाड़ी कि स्पीड 40 से 50 किमी प्रतिघंटा की थी। नियम है कि जब भी मालगाड़ी फिर से चलाई जाती है तो कुछ किमी दौड़ाने के बा गाड़ी की रफ्तार घटाई जाती है। ब्रेक टेस्ट के बाद गाड़ी की रफ्तार 100 किमी कर दी जाती है। साइडिंग से गाड़ी चलने के बाद मालगाड़ी की स्पीड 50 किमी थी, ब्रेक टेस्ट किया तो यह आधी हो गई। तभी धमाके की आवाज आई और लोको पायलट का कैबिन थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया। लोको पायलट जब तक समझता तब तक 18 डिब्बे आगे निकल चुके थे। गणतंत्र दिवस को लेकर आरपीएफएस की दो कंपनियां अंबाला रेल मंडल में भेजी हैं। यह यहां से विभिन्न स्टेशनों के लिए रवाना कर दी हैं। स्टेशनों पर चेकिंग अभियान जारी है।

फरीदाबाद का जालिम पिता...गिनती नहीं लिख पाई 4 साल की बेटी, कलयुगी बाप ने बेरहमी से पीट-पीट कर मार डाला

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में एक पिता ने हैवानियत की हद पार कर दी. दरअसल, पिता ने पढ़ाई के दौरान गिनती न लिख पाने की वजह से अपनी 4 साल की बेटी को पीट-पीटकर मार डाला. मामले की जानकारी के बाद पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है.

50 तक गिनती न लिख पाने की वजह से पीटाः दरअसल, यह घटना 21 जनवरी की है, जिसकी जानकारी पुलिस ने शुक्रवार देर शाम को दी. इस बारे में पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने मीडिया को बताया कि, '31 साल का कृष्णा जायसवाल मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है. वह फिलहाल फरीदाबाद के सेक्टर-58 इलाके में किराए के मकान में अपनी पत्नी और अपने बच्चों के साथ रहता था. पति-पत्नी एक निजी कंपनी में काम करते हैं. दिन में पत्नी नौकरी करती है. वहीं, रात में पति नौकरी पर जाता है. इस दौरान दिन में पति घर पर रहकर अपने बच्चों की देखभाल करता था. बच्चों को पढ़ाता था. इसी बीच 21 जनवरी को पिता ने अपनी चार वर्षीय बेटी को 50 तक गिनती लिखने के लिए कहा. जब बच्ची गिनती नहीं लिख पाई, तब उसने उसे बेलन से मारना शुरू कर दिया. इस दौरान बच्ची की मौत हो गई. '

बेटे ने मां को बताई सच्चाईः यशपाल सिंह ने आगे बताया कि, 'शाम को जब उसकी पत्नी घर लौटी तो बच्ची को मृत पाया. इसके बाद उसकी पत्नी बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस दौरान कृष्णा के 7 वर्षीय बेटे ने अपनी मां को पूरी कहानी बताई. बेटे ने बताया कि उसके पिता ने बच्ची को 50 तक गिनती लिखने के लिए दिया था. जब वह लिख नहीं पाई, तब उसकी पिटाई शुरू कर दी, जिसके बाद बच्ची की मौत हो गई. '

आरोपी ने पत्नी से बोला झूठः पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि, 'गुनाह छुपाने के लिए आरोपी ने अपनी पत्नी को बताया कि बच्ची सीढ़ियों से गिर गई है, लेकिन झूठ ज्यादा देर तक नहीं चल पाया. इसके बाद पत्नी ने पुलिस में इसकी शिकायत दी. शिकायत मिलते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. '

आरोपी ने किया अपना जुर्म कबूलः पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी से सख्ती से पूछताछ की. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया. इस बारे में फरीदाबाद सेक्टर-58 थाना एसएचओ आजाद सिंह ने कहा कि, 'मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की. जांच में सामने आया कि आरोपी पिता ने गिनती न लिख पाने पर बच्ची के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई. आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है. उसे कोर्ट में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है और आगे की पूछताछ जारी है.

चंडीगढ़ के मनीमाजरा में बारिश से मकान की छत गिरी, मची अफरा-तफरी, 3 बच्चे हुए घायल

चंडीगढ़, एजेंसी। मनीमाजरा के गोविंदपुर इलाके में शनिवार को मकान नंबर 1119 की छत अचानक भरभराकर गिर गई. इस दौरान घर के अंदर खेल रहे तीन छोटे बच्चे मलबे की चपेट में आ गए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. फिलहाल तीनों बच्चों का इलाज जारी है.

घायल बच्चे अस्पताल में भर्तीः घायलों की पहचान 12 साल के चन्नी, 14 साल के गौरव और राहुल के रूप में हुई. गौरव और चन्नी भाई हैं, जबकि राहुल पड़ोस में रहता है और हादसे के समय खेलते हुए उनके घर आया हुआ था. स्थानीय लोगों ने बच्चों को तुरंत मलबे से बाहर निकाला और मनीमाजरा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया.

काफी पुराना था मकानः प्राथमिक जांच में सामने आया कि मकान काफी पुरानी था और इसकी मिट्टी की छत लंबे समय से कमजोर थी. पिछले दिनों हुई लगातार बारिश और तेज हवा के कारण छत और अधिक कमजोर

हो गई थी. आज सुबह मकान की छत अचानक गिर गई.

मौके पर पहुंचे अधिकारीः घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी विजय सिंह और मनीमाजरा थाना प्रभारी मनिंदर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे.पुलिस ने मलबे का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी.

सभी घायल बच्चे सेफः इस बारे में डीएसपी विजय सिंह ने कहा कि, 'बारिश से छत गिरी है. कच्ची छत थी. तीन बच्चों को चोट लगी है. तीनों अस्पताल में हैं. हल्की चोट लगी है. उनका इलाज जारी है. अब तक कि मिली जानकारी के अनुसार तीनों बच्चे सेफ हैं.' वहीं, मनीमाजरा थाना प्रभारी मनिंदर सिंह ने कहा कि, 'हमें सूचना मिली कि एक घर गिर गया है.

जब हम मौके पर पहुंचे तो हमने पाया कि एक घर का छत गिर गया है. पड़ोस के घर की दीवार हवा के कारण गिरी और छत गिर गया. तीन बच्चे घायल हुए हैं. उनका इलाज जारी है. घायल बच्चों का नाम राहुल, चन्नी और गौरव है. सभी सेफ हैं. हवा के कारण दीवार गिरने से ये हादसा हुआ है

कंटेंट से समझौता नहीं, हिट फिल्में रिस्क लेने की ताकत देती हैं

आयुष्मान खुराना ने खुद को कंटेंट ड्रिवन स्टार के रूप में स्थापित किया है। उनसे सफलता के गणित और आने वाली फिल्मों पर हुई बातचीत...

आपकी फिल्मों का स्ट्राइक रेट इंडस्ट्री में बेहतरीन माना जाता है। इसका राज क्या है?

इसे किसी एक वजह तक सीमित नहीं किया जा सकता। सबसे अहम है स्क्रिप्ट, वही नींव है। कमजोर कहानी को कोई स्टारडम नहीं बचा सकता। इसके साथ ही मैं खुद को एक प्रोड्यूसर-फ्रेंडली एक्टर मानता हूं। शूटिंग से पहले ही फिल्म का गणित समझ लेता हूं, ताकि प्रोजेक्ट शुरू से ही सेफ जोन में रहे। जब फिल्म आर्थिक रूप से सुरक्षित होती है, तो क्रिएटिव फ्रीडम अपने आप बढ़ जाती है।

प्रोड्यूसर-फ्रेंडली होने से आपका क्या मतलब है?

इसका दायरा बड़ा है। फीस से लेकर टीम और सेट के खर्च तक। मैं कोशिश करता हूं कि मेरी टीम छोटी और असरदार हो। फिजूलखर्ची से बचता हूं। फीस भी इस तरह तय करता हूं हूं कि कि बजट परदे पर दिखे, न कि जेब में। फिल्म हिट होगी, तो रिवॉर्ड मिल ही जाते हैं। साथ ही, मैं उन्हीं प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना पसंद करता हूं, जिन्हें फिल्म को सही स्केल पर माउंट करना आता हो।

क्या अब 100 करोड़ रुपए का क्लब अब आपके लिए नॉर्मल हो गया है?

मैं नंबर्स के पीछे नहीं भागता, लेकिन उनकी अहमियत समझता हूं। 100 करोड़ रुपए कमाना मेरे लिए एक मदद जैसा है। जब ड्रीम गर्ल 2 जैसी फिल्में चलती हैं, तभी मुझे अंधाधुन, आर्टिकल 15 या एन एक्शन हीरो जैसे रिस्की प्रोजेक्ट्स करने की आजादी मिलती है। कमर्शियल सिनेमा मुझे प्रयोग करने की ताकत देता है।

निधि अग्रवाल ने खोली निगेटिव पीआर कल्चर की पोल

अभिनेत्री निधि अग्रवाल हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आई थीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। अब निधि अग्रवाल ने पीआर कल्चर और पैसे देकर कराए जाने वाले निगेटिव पीआर पर अपनी राय रखी है। निधि ने बताया कि कैसे अक्सर पैसे का इस्तेमाल प्रतिभा को बढ़ावा देने के बजाय लोगों को नीचा दिखाने के लिए किया जाता है।

यहां बहुत निगेटिव पीआर होता है

बातचीत के दौरान निधि अग्रवाल ने खुलासा किया कि उन्हें भी निगेटिव पीआर का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि इतना निगेटिव पीआर होता है। बहुत सारे तरीकों से हमले होते हैं। यहां तक कि बुक माय शो और आईएमडीबी रेटिंग्स जैसी चीजें भी। पेड रिव्यूज का एक खास वर्ग भी है। लोग दूसरों को नीचा दिखाने के लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि लोग खुद को ऊपर उठाने से ज्यादा पैसा दूसरों को नीचे गिराने में लगाते हैं। हाल ही में मुझ पर भी एक दो निगेटिव अभियान शुरू हुए थे, लेकिन हमने उन्हें तुरंत रोक दिया। क्योंकि मैंने सोचा यार मैं तो खुद को अच्छे तरीके से आगे बढ़ाऊंगी, लेकिन अगर तुम कुछ नकारात्मक करोगे, तो मैं भी तुम्हें वैसा ही जवाब दूंगी।

वरुण और कार्तिक पर हुए निगेटिव पीआर को बताया गलत

हाल ही में वरुण धवन और कार्तिक आर्यन पर हुए निगेटिव पीआर हमलों के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा कि यह बहुत बुरा है। लोग इसके लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत ही खराब है। क्योंकि अभिनेता बहुत संवेदनशील और भावुक होते हैं। वे अंदर से बच्चों जैसे होते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। आपको ऐसा लगता है जैसे आप पर हमला किया जा रहा है। सार्वजनिक हस्तियां सार्वजनिक संपत्ति नहीं होतीं। घर पर सबके माता-पिता होते हैं और आप उनके प्रति जवाबदेह होते हैं। यह ठीक नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई 'द राजा साब'

निधि अग्रवाल हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म द राजा साहब में नजर आई थीं। मारुति द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म में इसके अलावा संजय दत्त, मालविका मोहनन, रिद्धि कुमार और जरीना वहाब भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

उर्वशी ढोलकिया अब मचाएंगी द 50 में धमाल

मशहूर अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया जल्द ही रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगी। शो में अपनी एंट्री को लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं, लेकिन साथ ही घबराहट भी महसूस कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में आईएएनएस से बातचीत में खुलकर बातें शेयर की। उन्होंने कहा, मैं द 50 में जाने के लिए काफी उत्साहित हूं, लेकिन साथ ही नर्वस भी हूं। मेरे लिए यह एक बड़ा एडवेंचर होने वाला है। साथ ही, यह कुछ अलग और नया अनुभव भी होगा। मैं तो बस इस शो में नए अनुभव लेने के लिए जा रही हूं। अभिनेत्री ने प्लानिंग के बारे में बात करते हुए कहा, शो में कौन प्लानिंग करके जाता है? अगर कोई ऐसा करता है, तो प्लीज मुझे भी बता दीजिए। मैंने आखिरी बार साल 2012 में रियलिटी शो किया था और उसके बाद अब करने जा रही हूं। इसलिए मेरे पास कोई स्ट्रैटेजी नहीं है। मैं बस वहां जाकर जो होगा, उसे इंजॉय करूंगी। शो में कंटेस्टेंट्स की लिस्ट को लेकर उर्वशी ने कहा कि उन्हें अभी तक सिर्फ उतने ही नाम पता हैं, जितने अभी तक सामने आए हैं। उन्होंने कहा, जब मैं पहले रियलिटी शो में गई थी, तब भी मुझे बाकी कंटेस्टेंट्स के बारे में पहले से कुछ नहीं पता था। अब भी वही हाल है। सब कुछ पैलेस में एंटर करने के बाद ही पता चलेगा। मैं बस उस पल का इंतजार कर रही हूं। उर्वशी वैसे काफी समय से मनोरंजन जगत में काम कर रही हैं, लेकिन सबसे ज्यादा उन्होंने पॉपुलैरिटी स्टार प्लस टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका के रोल से हासिल की थी। अब वह कई सालों के बाद फिर से रियलिटी फॉर्मेट में वापसी कर रही हैं। द 50 एक रियलिटी शो है, जिसमें सेलिब्रिटी अलग-अलग चुनौतियों का सामना करेंगे। यह शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार पर रात 9 बजे और कलर्स टीवी पर भी प्रसारित होगा।

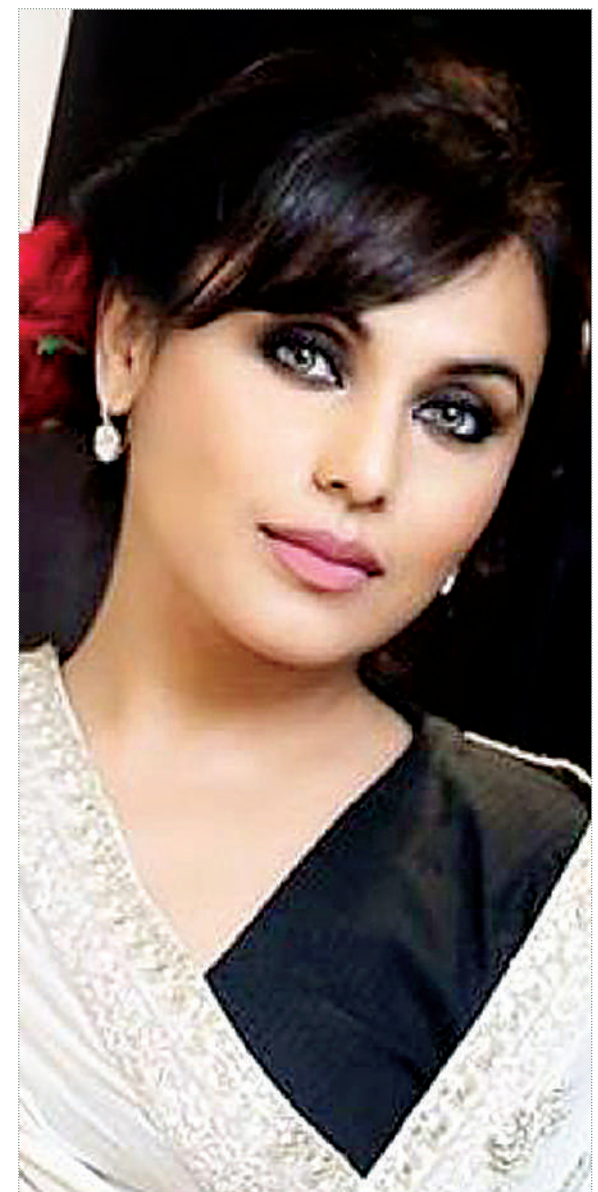

काली-दुर्गा की कहानियां सुन मर्दानी जैसे किरदार निभाने की हिम्मत आती है

रानी मुखर्जी ने हमेशा समाज को झकझोरने वाली कहानियां चुनीं। इस बार मर्दानी 3 में उनकी लड़ाई और खतरनाक होने वाली है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी।

मर्दानी जैसे किरदार की जिम्मेदारी कैसे देखती हैं?

मर्दानी सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये एक जिम्मेदारी है। शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों में बस चुकी है। हर बार जब मैं इस किरदार में लौटती हूं, तो दबाव होता है कि पहले से ज्यादा सच्चाई और ताकत के साथ आऊं। इस बार लड़ाई और भी खतरनाक है, विषय और भी डरावना है, लेकिन ऐसी कहानियां बार-बार कही जानी चाहिए, क्योंकि जब तक दर्शक इन्हें देखेंगे नहीं, तब तक ऐसी फिल्में बनती नहीं रहेंगी।

नेशनल अवॉर्ड जीता, वह पल पिता नहीं देख पाए। इस एहसास को आप कैसे बयां करेंगी?

ये ऐसी कमी है जो कभी पूरी नहीं होगी। पापा मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम थे। उनके जाने के बाद हर खुशी अधूरी लगती है। नेशनल अवॉर्ड ही नहीं, मेरी जिंदगी का हर बड़ा पल उनसे जुड़ा है। जब भी कुछ अच्छा या बुरा होता है, सबसे पहले पापा याद आते हैं।

हमेशा मुश्किल टॉपिक्स चुने, ये हिम्मत कहां से आती है?

मम्मी से शायद। बचपन से हम काली-दुर्गा को पूजते हैं। देवताओं की मदद के लिए असुरों का संहार करने की कहानियां सुनकर बड़े हुए हैं। ये ताकत बंगाली संस्कृति में बचपन से ही अंदर बसी रहती है।

कभी लगा कि गंभीर रोल चुनने से स्टारडम को नुकसान हो सकता है?

मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं कोई रिस्क ले रही हूं, क्योंकि मैंने कभी स्टारडम को अपना लक्ष्य बनाया ही नहीं। जरूरी था कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बनूं जो मुझे अंदर से छूती हैं। अगर कोई किरदार समाज को असहज करता है, सवाल खड़े करता है या किसी औरत की ताकत दिखाता है, तो मुझे लगता है कि मैं सही दिशा में काम कर रही हूं।

बेटे अयान को मेरी पहली फिल्में बिल्कुल पसंद नहीं, बहुत आलोचना करता है

करियर के शुरुआती दौर में किसिंग किंग के तौर पर लेबल हुए एक्टर इमरान हाशमी ने बाद में अपनी विविधतापूर्ण किरदारों से यह छवि तोड़ दी और खुद को एक वर्सटाइल एक्टर के रूप में स्थापित कर दिया। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर आई अपनी वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स में कस्टम ऑफिसर के रोल में वाहवाही बटोर रहे इमरान हाशमी से खास बातचीत-

करियर के शुरुआती दौर में आप किसिंग किंग के तौर पर टाइपकास्ट कर दिए गए थे। मगर आपने उस इमेज को तोड़ा और अपनी वर्सिटिलिटी साबित की। अब बतौर कलाकार आप कितने संतुष्ट हैं?

मैं बहुत संतुष्ट हूं। पिछले 10-12 सालों में मेरा रास्ता पूरा बदल चुका है। इसमें ओटीटी का भी हाथ रहा, क्योंकि ओटीटी के आने के बाद इंडस्ट्री में ही एक पूरा 180 डिग्री का शिफ्ट आया है। ऑडियंस का टेस्ट, स्टोरी टेलिंग सब बदली है, जो हम एक्टर्स को ये ताकत देती है कि हम अपनी वर्सिटिलिटी दिखा सकें। हम एक्टर्स इसीलिए तो बने हैं। हालांकि, कुछ स्टार्स सालों तक उसी मोल्ड में वही कैरेक्टर्स करते रहते हैं, लेकिन ये उनकी चॉइस है। मैं हमेशा से अलग-अलग चीजें करना चाहता था। उस शुरुआती दस सालों में, उस टाइपकास्ट के जोन में भी मैंने अलग-अलग वैरिएशन लाने की कोशिश की, लेकिन बेसिक कैरेक्टर वही था तो संतुष्टि नहीं होती है। फिल्में भले चलती हैं लेकिन आपको खुद लगता है कि आप एक ही किरदार बार-बार कर रहे हैं। मतलब नींद में भी कर लो तो फिर मैंने ठान लिया कि वो नहीं करना है। अच्छी बात ये रही कि फिल्ममेकर्स ने भी मुझ पर भरोसा जताया। आज मेरा फिल्म चुनने का बेंचमार्क यही होता है कि स्क्रिप्ट पढ़ते हुए अगर मुझे थोड़ा डर लगे कि मैं ये कर पाऊंगा या नहीं तो वो एक ग्रीन सिग्नल है कि ये निश्चित तौर पर करना चाहिए। जैसे, पिछली फिल्म हक में बहुत ही जटिल किरदार था। नेगेटिव शेड था, पर वह असल में नेगेटिव नहीं है। उसकी परवरिश, उसकी कंडीशनिंग वैसी है। उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया क्योंकि वह बहुत कॉम्प्लेक्स किरदार था और मेरे व्यक्तित्व से बिल्कुल उल्टा था और किरदार आपसे जितना अलग होता है, उसके करीब पहुंचने में उतनी मेहनत लगती है। उतना ही मजा आता है।

उस दौर में आपको ये भी मलाल रहता था कि आप बेटे अयान को अपनी फिल्में नहीं दिखा पाते थे। अब वह टीनेजर हैं, अब उनकी आपके सिनेमा को लेकर क्या राय रहती है?

वह बहुत क्रिटिकल हैं और मैं इस चीज की हमेशा से बहुत कद्र करता हूं कि आपके करीबी, दोस्त आपकी परफॉर्मेंस पर खुलकर अपनी राय दे सकें। उन्होंने बैड्स ऑफ बॉलीवुड देखी, चूंकि जेन जी वाला कॉन्टेंट था तो उनको बहुत पसंद आई। उन्होंने हक भी देखी। हालांकि, वह एक मैच्योर लव स्टोरी है लेकिन उन्हें वह भी पसंद आई, मगर वह मेरे काम को लेकर क्रिटिकल हैं। वह एक नई पीढ़ी से हैं और आज की पीढ़ी के बच्चे बहुत ओपिनिएटेड हैं। उनकी अपनी राय है। पहले वाली फिल्मों की तो वह बहुत आलोचना करते हैं, क्योंकि वह आज की उस पीढ़ी से हैं, जहां चार साल की उम्र से उनके हाथ में आईपैड था, इंटरनेट था। आज चैट जीपीटी है, जिस पर हर चीज का हल मिल जाता है तो वह बहुत ही ज्यादा स्मार्ट हैं।

आपको भी उन पर गर्व होगा कि उन्होंने फिल्मी लेगेसी के आसान रास्ते के बजाय चेस को चुना है?

हां, अभी तो वो नॉन फिल्मी है। अभी तक तो उसने कभी कहा नहीं कि उसे इंडस्ट्री में आना है या फिल्में करनी है। वह अपने चेस कॉम्पिटिशन में खुश है। पढ़ाई में ध्यान दे रहा है। वैसे अभी तो सिर्फ 15 साल का है। अभी कॉलेज जाएगा तो अभी क्लैरिटी नहीं है कि आगे क्या करेगा।

अपनी नई सीरीज तस्करी में आप कस्टम ऑफिसर के रूप में खासे नैचरल लगे हैं। इस रोल के लिए किस तरह रिसर्च की?

सच कहूं तो नीरज पांडे और राघव जयरथ (निर्देशक) की टीम ने कस्टम को लेकर काफी रिसर्च की थी कि किस तरह तस्करी होती है। सारा मटीरियल स्क्रिप्ट में था जो मुझे बड़ा रोचक लगा था। फिर भी मैंने कुछ कस्टम ऑफिसर से बात की। बाकी, मैं सालों से ट्रैवल कर रहा हूं तो दिमाग में बातें चली जाती है कि एक्सरे मशीन पर लोग कैसे चेक करते हैं? कनवेयर बेल्ट पर कैसे ध्यान देते हैं तो इस सबसे भी मदद मिली।

संक्षिप्त समाचार

चीन से कोई भी डील करना पड़ सकता हैं महंगा, डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को चेतावनी

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने सीधे तौर पर कनाडा को धमकी दी है कि अगर उसने चीन के साथ किसी भी तरह की ट्रेड डील की, तो ऽ कनाडा से आने वाले सभी सामान और प्रोडक्ट्स पर

तुरंत 100व टैरिफ लगा देगा।

कनाडा ड्रॉप ऑफ पोर्ट बनने की गलती न करेः ट्रंप- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सोचते हैं कि वह कनाडा को चीनी प्रोडक्ट्स के लिए ड्रॉप ऑफ पोर्ट बना सकते हैं, जहां से चीन अपना सामान ऽ भेजेगा, तो वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं।

सिक्योरिटी के मुद्दों पर कनाडा पर निशाना सिर्फ ट्रेड ही नहीं, ट्रंप ने सिक्योरिटी के मुद्दों पर भी कनाडा को घेरा है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड में प्रपोज़्ड गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट को कैंसिल करने के लिए कनाडा की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कनाडा ऽ के लिए सिक्योरिटी अम्ब्रेला बनने के बजाय चीन के साथ रिश्ते गहरे करने में लगा हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, अगर ऐसा ही चलता रहा, तो चीन एक साल के अंदर कनाडा को निगल लेगा।

डोनाल्ड ट्रंप क्यों गुस्से में हैं?- ट्रंप के इस गुस्से के पीछे कनाडा के पीएम मार्क कार्नी का डेवोस (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) में दिया गया भाषण है। कार्नी ने ऽ के नेतृत्व वाले वर्ल्ड ऑर्डर पर सवाल उठाते हुए कहा था कि दुनिया अब विनाशकारी दरार के दौर से गुज़र रही है। उन्होंने ऽ द्वारा अपनी मर्ज़ी थोपने का विरोध किया था और कहा था, अगर हम टेबल पर नहीं हैं, तो हम मेन्यू में होंगे। इसी बयान के बाद ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ़ कड़ा रुख अपनाया है।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के रडार पर आए 2 टॉप अधिकारी?

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अपनी ही सेना के टॉप जनरल के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। दोनों अफसर चीनी राष्टपति शी चिनफिंग की रडार पर हैं।

चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सर्वोच्च उपाध्यक्ष जनरल झांग यूक्सिया समेत 2 अफसरों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। दोनों पर अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगा है।

रक्षा मंत्रालय ने दी जानकारी- चीनी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लियू झेनली और लियू झेनली राष्टपति शी चिनफिंग के नेतृत्व वाली शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सर्वोच्च उपाध्यक्ष हैं। दोनों चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के जांच के दायरे में आ गए हैं। चीनी सरकार ने झांग और लियू पर लगे आरोपों का खुलासा नहीं किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा- सीपीसी केंद्रीय समिति के विचार-विमर्श के बाद झांग यूक्सिया और लियू झेनली के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

शुद्धिकरण अभियान- सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अपनी सेना में शुद्धिकरण अभियान चलाया है। वहीं, दोनों अधिकारी शी चिनफिंग को अपनी वफादारी साबित करने नाकाम रहे हैं।

2 लाख से ज्यादा अधिकारियों को मिली सजा- हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब चीन इस तरह का अभियान चला रहा है। इससे पहले भीकई बार चीन में समय-समय पर ये अभियान चलाया जाता रहा है। 2012 में शी चिनफिंग के सत्ता में आने के बाद से अब तक 2 लाख से ज्यादा अधिकारियों को सजा मिल चुकी है।

24 वर्षीय युवती को दो जुड़वां भाइयों से हुआ इश्क, एक ही बेड पर सोते हैं तीनों, करती है डबल रोमांस

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के नखोन फनोम से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। यहां 24 वर्षीय युवती फाह एक नहीं बल्कि दो जुड़वां भाइयों को एक साथ डेट कर रही है। ताज्जुब की बात यह है कि यह थ्री-वे रिलेशनशिप न केवल स्थिर है बल्कि इसमें दोनों भाइयों के परिवारों की भी सहमति है।

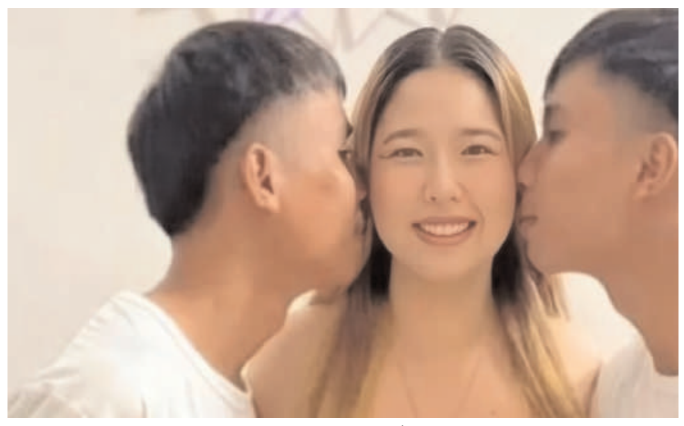

कैसे शुरू हुआ यह डबल रोमांस?- फाह काफी समय से सिंगल थीं और किसी रिश्ते की तलाश में नहीं थीं। इसी दौरान जुड़वां भाइयों सुइया और सिंग ने उनसे संपर्क किया। छोटे भाई सुइया ने पहले फाह को मैसेज किया और फिर अपने जुड़वां भाई को भी उससे बात करने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे फाह को दोनों भाइयों से प्यार हो गया। दोनों भाई फाह से एक साल छोटे हैं। दोनों भाई एग्रीकल्चर मशीनरी इंडस्ट्री में काम करते हैं जबकि फाह एक रेस्टोरेंट में काम करती हैं।

एक ही बेड, एक ही छत कैसा है इनका तालमेल?

फाह ने अपने निजी जीवन के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि वे तीनों एक ही कमरे में और एक ही बेड पर सोते हैं जिसमें फाह आमतौर पर दोनों के बीच में होती है। दोनों भाई अपनी पूरी कमाई फाह को सौंप देते हैं। घर का वित्तीय प्रबंधन फाह ही संभालती हैं। घर के काम से लेकर खर्चों तक तीनों ने मिलकर सब कुछ व्यवस्थित किया हुआ है। फाह का दावा है कि दोनों भाई बहुत शांत स्वभाव के हैं और उनके बीच कभी एक-दूसरे को लेकर जलन या मनमुटाव नहीं होता।

प्रेग्नेंसी और असली पिता की पहचान का फॉर्मूला

भविष्य में बच्चों को लेकर फाह का प्लान सबसे ज्यादा चर्चा में है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि वह गर्भवती होती हैं तो जैविक पिता की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराएंगी। टेस्ट इसलिए कराया जाएगा ताकि जन्म प्रमाण पत्र पर सही पिता का नाम दर्ज हो सके। हालांकि जैविक पिता कोई भी हो फाह चाहती हैं कि बच्चा दोनों भाइयों को पापा कहकर ही पुकारे।

सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

जहां फाह इस रिश्ते से संतुष्ट हैं वहीं इंटरनेट पर लोग बंटे हुए हैं। कुछ यूजर्स का कहना है कि दो लोगों को समान प्यार देना असंभव है और यह भविष्य में बच्चों के मानसिक विकास के लिए भ्रम पैदा करेगा। कुछ लोग इसे व्यक्तिगत पसंद मान रहे हैं हालांकि थाईलैंड का कानून एक समय में केवल एक ही व्यक्ति से शादी की अनुमति देता है।

भारी बर्फबारी और बारिश का कहर, 61 लोगों की मौत

काबुल एजेंसी। अफगानिस्तान में पिछले तीन दिनों से जारी भारी बर्फबारी और बारिश के कारण देश भर में 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई और अन्य 100 से अधिक घायल हो गए। देश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शनिवार को यह जानकारी दी।

इस बीच, आर्थिक दृष्टि से कमजोर देश में अधिकारी सड़कों को खोलने और कटे हुए गांवों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राष्टीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसफ हम्माद ने बताया कि अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से 15 प्रांतों में 61 लोगों की मौत हुई है और 110 लोग घायल हुए हैं, जबकि 458 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट हो गए हैं और सैकड़ों जानवर मारे गए हैं। अफगानिस्तान चरम मौसम की घटनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जहां बर्फबारी और भारी बारिश से अचानक आने वाली बाढ़ में अक्सर बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं। वर्ष 2024 में वसंत ऋतु में आई अचानक बाढ़ में 300 से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

हाड़ कंपाने वाली आफत अमेरिका में बर्फीले तूफान का तांडव

14 करोड़ लोग घरों में कैद, 9,000 उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका इस समय कुदरत के भीषण कहर का सामना कर रहा है। एक विनाशकारी बर्फीले तूफान ने देश के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है जिससे करीब 14 करोड़ लोगों की जिंदगी थम सी गई है। सड़कों पर जमी कई फीट बर्फ और शून्य से नीचे गिरे तापमान ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। वहीं तूफान का सबसे बुरा असर हवाई और सड़क यातायात पर पड़ा है। शनिवार और रविवार को मिलाकर अब तक लगभग 9,000 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। अमेरिका के मध्य और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में सर्दी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। नॉर्थ डकोटा और बिस्मार्क जैसे शहरों में तापमान -41 डिग्री तक लुढ़क गया है। न्यूयॉर्क के कुछ इलाकों में यह -34डिग्री दर्ज किया गया। टेक्सास से लेकर न्यू इंग्लैंड तक करीब 2000 मील के इलाके में भारी बर्फबारी और ओलावृष्टि हो रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में 1 फुट (30 सेमी) तक और बर्फ गिर सकती है।

पाकिस्तानी कोर्ट में ह्यूमन राइट्स वकीलों को 17 साल की जेल, सिक्योरिटी एजेंसी के लिए बताया दुश्मन

नाटो सैनिकों के अपमान पर भड़के पीएम स्टार्मर और प्रिंस हैरी, बोले- 'ये बलिदान का मज़ाक'

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी कोर्ट ने शनिवार, 24 जनवरी को दो ह्यूमन राइट्स वकीलों को 17 साल जेल की सजा सुनाई है। इन वकीलों पर देश की सिक्योरिटी को खतरे में डालने के आरोप लगे थे। इन्हें देश की सिक्योरिटी एजेंसी के लिए खतरा बताया गया।

कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेजों को आधार मानते हुए जज अफजल माजोका ने यह फैसला सुनाया। वकील जैनब मजारी और उनके पति हादी अली चट्ठा की इस्लामाबाद में एक दिन पहले ही गिरफ्तारी हुई।

ह्यूमन राइट्स वकीलों को 17 साल की जेल- पाकिस्तानी कोर्ट में सुनवाई के दौरान वीडियो लिंक के जरिए दोनों पति-पत्नी को पेश किया गया। जैनब मजारी और उनके पति हादी अली चट्ठा ने कोर्ट की सुनवाई का बहिष्कार किया। जैनब और उसके पति के विरोध जाहिर करने के बाद जज अफजल माजोका ने ट्रायल की प्रक्रिया समाप्त कर दोनों को 17 साल की जेल की सजा का फैसला सुनाया। कोर्ट के फैसले में कहा गया कि मजारी ने पिछले कुछ सालों में कई ट्वीट किए, जिनमें प्रतिबंधित बलूच अलगाववादी समूह और पाकिस्तानी तालिबान के एजेंडे को दिखाया गया था।

यह मामला अगस्त 2025 में नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी में दायर एक शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इस जोड़े ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल राज्य और उसकी सुरक्षा संस्थानों को बदनाम करने के लिए किया है।

दूसरी बार कांपी ताजिकिस्तान की धरती, भूकंप के झटकों से सहमे लोग

दुनाबे , एजेंसी। ताजिकिस्तान में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्टीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.6 मापी गई। यह भूकंप सुबह 6 बजकर 6 मिनट (भारतीय समय) पर आया। ह्ष्टस् ने बताया कि भूकंप का केंद्र ज़मीन से लगभग 103 किलोमीटर की गहराई में था। इसका स्थान ताजिकिस्तान क्षेत्र में दर्ज किया गया। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

इस महीने की शुरुआत में भी ताजिकिस्तान में भूकंप आया था। 9 जनवरी 2026 को यहां 5.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इससे साफ है कि यह इलाका लगातार भूकंपीय गतिविधियों का सामना कर रहा है। ताजिकिस्तान एक पहाड़ी देश है और प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यहां भूकंप के अलावा बाढ़, भूस्खलन, हिमस्खलन और सूखे जैसी समस्याएं आम हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण ताजिकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ रही हैं। रिपोर्टों में चेतावनी दी गई है कि 2050 तक देश के करीब 30 प्रतिशत ग्लेशियर खत्म हो सकते हैं।

अमेरिका के अलग होने पर डब्ल्यूएचओ ने तोड़ी चुप्पी, टेड्रोस बोले-आपके फैसले से दुनिया में खतरा बढ़ा

जिनेवा , एजेंसी। अमेरिका के विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने के फैसले पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा बताए गए कारण तथ्यों से परे और गलत हैं। डॉ. टेड्रोस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्घ पर लिखा कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य रहा है और संगठन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों में उसकी अहम भूमिका रही है। इनमें चेचक का उन्मूलन, पोलियो, इबोला, इन्फ्लुएंजा, टीबी, मलेरिया और अन्य गंभीर बीमारियों के खिलाफ लड़ाई शामिल है।

अमेरिका के फैसले पर डब्ल्यूएचओ की आपत्ति- डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा, अमेरिका के डब्ल्यूएचओ से हटने से न सिर्फ अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया कम सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने साफ किया कि डब्ल्यूएचओ हमेशा सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करता आया है और अमेरिका के साथ भी यही रवैया रहा है। डब्ल्यूएचओ को उम्मीद है कि भविष्य में अमेरिका फिर से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

कोविड-19 पर लगाए गए आरोप- अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ पर कोविड-19 महामारी के दौरान विफलता, जानकारी छिपाने और गलत मार्गदर्शन देने का आरोप लगाया था। इस पर डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने महामारी के दौरान तेज़ी और पारदर्शिता से जानकारी साझा की। मास्क, वैक्सीन और सामाजिक दूरी की सलाह दी गई लेकिन लॉकडाउन या वैक्सीन अनिवार्यता की सिफारिश कभी नहीं की अंतिम फैसले सरकारों पर छोड़े गए। डब्ल्यूएचओ ने माना कि किसी भी संगठन से कुछ गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसने महामारी से निपटने में अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी से निभाई।

अमेरिका का आधिकारिक रुख- 22 जनवरी को अमेरिका ने औपचारिक रूप से डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने की घोषणा की।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और स्वास्थ्य मंत्री केनेडी ने कहा कि आगे डब्ल्यूएचओ से अमेरिका का संपर्क सिर्फ निकासी प्रक्रिया और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा तक सीमित रहेगा। डब्ल्यूएचओ ने दोहराया कि वह सभी देशों के साथ मिलकर काम करता रहेगा और उसका लक्ष्य है हर इंसान को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, जो एक मौलिक मानव अधिकार है।

अवामी लीग ने जनमत संग्रह को ढोंग कहा, यूनुस पर धोखाधड़ी का आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अवामी लीग ने मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अवैध अंतरिम सरकार पर तथाकथित जनमत संग्रह कराने का आरोप लगाया है। पार्टी ने इसे न केवल संवैधानिक मानदंडों का घोर उल्लंघन, बल्कि जनता को गुमराह करने का एक सुनियोजित प्रयास भी बताया है।

पार्टी ने कहा कि देश में आम चुनावों के साथ 12 फरवरी को होने वाला जनमत संग्रह यूनुस सरकार द्वारा रचा गया एक भद्दा मजाक है और यह देश के संवैधानिक इतिहास पर एक काला धब्बा बना रहेगा। अवामी लीग ने यह भी आरोप लगाया गया कि जनादेश के बिना एक अवैध सरकार जनता को अंधेरे में रखते हुए देश का भविष्य तय करने का प्रयास कर रही है।

इसने कहा, जुलाई 2024 में एक चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए पूरे देश में सुनियोजित दंगे भड़काने के बाद से मुहम्मद यूनुस और उनकी तथाकथित सलाहकार परिषद जिस तरह से सत्ता पर काबिज हैं, वह बांग्लादेश के संवैधानिक इतिहास में एक शर्मनाक अध्याय बन गया है। इस्लामी उग्रवादी समूहों के सक्रिय समर्थन और सेना के एक वर्ग के मौन समर्थन से अंजाम दिया गया यह विदेशी वित्त पोषित तख्तापलट, सहमति के बजाय विश्वासघात के माध्यम से सफल हुआ।

टी20 व ?र्ल्ड कप बहिष्कार पर यूनुस सरकार की आलोचना

बांग्लादेशी थिएटर अभिनेत्री एवं निर्देशक रोकेया प्राची ने अंतरिम सरकार द्वारा भारत में टी20 विश्व कप मैच खेलने से इन्कार करने की निंदा करते हुए इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली राजनीतिक चाल बताया है। उन्होंने कहा कि यूनुस प्रशासन दोनों देशों के बीच फूट डालने के लिए भारत-विरोधी भावना का इस्तेमाल कर रहा है। आम जनता 1971 से भारत के समर्थन के लिए आभारी है।

कोई भी सरकार टिकाऊ नहीं रह पाएगी ः मोहिबुल अवामी लीग के नेता मोहिबुल हसन चौधरी नौफेल ने इस प्रक्रिया को एकतरफा चुनाव करार दिया है, जिससे जनता के धन की बर्बादी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी परिस्थितियों में बनी कोई भी सरकार टिकाऊ नहीं रह पाएगी, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहने के बावजूद भी मजबूत बनी रहेगी। इस बीच, बांग्लादेश के प्रमुख कवि, लेखक एवं राजनीतिक दार्शनिक फरहाद मजहर ने कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी और अमेरिका के बीच संबंधों पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे खतरनाक और अशुभ घटनाक्रम बताया है।

गाजा में इजराइली सेना की बड़ी कार्रवाई, 4 किमी लंबी आतंकी सुरंग की तबाह, कई ठिकाने ध्वस्त

यरूसलम/गाजा, एजेंसी। इजराइली सेना ने बताया है कि बीते एक सप्ताह में गाजा पट्टी में आतंकवाद के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाइयाँ की गईं। इन अभियानों में आइडीएफ की 7वीं बख्तरबंद ब्रिगेड ने अहम भूमिका निभाई। सेना के अनुसार, दक्षिणी गाजा में लगभग 4 किलोमीटर लंबी एक भूमिगत सुरंग को नष्ट किया गया। इस सुरंग में हथियार, सोने के कमरे और अन्य सैन्य ठिकाने पाए गए। यह कार्रवाई विशेष लड़ाकू इंजीनियर इकाई के सहयोग से पूरी की गई। पिछले सप्ताह हुई मुठभेड़ में छह आतंकवादी मारे गए थे। इसके बाद इलाके की तलाशी में विस्फोटक, कारतूस और बम बनाने से जुड़ा एक निर्देश पुस्तिका भी बरामद की गई। इसके अलावा, सेना ने पांच निष्क्रिय रॉकेट लॉन्चर और कई अन्य हथियार भी खोजे। आइडीएफ ने इन सभी ठिकानों को सुरक्षा के लिहाज से नष्ट कर दिया। इजराइली सेना ने कहा कि वह युद्धविराम समझौते के तहत दक्षिणी कमान क्षेत्र में तैनात है और किसी भी तत्काल खतरे को खत्म करने के लिए आगे भी कार्रवाई जारी रखेगी।

भारत पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर, फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। उनके साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं।

1. रक्षा साझेदारी: दोनों पक्ष एक रणनीतिक रक्षा समझौते को अंतिम रूप देंगे।

2. नौकरी और मोबिलिटी: भारतीय पेशेवरों के लिए यूरोप में काम करना और आना-जाना आसान बनाने के लिए एक मोबिलिटी फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

भारत का फायदा: अच्छी बात यह है कि भारत ने

यह यात्रा भारत के लिए दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है।

सबसे बड़ी खबर: फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर फैसला- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण मुक्त व्यापार समझौता है। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है।

इसमें 76 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि आयात 60 अरब डॉलर रहा।

वैश्विक संकेत यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की आर्थिक और सुरक्षा नीतियों के कारण वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऐसे में दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र-भारत और यूरोपीय संघ-आपसी विश्वास और साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया, जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने इसे रणनीतिक साझेदारी का अगला चरण बताया।

महारत्न कंपनी का नेट प्रॉफिट 88 प्रतिशत बढ़ा, 10 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएसयू भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। वित्तीय लिहाज से इस सरकारी कंपनी का प्रदर्शन तीसरी तिमाही में शानदार रहा है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि उनका नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 88.87 प्रतिशत बढ़ा है। इस बार कंपनी को कुल 7188.40 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 3805.94 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही नतीजों के साथ

कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

अक्टूबर से दिसंबर के दौरान बीपीसीएल का ऑपरेशंस का रेवन्यू 1,36,653.12 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 127550.57 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू 7.13 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 16.10 प्रतिशत की इजाफे के बाद 6191.49 करोड़ रुपये रहा।

डिविडेंड का भी हुआ ऐलान

तिमाही नतीजों के साथ बीपीसीएल ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 10 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। यानी योग्य निवेशकों एक शेयर पर 100 प्रतिशत का फायदा होगा। बता दें, कंपनी 21 फरवरी या उससे पहले डिविडेंड का भुगतान कर देगी। महारात्न कंपनी ने डिविडेंड के लिए 2 फरवरी, दिन सोमवार की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

यूरोप में वीपी के पद का मोह छोड़ा, ले लिया बड़ा फैसला

आज बने भारत में करोड़ों की कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। पुणे के योगेश शिंदे की कहानी कॉर्पोरेट की चमक-धमक छोड़कर मिट्टी से जुड़ने की है। यूरोप में वह बार्कलेज बैंक में वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। हालांकि, अपने एक किसान दोस्त की आत्महत्या ने उन्हें बेचैन कर दिया। उन्होंने उसी पल तय किया कि वह किसानों के लिए कुछ सार्थक करेंगे। साल 2016 में पत्नी अश्विनी के साथ मिलकर उन्होंने बैम्बू इंडिया की नींव रखी। आज यह स्टार्टअप न सिर्फ करोड़ों का टर्नओवर (4.5 करोड़ रुपये) हासिल कर रहा है। बजाय इसके बांस को गरीब की लकड़ी से बुद्धिमान की लकड़ी में बदलकर पर्यावरण और किसानों की जिंदगी संवार रहा है। आइए, यहां योगेश शिंदे की सफलता के

सफर के बारे में जानते हैं।

नौकरी छोड़ने का लिया बड़ा फैसला- यूरोप में शानदार करियर और लाखों की सैलरी होने के बावजूद योगेश शिंदे का मन भारतीय किसानों की बदहाली देखकर दुखी था। जर्मनी में काम करते वक्त उन्होंने महसूस किया कि दुनिया में भारतीय किसानों की छवि बहुत खराब दिखाई जा रही है। जब उनके एक किसान दोस्त ने आत्महत्या कर ली तो उन्होंने विदेश की नौकरी छोड़ भारत लौटने का साहसी फैसला लिया। उनका टारगेट सिर्फ पैसा कमाना नहीं, बल्कि किसानों को सम्मानजनक आजीविका देना था।

2016 में रखी कंपनी की नींव- साल 2016 में योगेश ने पत्नी अश्विनी के साथ स्वतंत्रता दिवस के दिन बैम्बू इंडिया की नींव रखी। मन में यह संकल्प लेकर कि देश को प्लास्टिक से आजादी दिलानी है। इसके विकल्प पेश करने हैं। उन्होंने टूथब्रश, ईयरबड्स और स्टेशनरी जैसे रोजमर्रा के सामानों को बांस से बनाना शुरू किया। शुरुआत कठिन थी। किसानों का भरोसा जीतना भी चुनौतीपूर्ण था। इसके लिए उन्होंने बिचौलियों को हटाकर किसानों को सीधे एडवांस भुगतान करना शुरू किया। इससे किसानों की आय करीब 275 प्रतिशत तक बढ़ गई।

48 देशों में मौजूदगी

कंपनी ने धीरे-धीरे बड़ी पहचान बनाई। शार्क टैंक इंडिया सीजन 1 में भी हिस्सा लिया। हालांकि, उन्होंने निवेशकों की शर्तों के बजाय अपने सामाजिक उद्देश्यों को प्राथमिकता दी। बूटस्ट्रैप्ड (बिना किसी फंडिंग के) रहने का फैसला किया। आज बैम्बू इंडिया के पास 1 लाख से ज्यादा ग्राहक और टाटा, गूगल, रिलायंस जैसे 500 से ज्यादा कॉर्पोरेट क्लाइंट्स हैं। उनके प्रोडक्ट अब दुनिया के 48 देशों में पहुंचकर भारतीय बांस का लोहा मनवा रहे हैं।

प्लास्टिक कचरे को किया कम

योगेश का मानना है कि उनकी सफलता केवल 4.5 करोड़ रुपये के रेवेन्यू में नहीं, बल्कि पर्यावरण पर पड़े प्रभाव में है। अब तक उनकी कंपनी ने 65 लाख किलोग्राम से ज्यादा प्लास्टिक कचरे को कम करने में मदद की है। वह मानते हैं कि अगर भविष्य में कोई प्रतियोगी उनसे आगे निकलता है तो उन्हें खुशी होगी क्योंकि उनका शुरू किया हुआ प्लास्टिक मुक्त आंदोलन सफल हो जाएगा।

केरल में अदाणी समूह का 30000 करोड़ का मेगा प्लान, विझिंजम बनेगा देश का सबसे बड़ा ट्रांसशिपमेंट हब

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने भारत के समुद्री व्यापार के नक्शे को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने शनिवार को घोषणा की कि विझिंजम बंदरगाह के विकास में कुल 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

यह केरल राज्य के इतिहास में किसी भी बिजनेस घराने द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

क्षमता में पांच गुना से ज्यादा बढ़ोतरी- इस विशाल निवेश का ब्लूप्रिंट साझा करते हुए करण अदाणी ने बताया कि कंपनी दूसरे चरण के तहत 16,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य बंदरगाह की क्षमता को कई गुना बढ़ाना है। योजना के मुताबिक, साल 2029 तक विझिंजम पोर्ट की क्षमता 10 लाख कंटेनर यूनिट से बढ़कर 57 लाख हो जाएगी।

तकनीकी रूप से होगा भारत का सबसे उन्नत बंदरगाह- अदाणी समूह का लक्ष्य विझिंजम को भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बनाना है, जहां बड़े जहाज अपना माल उतार और चढ़ा सकें। करण अदाणी ने कहा कि यह भारत का सबसे तकनीकी रूप से उन्नत बंदरगाह होगा। उन्होंने इसे भविष्य के भारतीय बंदरगाहों के संचालन के लिए एक लाइटहाउस (मार्गदर्शक) करार दिया।

अदाणी समूह ने परियोजना के बारे में क्या बताया- करण अदाणी ने प्रोजेक्ट की सफलता का श्रेय केरल के पूर्व और वर्तमान नेतृत्व को दिया:

फाउंडेशन: उन्होंने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को याद करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट की नींव और शुरुआती गति उन्हीं के नेतृत्व में मिली थी।

निष्पादन: वर्तमान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम का लगातार समर्थन एक निवेशक के लिए सबसे बड़ी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट केवल इंजीनियरिंग से नहीं, बल्कि राजनीतिक स्पष्टता और प्रशासनिक अनुशासन से सफल होते हैं, जो सीएम विजयन ने प्रदान किया है। 30,000 करोड़ रुपये का यह कमिटमेंट न केवल केरल की अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होगा, बल्कि यह विझिंजम को एक वैश्विक स्तर के समुद्री हब के रूप में स्थापित करेगा।

एयर अरेबिया पर 250000 का जुर्माना

वैलिड वीजा होने पर भी यात्रा से रोका था

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली की उपभोक्ता अदालत ने एयर अरेबिया पर डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने एयरलाइन को प्रोफेशनल लापरवाही और सेवा में कमी का जिम्मेदार ठहराया। कोर्ट ने एयरलाइन को आदेश दिया कि वह यात्री और उसकी पत्नी की एयर टिकटों का पूरा पैसा वापस करे और मुआवजे के तौर पर ढाई लाख रुपये दे। एयरलाइन ने इस शख्स को और उसकी पत्नी को वैध वीजा होने के बावजूद नैरोबी की यात्रा करने से रोक दिया था।

केस के साथ सारे तथ्यों को देखने के बाद नई दिल्ली के डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन ने अपने फैसले में कहा कि ऐसा लगता है कि एयर अरेबिया ने जल्दबाजी में काम किया और वैलिड वीजा होने के बावजूद शिकायतकर्ताओं और उनके बेटे को यात्रा करने से रोक दिया। यह प्रोफेशनल लापरवाही और सर्विस में कमी का पक्का मामला है। कोर्ट ने कहा, एयर अरेबिया से शिकायतकर्ताओं को जरूरी सेवाएं देने की उम्मीद थी।

आदेश में क्या कहा कोर्ट ने- कमीशन अध्यक्ष पूनम चौधरी की अध्यक्षता वाले कोरम ने एयरलाइंस को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ताओं और उनके बेटे द्वारा एयरलाइंस से खरीदे गए टिकटों की रकम वापस करे। प्रत्येक शिकायतकर्ता को मानसिक पीड़ा, अपमान और उत्पीड़न पहुंचाने के लिए मुआवजे के तौर पर 1,00,000-1,00,000 रुपये का भुगतान भी करे। मुकदमेबाजी के खर्च के तौर पर 50,000 रुपये का भुगतान किया जाए।

एयर इंडिया पर भी लगा था जुर्माना

हाल ही में एयर इंडिया एयरलाइन पर भी डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लगा था। दिल्ली की एक कंज्यूमर कोर्ट ने एयर इंडिया को एक इंटरनेशनल फ्लाइट में गंभीर सर्विस में कमी पाए जाने पर 1.50 लाख रुपये का हर्जाना देने का आदेश दिया था।

यह मामला सितंबर 2023 में दिल्ली से न्यूयॉर्क और फिर दिल्ली की यात्रा से जुड़ा है। शैलेन्द्र भटनागर ने अपनी बेटी के साथ एयर इंडिया की दिल्ली-न्यूयॉर्क-दिल्ली इकोनॉमी क्लास की फ्लाइट में यात्रा करने के बाद यह शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने यह टिकट ऑनलाइन बुक किया था। उन्होंने बताया कि विमान की हालत भयानक और घिनौनी थी, जिससे यात्रा बहुत कष्टदायक हो गई। कोर्ट ने माना कि एयरलाइन ने यात्रियों को वे सुविधाएं नहीं दीं जिनके वे हकदार थे, जबकि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए उनसे अच्छी-खासी रकम ली गई थी।

2 पर 1 शेयर फ्री देने का ऐलान, 116 प्रतिशत चढ़ गया है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कैप्स्टन सर्विसेज लिमिटेड ने 23 जनवरी 2026 को एक अहम कॉरपोरेट ऐलान किया है, जो कंपनी के भविष्य की ग्रोथ और शेयरधारकों के लिए काफी खास माना जा रहा है। हैदराबाद में हुई बोर्ड मीटिंग के बाद कंपनी ने दो बड़े फैसलों की जानकारी दी, जिनमें एक नई सब्सिडियरी कंपनी बनाना और बोनस शेयर जारी करना शामिल है। ये फैसले जरूरी रेगुलेटरी और कानूनी मंजूरी के अधीन होंगे। अब मंगलवार को कंपनी के शेयर फोकस में रह सकते हैं। बता दें कि बीते शुक्रवार को इस शेयर की कीमत 6 पर्सेंट तक चढ़कर 413 रुपये पर पहुंच गए थे।

कंपनी ने अपनी 100 प्रतिशत पुरे मालिकाना हक वाली के तौर पर कैप्स्टन होम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के गठन को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कैप्स्टन अब पहली बार बी2सी यानी आम ग्राहकों के लिए होम सर्विसेज बिज़नेस में कदम रखने जा रही है। अब तक कैप्स्टन कॉरपोरेट और संस्थागत ग्राहकों को

सेवाएं देती थी, लेकिन इस नए कदम से कंपनी सीधे घरों और छोटे ऑफिसों तक अपनी सेवाएं पहुंचाएगी। बढ़ते शहरी भारत में प्रोफेशनल और भरोसेमंद होम सर्विसेज की मांग को देखते हुए यह फैसला रणनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है।

बोनस शेयर डिटेल - इसके अलावा, बोर्ड ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को भी मंजूरी दे दी है। यानी शेयरधारकों को हर 2 मौजूदा शेयर पर 1 नया बोनस शेयर मिलेगा। बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट बाद में घोषित की जाएगी और इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी पोस्टल बैलट के जरिए ली जाएगी।

साल 2009 में शुरू हुई कैप्स्टन सर्विसेज आईएसओ सर्टिफाइड मैनपावर और फैसिलिटी मैनेजमेंट कंपनी है। खास बात यह है कि कंपनी का शेयर अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर से अब तक करीब 116 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है, जिससे निवेशकों में इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार- कैपस्टन होम सर्विसेज एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कई तरह की सेवाएं उपलब्ध कराएगी, जिनमें क्लीनिंग, ब्यूटी और स्पा, इलेक्ट्रिकल-प्लंबिंग-कारपेंट्री, एसी रिपेयर, पेंटिंग और अन्य घरेलू सेवाएं शामिल होंगी। कंपनी का फोकस सर्विस की गुणवत्ता, सुरक्षा, पारदर्शिता और समय पर काम पूरा करने पर रहेगा। सभी सेवाएं कैपस्टन द्वारा प्रशिक्षित और बैकग्राउंड वेरिफाइड प्रोफेशनल्स के जरिए दी जाएंगी, जिससे ग्राहकों को वही भरोसा और मानक मिलेंगे, जो कंपनी की क्व2क्क सेवाओं की पहचान रहे हैं।

मुनाफे में इजाफा, एनपीए में सुधार... अब इस दिग्गज बैंक के शेयर पर रखें नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही के दौरान बैंक के मुनाफे में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में अब बैंक के शेयर पर निवशकों की नजर रहेगी। बता दें कि सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को शेयर बाजार खुलेगा क्योंकि सोमवार को गणतंत्र दिवस की वजह से ट्रेडिंग नहीं होगी।

दिसंबर तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट चार प्रतिशत बढ़कर 3,446 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,305 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 16,741 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 16,050 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 13,428 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,903 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

ब्याज आय और एनपीए के आंकड़े- बैंक की शुद्ध ब्याज आय तिमाही में बढ़कर 7565 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 7196 करोड़ रुपये थी। हालांकि, बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के 4.93 प्रतिशत से गिरकर 4.54 प्रतिशत रह गया। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक के ग्रॉस एनपीए अनुपात में सुधार हुआ और यह 31 दिसंबर 2025 तक घटकर 1.30 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 1.50 प्रतिशत था। इसी तरह नेट एनपीए भी 0.41 प्रतिशत से घटकर 0.31 प्रतिशत पर आ गया। दिसंबर तिमाही में बैंक का संभावित ऋण नुकसान के लिए प्रावधान बढ़कर 810 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 794 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात मामूली रूप से घटकर 22.63 प्रतिशत रह गया, जो दिसंबर 2024 के अंत में 22.79 प्रतिशत था। 31 दिसंबर 2025 तक बैंक के प्रबंधन के तहत कुल ग्राहक परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 7,87,950 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 6,85,134 करोड़ रुपये थीं। बैंक के अनुसार 31 दिसंबर, 2025 तक कुल संपत्ति 1,75,251 करोड़ रुपये थी।

कोटक बैंक के शेयर का हाल- बैंक के शेयर की बात करें तो गिरावट के साथ शुक्रवार को 422.20 रुपये पर बंद हुआ। अप्रैल 2025 में शेयर 460.31 रुपये तक गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। जनवरी 2025 में शेयर 372.30 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

42 रुपये के खर्च पर बड़ा सहारा देती है यह स्कीम, अब मोदी सरकार ने दी खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की चर्चित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में निवेश की योजना बना रहे हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, बीते दिनों इस योजना को सरकार ने वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। योजना के तहत मामूली निवेश कर आप 5000 रुपये तक पेंशन का इंतजाम कर सकते हैं। आइए योजना के बारे में विस्तार में। यह योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिकों के लिए है। योजना के अंतर्गत लाभार्थी 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर 1,000, 2,000, 3,000, 4,000 या 5,000 तक की गारंटीड मासिक पेंशन प्राप्त करता है। यह रकम चुनी गई पेंशन राशि और जमा अंशदान पर निर्भर करती है। अंशदान राशि मासिक, तिमाही या छमाही आधार पर खाते से ऑटो-डेबिट के माध्यम से जमा की जाती है। योजना के तहत लाभार्थी को कम से कम 42 रुपये मासिक निवेश करना होगा। हालांकि, शर्त ये है कि निवेशक की उम्र 18 साल हो। 18 साल की उम्र में 42 रुपये की मासिक निवेश से शुरुआत करने पर 1000 रुपये प्रति माह का पेंशन मिलेगा।

2 दिन में 100 प्रतिशत भरा आईपीओ

ग्रे मार्केट ने बढ़ाई टेंशन, दांव लगाने का एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। शायोना इंजीनियरिंग आईपीओ को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी का आईपीओ को पहले दो दिन में ही पूरा भर गया है। इस एसएमई आईपीओ को पहले दिन 1.36 गुना सब्सक्राइब किया गया है। वहीं, रिटेल कैटगरी में आईपीओ में 1.18 गुना सब्सक्राइब किया गया। क्यूआईबी कैटगरी में भी यह 3.33 गुना सब्सक्राइब किया गया है। वहीं, एनआईआई में यह आईपीओ 1.67 गुना सब्सक्राइब किया गया है।

शायोना इंजीनियरिंग आईपीओ का प्राइस बैंड 140 रुपये से 144 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 2000 शेयरों पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 288000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। बता दें, यह आईपीओ 22 जनवरी को खुला था। निवेशकों के पास 27 जनवरी तक दांव लगाने का मौका मिलेगा। कंपनी की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में होगी।

इस एसएमई आईपीओ का साइज 14.86 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। कंपनी आईपीओ के जरिए 10 लाख नए शेयर जारी करेगी। बता दें, आईपीओ के जरिए मौजूदा निवेशक एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं।

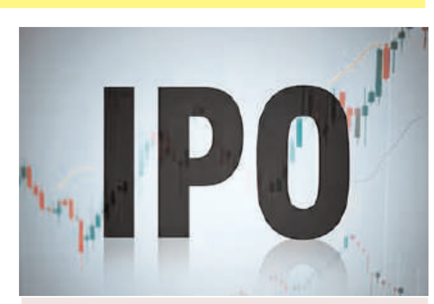

ग्रे मार्केट में स्थिति खराब

इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ जीरो रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। आईपीओ के जीएमपी में शुरू से ही हलचल देखने को नहीं मिल रहा है।

इस कंपनी की स्थापना 2017 में हुई थी। कंपनी ने होरिजोन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड का रजिस्ट्रार नियुक्त किया है। आईपीओ के पैसे के जरिए कंपनी मौजूदा लोन का भुगतान करेगी। इस समय में कंपनी के ऊपर 2.17 करोड़ रुपये का कर्ज है। वहीं, वर्किंग कैपिटल के लिए 4 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

बांग्लादेश के टी20 विश्व कप से बाहर होने पर विश्व क्रिकेट संघ का पहला बयान आया सामने

'एक दुखद क्षण है जिस पर गहन चिंतन' करने की जरूरत

लंदन (एजेंसी)। विश्व क्रिकेट संघ (डब्ल्यूसीए) ने टी20 विश्व कप से बांग्लादेश के बाहर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि यह 'एक दुखद क्षण' है जिस पर 'गहन चिंतन' करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को पुष्टि की कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। आईसीसी ने कहा कि यह 'मुश्किल फैसला' इसलिए किया गया क्योंकि टूर्नामेंट से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के उसकी टीम के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को पूरा करना संभव नहीं था।

डब्ल्यूसीए के सीईओ टॉम मोफैट ने बयान में कहा, 'टी20 विश्व कप से बांग्लादेश के बाहर होने और इस कारण टी20 के सर्वोच्च टूर्नामेंट से एक क्रिकेट प्रेमी देश की अनुपस्थिति हमारे खेल, बांग्लादेश के खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए एक दुखद क्षण है। यह एक ऐसा क्षण है जिस पर गहन चिंतन करने की जरूरत है।

बांग्लादेश को होगा 3 लाख से 5 लाख डॉलर का आर्थिक नुकसान

बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत आने से इनकार कर दिया था और मांग की थी कि उसके मुकाबले श्रीलंका में कराए जाएं ।भारत न जाने का निर्णय पूरी तरह सरकार और बोर्ड स्तर पर लिया गया, जिससे खिलाड़ी खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। आईसीसी के अंतिम फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट एक बड़े मोड़ पर खड़ा नजर आ रहा है ।टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद बांग्लादेश को केवल ग्रुप स्टेज की भागीदारी फीस के तौर पर 3 लाख से 5 लाख डॉलर (करीब 3.6 से 6.7 करोड़ टका) का नुकसान हो सकता है।

रेवेन्यू शेयर और ब्रांड डील्स पर असर

इसके अलावा, बांग्लादेश को टूर्नामेंट के रेवेन्यू शेयर से बाहर किया जा सकता है, जिससे उसे करीब 2.7 करोड़ डॉलर (325-330 करोड़ टका) का नुकसान हो सकता है। यह रकम बीसीबी की सालाना आय का लगभग 60 प्रतिशत बताई जा रही है। इतना ही नहीं, खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड कॉन्ट्रैक्ट्स भी खतरे में हैं।

रणजी ट्रॉफी

मोहम्मद शमी के पांच विकेट, बंगाल ने किया नॉकआउट के लिए क्वालिफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी (5 विकेट) और मुकेश कुमार (2 विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बंगाल ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सर्विसेज को पारी और 46 रनों से शिकस्त दी। आज यहां सर्विसेज ने आठ विकेट पर 231 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शाहबाज अहमद और आकाश दीप को सर्विसेज की दूसरी पारी को समेटने में मात्र 20 मिनट लगे। शाहबाज अहमद ने आदित्य कुमार (26) को आउटकर बंगाल की झोली में नौवां विकेट डाला। इसके बाद आकाश दीप ने अमरजीत सिंह (शून्य) को अपनी ही गेंद कैच आउटकर सर्विसेज की दूसरी पारी का अंत कर दिया। बंगाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 561 रन बनाकर 6 विकेट पर पारी घोषित कर दी। इसके बाद उन्होंने लगातार 129 ओवर गेंदबाजी करते हुए करके सर्विसेज के 20 विकेट लिए। सर्विसेज की टीम पहली पारी में मात्र 53.5 ओवर ही खेल पाई। हालांकि उन्होंने दूसरी पारी 75 ओवरों तक खेली, लेकिन उसके बल्लेबाज बंगाल को जीत से नहीं रोक सके। मोहम्मद शमी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते 51 रन देकर पांच विकेट लिए और सर्विसेज की हार को हार के लिए मजबूर किया। इस जीत से बंगाल ग्रुप सी में 30 अंकों के साथ टॉप पर पहुंच गया है और उसकी नॉकआउट में जगह पक्की हो गई है। अब दूसरे स्थान के लिए सर्विसेज, हरियाणा और उत्तराखंड के बीच मुकाबला है।

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

बुलावायो (एजेंसी)। भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप हुई।आयुष म्हात्रे ने 53 और वैभव सूर्यवंशी ने 40 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 4 विकेट झटके। जबकि हेनिल पटेल को 3 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से कैलम सैमसन ने नाबाद 37 और सेल्विन संजय ने 28 रन की पारियां खेलीं। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन का टारगेट दिया था, जिसे रिवाइज्ड करके 130 रन कर दिया गया। क्योंकि, बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ। फिर इसे रोकना भी पड़ा था। वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में सरफराज खान को पीछे छोड़ दिया है। वैभव अब छठे नंबर पर हैं। वैभव के नाम 1087 रन हो गए हैं। जबकि सरफराज के नाम 1080 रन हैं।

'धन्यवाद', विश्व कप में खेलने का मौका मिलने पर 'आईसीसी' का क्रिकेट स्कॉटलैंड ने जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश आधिकारिक रूप से बाहर हो गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश की जगह टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को शामिल किया है। विश्व कप में अचानक खेलने का मौका मिलने पर स्कॉटलैंड क्रिकेट में उत्साह का माहौल है। क्रिकेट स्कॉटलैंड ने विश्व कप में खेलने का मौका देने के लिए आईसीसी को धन्यवाद दिया है। क्रिकेट स्कॉटलैंड की सीईओ ट्रुडी लिंडब्लेड ने कहा, 'मुझे आईसीसी का एक पत्र मिला जिसमें पूछा गया था कि क्या हमारी पुरुष टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, और हमने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।' क्रिकेट स्कॉटलैंड के अध्यक्ष विल्फ वॉल्श ने कहा कि आज सुबह मुझे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का फोन आया, जिसमें उन्होंने कन्फर्म किया गया कि स्कॉटलैंड को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में खेलने का प्रस्ताव मिलेगा। मुझे अपनी टीम की ओर से इसे स्वीकार करके खुशी हुई, जो जाने के लिए तैयार है। हम इस मौके के लिए आईसीसी का धन्यवाद देते हैं। हम इस प्रस्ताव के लिए आईसीसी के आभारी हैं। उन्होंने कहा, 'यह स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों के लिए लाखों समर्थकों के सामने वैश्विक मंच पर खेलने और मुकाबला करने का एक सुनहरा मौका है। हमें यह मौका मुश्किल और अनोखी परिस्थितियों के कारण मिला है। हमारे खिलाड़ी टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। स्कॉटलैंड की टीम जल्द ही भारत पहुंचने की तैयारी कर रही है ताकि वहां के माहौल में ढल सके और विश्व कप में अपना योगदान दे सके।

स्कॉटलैंड को विश्व कप में बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी में शामिल किया गया

बांग्लादेश में हिंदूओं के खिलाफ हो रही लगातार हिंसा के बाद भारत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर करने की मांग उठी। रहमान को नीलामी में केकेआर ने 9.2 करोड़ की बड़ी कीमत में खरीदा था। विरोध के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का आदेश दिया और केकेआर ने इस निर्देश का पालन किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों से अपने क्रिकेटरों को टी20 विश्व कप के मैचों के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया और अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश ने अपना ग्रुप भी बदलने की मांग की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश की मांग नहीं मानी और उन्हें भारत में जाकर विश्व कप खेलने का आदेश दिया और खिलाड़ियों की सुरक्षा का भरोसा दिया।

टी20 विश्व कप

बांग्लादेश का समर्थन करने पर पाकिस्तान से नाराज आईसीसी, हो सकती है सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी के बीच जारी तनातनी में पाकिस्तान की एंट्री उसके लिए नुकसानदायक हो सकती है। पाकिस्तान ने आईसीसी के साथ जारी विवाद में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का समर्थन किया है। इससे आईसीसी नाराज है और पाकिस्तान के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टी20 विश्व कप के अपने मैच भारत में खेलने से मना कर दिया था और विश्व कप से अपना नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को एंट्री दे दी है। इस बीच बांग्लादेश को पाकिस्तान का समर्थन मिलने के बाद यह विवाद और गहरा गया है। बताया जा रहा है कि अगर यह मामला सुलझता नहीं है तो

पाकिस्तान अपने टूर्नामेंट में भाग लेने के फैसले की समीक्षा कर सकता है। आईसीसी द्वारा आधिकारिक रूप से बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला सरकार लेगी। मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बांग्लादेश के साथ अन्याय हुआ है। एक देश को जब चाहे फैसले लेने की छूट है, जबकि दूसरे देशों के लिए नियम अलग हैं। बांग्लादेश एक बड़ा स्टेकहोल्डर है और उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। नकवी ने यह भी सवाल उठाया कि जब आईसीसी ने पाकिस्तान और भारत के लिए वेन्यू बदलने जैसे फैसले लिए थे, तो बांग्लादेश के मामले में वही नीति क्यों नहीं अपनाई गई। पीसीबी सीधे आईसीसी के अधीन नहीं है, बल्कि पाकिस्तान सरकार के प्रति जवाबदेह है।

बॉयकॉट ड्रामे के बाद पाकिस्तान ने किया टी20 वर्ल्ड कप टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी के बॉयकॉट ड्रामे के बाद पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। 2009 की चैंपियन टीम की कप्तानी सलमान अली आगा करेंगे। बाबर आजम ने टीम में अपनी जगह पक्की कर ली जबकि हारिस रऊफ और मोहम्मद रिजवान को टीम में शामिल नहीं किया गया है। वहीं रऊफ की गैरमौजूदगी में शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह तेज गेंदबाजी अटैक की कमान संभालेंगे। नकवी ने आईसीसी की आलोचना की थी क्योंकि उसने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत जाने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटा दिया था। हालांकि, आईसीसी द्वारा नियुक्त अंदरूनी और बाहरी विशेषज्ञों के स्वतंत्र सुरक्षा आकलन से यह निष्कर्ष निकला कि बांग्लादेश की नेशनल टीम, उसके अधिकारियों या समर्थकों को भारत में कोई विश्वसनीय या पुष्टि योग्य सुरक्षा खतरा नहीं था। नतीजतन, बांग्लादेश की लगातार अनिच्छा के बीच, आईसीसी ने उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। पाकिस्तान को सह-मेजबान और डिफेंडिंग चैंपियन भारत, नीदरलैंड्स, यूएसए और नामीबिया के साथ ग्रुप में रखा गया है।

पाकिस्तान का ग्रुप-स्टेज शेड्यूल (सभी मैच कोलंबो में)

पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड्स - 7 फरवरी
पाकिस्तान बनाम यूएसए - 10 फरवरी
पाकिस्तान बनाम भारत - 15 फरवरी
पाकिस्तान बनाम नामीबिया - 18 फरवरी

पाकिस्तान की टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा मोहम्मद नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) और उस्मान तारिक।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 5 विकेट से दूसरा वनडे हराया

● जो रूट की फिफ्टी, 2 विकेट भी लिए, सीरीज 1-1 से बराबर

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड ने श्रीलंका को दूसरा वनडे 5 विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कोलंबो में शनिवार को पहले बैटिंग करते हुए होम टीम ने 219 रन बनाए। इंग्लिश टीम ने 46.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

श्रीलंका ने लगातार विकेट गंवाए - आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने बैटिंग चुनी। कमिल मिशारा 5 ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद पाथुम निसांका 26, धनंजय डी सिल्वा 40, विकेटकीपर कुसल मेंडिस 26,

कप्तान चरिथ असलंका 45, जनिथ लियानागे 12, पवन रत्नायके 29 और दुनिथ वेल्लालागे 20 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका 49.3 ओवर में 219 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए जैमी ओवरटन, आदिल रशीद और जो रूट ने 2-2 विकेट लिए। लियम डॉसन, विल जैक्स और रेहान अहमद को 1-1 विकेट मिला। सैम करन और जैकब बेथेल कोई विकेट नहीं ले सके।

जो रूट ने फिफ्टी लगाई - 220 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड ने छठे ओवर में नए ओपनर रेहान अहमद का विकेट गंवा दिया। वे 13 रन ही बना सके। बेन डकेट ने फिर जो रूट के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली, लेकिन वे 39 रन बनाकर ही आउट हो गए। जैकब बेथेल भी 6 रन ही बना सके। रूट ने फिर फिफ्टी लगाई और कप्तान हैरी ब्रूक के साथ टीम को 178 तक पहुंचा दिया। रूट 75 रन बनाकर आउट हुए। ब्रूक 42 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 189 पर 4 विकेट गंवा दिए।

न्यूयॉर्क में उलटफेर करने से चूकी भारत की उभरती हुई स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत

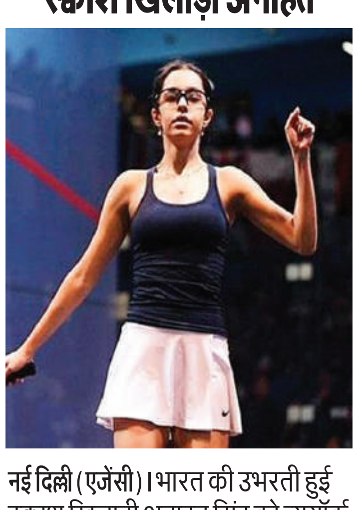

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को न्यूयॉर्क में स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में जापान की विश्व में सातवें नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ उलटफेर करने की स्थिति में पहुंचने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। अपने पहले पीएसए प्लैटिनम-स्तरीय टूर्नामेंट में भाग ले रही महिला रैंकिंग में विश्व की 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने शुरुआती दो गेम जीते, लेकिन जापान की छठी वरीयता प्राप्त अनुभवी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 6-11, 6-11, 11-2, 11-8, 11-6 से जीत हासिल की।

सतोमी ने कहा, 'यह मेरे लिए वास्तव में एक कड़ा मैच था। उसने (अनाहत) बहुत ही शानदार खेल दिखाया। उसके विनर्स तो कमाल के थे। मैं मैच जीतने से वास्तव में बहुत खुश हूं। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी अनाहत ने इससे पहले लूसी टरमेल को हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया था। अनाहत ने इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया था।

आर्यना बालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

विक्टोरिया म्बोको को हराया, अल्काराज लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट के अंतिम-8 में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 बेला रूस की आर्यना सबालेंका और मेंस सिंगल्स के वर्ल्ड नंबर-1 ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरेना में खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में उन्होंने कनाडा की 19साल की खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 6-1, 7-6(1) से हरा दिया। इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मैच के दौरान सबालेंका ने अपना दबदबा दिखाते हुए लगातार 22वां टाईब्रेकर जीतने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

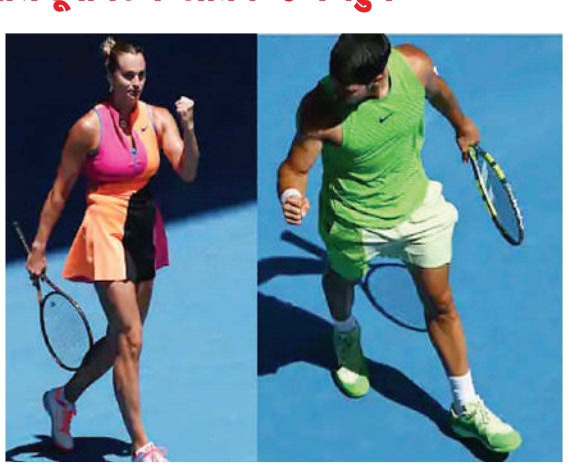

शुरुआती पिछड़ने के बाद अल्काराज की शानदार वापसी

मैच की शुरुआत में 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने अल्काराज को कड़ी टक्कर दी। पॉल ने पहले सेट में ही 4-2 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, अल्काराज ने जल्द ही लय हासिल की और सेट को टाईब्रेकर तक खींच ले गए। टाईब्रेकर में टॉमी पॉल की एक डबल फॉल्ट ने अल्काराज को पहला सेट जीतने का मौका दे दिया। 2 घंटे 44 मिनट तक चले इस मुकाबले में अल्काराज ने कुल 35 विनर्स लगाए।

तीसरे सेट में टॉमी पॉल ने दिखाया जुझारूपन

टॉमी पॉल, जो चोट के कारण 2025 के आखिरी तीन महीनों में टेनिस से दूर थे, उन्होंने तीसरे सेट में वापसी की पूरी कोशिश की। एक समय तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 2-1 कर लिया था। लेकिन 11वें गेम में अल्काराज ने उनकी सर्विस ब्रेक कर दी और मैच को अपने पक्ष में कर लिया। इस जीत के साथ अल्काराज का टॉमी पॉल के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-2 का हो गया है।

सबालेंका ने 31 मिनट में जीता पहला सेट, दूसरे में मिली टक्कर

मैच की शुरुआत में सबालेंका पूरी तरह से हावी नजर आई। उन्होंने महज 31 मिनट में पहला सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, दूसरे सेट में 17वीं सीड म्बोको ने जबरदस्त वापसी की। एक समय सबालेंका 4-1 से आगे चल रही थीं, लेकिन म्बोको ने उनकी सर्विस ब्रेक कर स्कोर बराबर कर दिया और गेम सेट टाईब्रेकर में पहुंचा, जहां सबालेंका ने म्बोको को कोई मौका नहीं दिया और 7-1 से टाईब्रेकर जीतकर मैच अपने नाम किया।

- **टाईब्रेकर में लगातार 22वीं जीत** - आर्यना सबालेंका टेनिस सर्किट में टाईब्रेकर स्पेशलिस्ट बनकर उभरी हैं। पिछले मैच में अनास्तासिया पोटापोवा को दो टाईब्रेकर में हराने के बाद, आज की जीत के साथ उन्होंने लगातार 22 टाईब्रेकर जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। इसमें से 19 टाईब्रेकर उन्होंने पिछले साल जीते थे।
- **नडाल का रिकॉर्ड तोड़ने की रेस में अल्काराज** - अल्काराज इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीत लेते हैं, तो वे करियर ग्रैंड स्लैम (चारों बड़े ग्रैंड स्लैम जीतना) पूरा करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड उनके हमवतन राफेल नडाल के नाम है।

कृष्णायन

सोमवार 26 जनवरी 2026 स्वराज खबर

कब, कितनी देर और किस दिशा में सोएं शास्त्रों में बताए गए हैं सोने के नियम

हिंदू धर्म शास्त्रों में व्यक्ति की दैनिक चर्या के बारे में भी बताया गया है. इसमें सोने का नियम भी एक है, जिसका पालन करना व्यक्ति की चेतना और आध्यात्मिक उन्नति के लिए जरूरी है. व्यक्ति अपनी दैनिक चर्या में कई महत्वपूर्ण कार्यों को करता है, जिसमें सांस लेना, भोजन करना, पानी पीना जैसी चीजों को जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक माना गया है. इन्हीं में एक है 'नींद'. अन्य कामों की तरह नींद या सोना भी हमारे दैनिक जीवन का अहम हिस्सा है. इसलिए विज्ञान से लेकर शास्त्रों में इसके महत्व को समझाया गया है.हर व्यक्ति के लिए सही समय पर सोना, जागना, सही दिशा में सोना जरूरी होता है. गलत दिशा या गलत समय पर सोना आपके शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है. इसलिए भविष्य पुराण, विष्णु पुराण से लेकर अनेक स्मृतियों में सोने के नियम और समय आदि के बारे में बताया गया है. साथ ही विज्ञान भी मानता है कि, गलत दिशा या गलत समय पर सोना शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है. वर्ल्ड स्लीप डे के मौके पर आपको शास्त्रों के अनुसार सोने के नियमों के बारे में बताएंगे, जिसका पालन करने से आपका मन प्रसन्न रहेगा और सकारात्मक ऊर्जा, चेतना व आध्यात्मि उन्नति होगी.

सोने की दिशा

उत्तरे पश्चिमे चैव न स्वपेद्धि कदाचन..
स्वप्रादायुः क्षयं याति ब्रह्महा पुरुषो भवेत.
न कुर्वीत ततः स्वप्रं शस्तं च पूर्व दक्षिणम.. (पद्म पुराण)

अर्थः सोते समय सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए. पश्चिम और उत्तर दिशा में मुंह करके नहीं सोना चाहिए. उत्तर और पश्चिम दिशा में सिर करके सोने से रोग बढ़ते हैं और आयु घटती है.

स्वगेहे प्राक्छिराः सुप्याच्छ्वशुरे दक्षिणाशिराः.
प्रत्यक्छिराः प्रवासे तु नोदक्सुप्यात्कदाचन.. (आचारमयूख)

अर्थः जब आप अपने घर पर सोएं तो सिर पूर्व दिशा की ओर रखें. अगर आप ससुराल में सोएं तो सिर दक्षिण दिशा की ओर रखें. वहीं जब आप किसी यात्रा या विदेश में सो रहे हों तो सोते समय अपना सिर पश्चिम दिशा की ओर रखें.

कैसी हो शय्या

विष्णु पुराण के अनुसार सोते समय शय्या का ध्यान रखना जरूरी होता है. टूटी हुई, बहुत बड़ी या बहुत छोटी, बहुत ऊंची, मैली या जंतुयुक्त शय्या नहीं होनी चाहिए. साथ ही हमेशा साफ बिछावन पर ही शयन करना चाहिए.

हिंदू शास्त्र में दरवाजे की ओर पैर करने सोना भी वर्जित होता है.

इससे सेहत, समृद्धि को क्षति पहुंचती हैं.

वहीं आचारमयूख पुस्तक के अनुसार, जो लोग उत्तर दिशा को ओर पैर करके सोते हैं, उनके स्वास्थ्य, शांति, धन और आयु में वृद्धि होती है.

सोने का समय

कभी भी सूर्यास्त के तुंरत बाद और गोधूलि बेला में नहीं सोना चाहिए.

रात्रि के पहले प्रहर में सोना सबसे अच्छा समय है. वहीं उठने के लिए ब्रह्म मुहूर्त को अच्छा माना गया है.

दिन का दूसरा प्रहर यानी सुबह 09 से दोपहर 12 बजे के बीच भी नहीं सोना चाहिए.

सोने का मंत्र

वाराणस्यां दक्षिणे तु कुक्कुटो नाम वै द्विजः।
तस्य स्मरणमात्रेण दुःस्वपनः सुखदो भवेत।।
या देवी सर्वभूतेषु निद्रा-रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥
अच्युतानन्त गोविन्द नामोच्चारणभेषजात।
नश्यन्ति सकलाः रोगाः सत्यं सत्यं वदाम्यहम।।

बेहतर नींद के लिए सोने से पहले हाथ-पांव धोकर इन मंत्रों का जाप करें.

घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है तुलसी, जानें किस दिशा में रखना होता है शुभ

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना गया है. तुलसी भगवान विष्णु को सबसे प्रिय है, क्योंकि इसे मां लक्ष्मी का एक रूप माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा हरा-भरा होता है उस घर के लोग सदैव सुखी रहते हैं और मां लक्ष्मी भी ऐसे घरों में वास करती हैं. मां लक्ष्मी की कृपा आपके घर पर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है तुलसी का सही दिशा में होना. वास्तु में भी तुलसी की दिशा का खास महत्व बताया गया है. तुलसी का पौधा सही दिशा में और उचित स्थान पर रखा हो तो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है. यही वजह है कि तुलसी को हर घर के आंगन की शोभा माना जाता है. तुलसी का पौधा नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है. तुलसी को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है, लेकिन यदि इसे घर में सही से न रखा जाए तो इसका शुभ परिणाम नहीं मिलता है. ऐसे में यदि आपके घर में भी तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें.

कहां लगाएं तुलसी का पौधा

पुराने जमाने में तुलसी का पौधा घर के आंगन के बीचोबीच लगाने की परंपरा थी, ताकि वहां उस पौधे को धूप, हवा पानी सब कुछ पर्याप्त मात्रा में मिलता रहे. लेकिन अब चूंकि घरों का आकार पहले की तुलना में काफी छोटा हो चुका है और महानगरों में फ्लैट कल्चर बढ़ जाने की वजह से तुलसी का पौधा कहां लगाएं यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है.

आप चाहें तो तुलसी का पौधा मुख्य द्वार पर भी लगा सकते हैं लेकिन आपके घर में अगर मुख्य द्वार पर हवा, पानी और धूप नहीं आती तो तुलसी का पौधा सूख भी सकता है. इसलिए ऐसे घरों में तुलसी का पौधा बालकनी में लगा सकते हैं.

इस बात का ध्यान रखें कि बालकनी या तो उत्तर दिशा में होनी चाहिए या फिर पूर्व दिशा में. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन दोनों ही दिशाओं में देवताओं का वास माना जाता है. उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर जी का स्थान माना गया है. इसलिए इस दिशा में तुलसी लगाने पर आपके घर में धन का प्रवाह बढ़ता है.

इस दिशा में न रखें तुलसी का पौधा

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि तुलसी के पौधे को कभी भी घर की दक्षिण दिशा में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि यह दिशा पितरों और यमराज की मानी जाती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार तुलसी के पौधे को रखने के लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर-पूर्व दिशा होती है.

तुलसी के पास न हो अंधेरा

तुलसी के पौधे को हमेशा ऐसे स्थान पर रखें जहां पर धूप आती हो. यदि आपके घर में तुलसी के पौधे को अंधेरे कोने या ऐसे स्थान पर रखा गया है, जहां पर रोशनी नहीं पहुंचती तो अच्छा नहीं माना जाता है.

इस जगह न लगाएं तुलसी

कुछ लोग अपने घर की जमीन में ही तुलसी का पौधा लगा देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए. तुलसी के पौधे को कभी भी जमीन में नहीं लगाना चाहिए. तुलसी का पौधा हमेशा गमले में लगाना शुभ माना जाता है.

तुलसी के पास न रखें ये चीजें

तुलसी के पौधे के पास हमेशा सफाई रखनी चाहिए. इसके आस-पास जूते-चप्पल, गंदे कपड़े या फिर झाड़ू आदि नहीं रखनी चाहिए. इसके अलावा तुलसी को हमेशा साफ हाथों से ही छूना चाहिए.

बरसने वाली है मां लक्ष्मी की कृपा

जब आपके घर में तुलसी का पौधा अचानक से हरा-भरा हो जाए, तो इसे एक बहुत-ही संकेत माना जाता है. इसका अर्थ है कि आपके घर में जल्द ही कोई खुशखबरी आने वाली है. इतना ही नहीं, तुलसी के हरा-भरा होने का अर्थ है कि साधक को मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त हो सकती है.

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए परस्पर सहयोग की भावना बनाए रखने के लिए रहेगा। आप परोपकार के कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा।आपके घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर कुछ समस्या आ सकती है।आप अपने कामों को लेकर यदि किसी दूसरे पर डिपेंड रहेंगे, तो वह आपके कामों को लटका सकते हैं।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए वाहन की प्राप्ति के लिए रहेगा।आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती रहेगी।आज आपकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहेगा, क्योंकि कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपको पूरी तवज्जो देंगे और आपके प्रमोशन की बात को भी आगे कर सकते हैं। यदि आपने किसी नई प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने का सोचा था, तो वह आपके लिए अच्छी रहेगी।

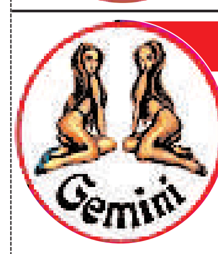

मिथुन

मिथुन- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो आपको उसे समय रहते पूरा करने की आवश्यकता है। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा। आप किसी से धन का लेनदेन ना करें, नहीं तो उससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा।किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।आपके बॉस कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया पद दे सकते हैं।आप अपनी जॉब में भी चेंज करने के बारे में प्लानिंग कर सकते हैं।आपको अपने कामों की योजना बनाकर करने की आवश्यकता है, तभी वह पूरी हो सकती हैं। सहयोगी आपके काम में आपका पूरा साथ देंगे।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। शेयर मार्केट में यदि आपने इन्वेस्टमेंट करने के बारे में सोचा है, तो उसमें आपको कोई नुकसान हो सकता है। आपको किसी की कहीसुनी बातों में आने से बचना होगा। आपके कुछ नए विरोधी हो सकते हैं, जो आपको समस्या देंगे।आप अपनी किसी पारिवारिक समस्या को बाहरी व्यक्ति के सामने उजागर न करें।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपके जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे। आपको अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके खर्च बेतहाशा बढ़ेंगे। आप शान-शौकत की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे।आपके घर किसी नए मेहमान के आने से आप खुश रहेंगे। परिवार में एकजुटता नजर आएगी।आप अपने मन में ईर्ष्या की भावना ना रखें।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी कानूनी मामले में किसी परिजन से कोई सलाह बहुत ही सोच समझ कर लेनी होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको सावधानी बरतनी होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है।आपके मन में यदि किसी बात को लेकर संशय बना हुआ है, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे न बढ़ें।यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी। यदि आपने कोई निर्णय जल्दबाजी में लिया, तो वह आपको समस्या दे सकता है।प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से कुछ समस्याएं आ सकती हैं।आपको अपने पिताजी की सेहत पर ध्यान देना होगा। संतान के करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा।प्रॉपर्टी को लेकर आप किसी वाद-विवाद में पड़ सकते हैं। किसी काम को लेकर आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है।आप किसी को धन उधार देने से बचें। यदि आपने शेयर मार्केट में इनवेस्टमेंट का सोचा है, तो उसके लिए आप किसी वरिष्ठ सदस्य से राय अवश्य लें। घर परिवार में चल रही समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी।जो आपको थोड़ी टेंशन तो देगी, लेकिन आप दोस्तों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में भी व्यतीत करेंगे।आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपके किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। विद्यार्थियों को शिक्षा में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसके लिए उन्हें अपने सीनियर से सलाह लेनी पड़ेगी।बिजनेस में आपकी किसी पुरानी योजना से आपको अच्छा लाभ मिलेगा, जिससे आपको खुशी होगी।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप कामों को करने में काफी जल्दबाजी दिखाएंगे। आपके रुके हुए काम भी पूरे होंगे।परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। माता-पिता की सेवा के लिए आप कुछ समय निकालेंगे। यदि आपको किसी बात को लेकर कोई टेंशन चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, संपादक- **विजयेन्द्र कुमार सिंह** द्वारा समग ट्रयू इंटरप्राइजेज प्रा.लि., ए-157, सेक्टर-80, फैज-1, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा 227 पटपड़गंज गांव , मेन रोड , मयूर विहार फेज 1 दिल्ली - 110091 से प्रकाशित। **सलाहकार संपादक -निविड़ शिवपुत्र***
दूरभाष- 7503976650 (पत्र से संबंधित सभी विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा)